तेलंगाना फैक्ट्री विस्फोट में मरने वालों की संख्या 42 हुई, 8 अभी भी लापता

हैदराबाद 7 जुलाई (निस): तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री धमाके में मरने वालों की संख्या 42 हो गई है। एक व्यक्ति की अस्पताल में मौत हो गई, जबकि एक शव की पहचान डीएनए जांच से हुई। 8 लोगों अभी भी लापता हैं। हादसे से 6 दिन बाद भी सर्च ऑपरेशन जारी है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के(शेष पृष्ठ दो पर)

दैनिक

राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत उत्तर भारत विशेष कर मालवा जोन (हरियाणा) का एकमात्र दैनिक समाचारपत्र

DAILY BHARAT DESH HAMARA KARNAL

भारत देश हमारा

Postal Regd. No. PKL-235/2024-26

www.bharatdeshhamara.com,E-mail-bdhkarnal@gmail.com

करनाल

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी संपादक - डा.के.के.संधू प्रबन्ध संपादकः सुरेन्द्र सिंह छत्तवाल

PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227 वर्ष 8 अंक 187 मंगलवार 8 जुलाई, 2025 Tuesday 8 July , 2025 मूल्य 2/- रूपए , कुल पृष्ठ 12 मोब :9416406615,7404278000,9215537704

2047 तक मक्का उत्पादन दोगुना करने का लक्ष्य-शिवराज सिंह

नई दिल्ली 7 जुलाई (निस) केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने सोमवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत अपना मक्का उत्पादन साल 2047 तक बढ़ाकर दोगुना यानी 8.6 करोड़ टन कर सकता है। अभी भारत में मक्का उत्पादन 4.2 करोड़ टन के करीब है। कृषि मंत्री ने ज्यादा उपज और ज्यादा स्टार्च वाले बीजों के विकास की जरूरत पर बल दिया। फिक्की द्वारा आयोजित 11वें मक्का सम्मेलन में बोलते हुए कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि भारत को अनुवांशिक रूप से संशोधित बीजों का इस्तेमाल किए बिना अपनी उत्पादकता बढ़ाने की जरूरत है।गौरतलब है कि भारत अभी दुनिया में मक्का का पांचवा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हम अनुवांशिक रूप से संशोधित बीजों का इस्तेमाल नहीं करते हैं, लेकिन इसके बावजूद हम अपनी उत्पादकता बढ़ा सकते हैं। भारत में औसत मक्का उत्पादन 3.7 टन प्रति हेक्टेयर है।

होशियारपुर जिले में भीषण हादसाःकार से टक्कर के बाद बस पलटी,आठ की मौत

सीएम ने हादसे पर दुख जताया, पीड़ितों के साथ संवेदना, सहायता राशि का किया ऐलान

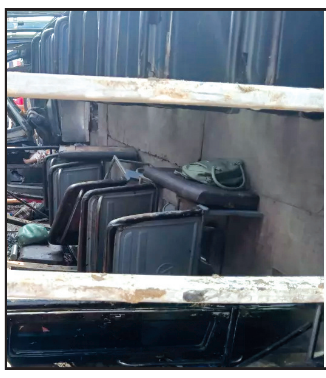

होशियारपुर 7 जुलाई (निस) पंजाब के होशियारपुर जिले में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब दसूहा हलके के दसूहा-हाजीपुर रोड पर एक बस की कार के साथ टक्कर होने के बाद अनियंत्रित होकर पलट गई। यह दर्दनाक हादसा सगरा अड्डा के नजदीक हुआ, जिसमें अब तक 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब दो दर्जन यात्री घायल हो गए। घायलों को तुरंत स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनका इलाज प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंच गया और राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है, हालांकि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बस तेज रफ्तार के चलते ड्राइवर से अनियंत्रित होकर पलट गई। **सीएम ने दुख जताया**-पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दसूहा में हुए बस सड़क हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। सी.एम. भगवंत मान ने दुख जताते हुए कहा कि आज जिला होशियारपुर के दसूहा के गांव सगरा में बड़ा हादसा हो गया है, जहां यात्रियों से भरी एक निजी मिनी बस और कार की टक्कर हो गई। जिसमें कई लोगों की दुखद मौत की सूचना मिली है और कई(शेष पृष्ठ दो पर)

संविधान की प्रस्तावना बच्चों के लिए माता-पिता की तरह, इसे नहीं बदला जा सकता - उपराष्ट्रपति धनखड़

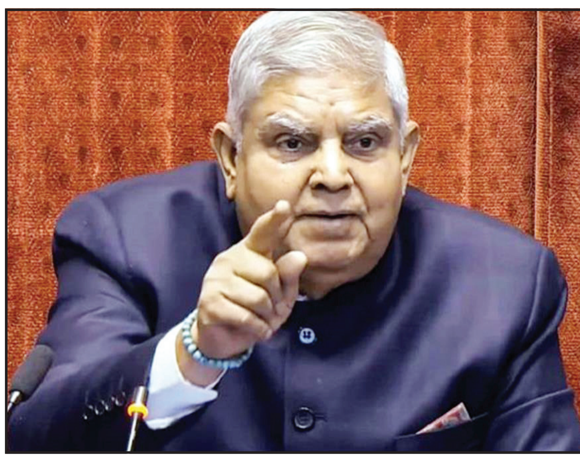

नई दिल्ली 7 जुलाई (निस): उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना बच्चों के लिए माता-पिता की तरह है और इसे बदला नहीं जा सकता, चाहे कोई कितनी भी कोशिश कर ले। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति और राज्यपाल ही दो ऐसे संवैधानिक पद हैं जो उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, संसद सदस्यों, विधानसभा सदस्यों और न्यायाधीशों जैसे अन्य पदाधिकारियों से अलग शपथ लेते हैं। हम सभी - उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य - संविधान का पालन करने की शपथ लेते हैं, लेकिन माननीय राष्ट्रपति और माननीय राज्यपाल संविधान को संरक्षित, सुरक्षित और बचाव करने की शपथ लेते हैं। इस प्रकार, उनकी शपथ न केवल बहुत अलग है, बल्कि यह उन्हें संविधान को संरक्षित, सुरक्षित और बचाव करने के भारी कार्य के लिए बाध्य भी करती है।कोच्चि स्थित नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लीगल स्टडीज (एनयूएएलएस) में छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि ऐतिहासिक रूप से किसी भी देश की प्रस्तावना में कभी बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि आपातकाल के दौरान भारतीय संविधान की प्रस्तावना में बदलाव किया गया था। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना को लेकर कई मुद्दे रहे हैं। भारतीय संविधान की प्रस्तावना बच्चों के लिए माता-पिता की तरह है। आप चाहे जितनी भी कोशिश कर लें, आप अपने माता-पिता की भूमिका को नहीं बदल सकते। यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में न्यायपालिका पर लोगों का बहुत भरोसा और सम्मान है। लोग न्यायपालिका पर उतना भरोसा करते हैं जितना किसी और संस्था पर नहीं। अगर संस्था पर उनका भरोसा खत्म हो गया तो हम एक गंभीर स्थिति का सामना करेंगे। 1.4 बिलियन की आबादी वाले देश को नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई संस्थ्ा (शेष पृष्ठ दो पर)

हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से तबाहीः थुनांग का बैंक बहा, कई लोग लापता

मंडी 7 जुलाई (निस): हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं ने कई जिलों में भारी तबाही मचाई हुई है। मंडी, सिरमौर और कांगड़ा ज़िलों में हालात सबसे ज्यादा गंभीर बने हुए हैं। बीते पांच दिनों में हुई घटनाओं में अब तक 78 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 37 लोग अभी भी लापता हैं। 115 लोग घायल बताए जा रहे हैं और राहत-बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। मौसम विभाग ने मंडी, कांगड़ा और सिरमौर में एक बार फिर रेड अलर्ट जारी किया है।इस प्राकृतिक आपदा की सबसे मार्मिक तस्वीर मंडी जिले के थुनांग कस्बे से आई है, जहां हिमाचल को-ऑपरेटिव बैंक की दो मंजिला इमारत पूरी तरह मलबे में दब चुकी है। थुनांग बाजार के बीचोंबीच(शेष पृष्ठ दो पर)

हमारा रक्षा बजट कई देशों की सकल घरेलू उत्पाद से भी बड़ा-राजनाथ सिंह

नई दिल्ली 7 जुलाई (निस):केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कया। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा कि अगर आप हमारे रक्षा बजट का असर की गणना करे तब यह दुनिया के कुछ देशों के सकल घरेलू उत्पाद से भी बड़ा है। जब लोगों की मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा रक्षा मंत्रालय को आवंटित होता है, तब हमारी जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। हमें प्रभावी विकास की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारा रक्षा व्यय ऐसा होना चाहिए कि न केवल बजट बढ़े, बल्कि हम इसका सही तरीके से उपयोग भी कर सकें, सही समय पर सही उद्देश्य के लिए उचित तैनाती के ज़रिए। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने पहली बार जेएम पोर्टल से पूंजीगत खरीद की अनुमति दी है, यह एक सराहनीय कदम है। मुझे बताया गया है कि विभाग रक्षा कर्मियों के लिए व्यापक वेतन प्रणाली और केंद्रीकृत डेटाबेस प्रबंधन पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दुनिया हमारे रक्षा क्षेत्र की ओर देख रही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सैनिकों ने जो पराक्रम दिखाया है, साथ ही जिस तरह से हमने अपने घरेलू उपकरणों की ताकत दिखाई है, उससे हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादों की मांग में वृद्धि हुई है। 2024 में विश्व सैन्य व्यय बढ़कर 2.7 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है, इतना बड़ा रक्षा बाजार हमारा इंतजार कर रहा है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि हमारे विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ कागजों पर हिसाब-किताब रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के सुरक्षा ढांचे का एक अहम हिस्सा है। जब आप अपना काम ईमानदारी और क्षमता के साथ करते हैं, तब उसका असर सीमा पर तैनात जवानों तक होता है। उन्हें भरोसा होता है, कि उनके पीछे एक मजबूत व्यवस्था है, जो हर परिस्थिति में उनका साथ देगी। उन्होंने कहा कि रक्षा लेखा विभाग का नया आदर्श वाक्य ही अपने आप में बहुत कुछ कह देता है। अब इस संस्थान का आदर्श वाक्य- सतर्क, चुस्त, अनुकूल है।(शेष पृष्ठ दो पर)

बिहार में वोटर लिस्ट को लेकर सिब्बल ने दी दलील, सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को राजी

नई दिल्ली 7 जुलाई (निस): बिहार में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले चुनाव आयोग की ओर से वोटर लिस्ट के पुनरीक्षण अभियान को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 10 जुलाई को सुनवाई करेगा। इसको लेकर कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से जल्द सुनवाई करने की मांग की थी। सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि चुनाव आयोग का यह फैसला न केवल समय के लिहाज से संवेदनशील है, बल्कि इसकी कानूनी वैधता भी शक के दायरे में है। कोर्ट ने पूछा कि बिहार में विधानसभा चुनाव कब होने वाले हैं, जिसके जवाब में कहा गया कि चुनाव इसी साल के अंत में होना है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई 10 जुलाई तय की।बिहार की मुख्य विपक्षी पार्टी आरजेडी, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा, सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव और चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाले संगठन एडीआर ने(शेष पृष्ठ दो पर)

किसान-जवान-संविधान सभा में भड़के कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे - हर मोर्चे पर नाकाम है मोदी सरकार

रायपुर 7 जुलाई (निस) कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रायपुर के साइंस कॉलेज में आयोजित किसान-जवान-संविधान सभा को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, रायपुर में मेरी अध्यक्षता में महाधिवेशन हुआ था, जब भूपेश बघेल सीएम थे। रायपुर से सामाजिक न्याय का जो नारा बुलंद हुआ उसने 2024 में मोदी सरकार के अहंकार को तोड़ दिया। बीजेपी ऐसे हालात में है कि खुद की सरकार भी नहीं बना सकी। मोदीजी सिर्फ दो टांग लेकर चल रहे हैं, एक टांग नीतीश बाबू और एक टांग टीडीपी है। एक ने भी लात मार दी तो मोदीजी हार जाएंगे। अपने संबोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे ने सभा में पहुंचे लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इतनी बारिश में आपका यहां आना यह बताता है कि आप हमारे साथ हैं। आप सभी साथ हैं तो हमें कोई नहीं हरा सकता। खड़गे ने कहा, मोदी ने छत्तीसगढ़ के लोगों के जीवन को तबाह करने का काम किया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को लेकर उन्होंने कहा, शाह को यहां बार-बार क्यों आना, क्या उनका घर है या ससुराल है? यहां(शेष पृष्ठ दो पर)

महाराष्ट्र में समुद्र तट पर दिखी संदिग्ध नाव, नौसेना समेत पुलिस अलर्ट

रायगढ़ 7 जुलाई (निस): पुलिस और समुद्री सुरक्षा एजेंसियों ने महाराष्ट्र में रायगढ़ जिले के रेवदांडा तट के पास एक संदिग्ध नाव की तलाश ली, जिसे संभवतः मछली पकड़ने वाली पाकिस्तानी नौका बताया जा रहा है। मीडिया के मुताबिक अधिकारियों ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि रविवार रात को भारतीय नौसेना के रडार पर यह नाव रेवदांडा में कोरलाई तट से करीब दो समुद्री मील दूर दिखी थी। उन्होंने बताया कि यह मछली पकड़ने वाली पाकिस्तानी नौका है, लेकिन नाव का पता लगाने के बाद ही इसकी पहचान और अन्य विवरणों की पुष्टि होगी। अधिकारी ने पहले बताया था कि ऐसा शक है कि नाव बहकर रायगढ़ तट तक आ गई। नाव देखे जाने के बाद रायगढ़ तट पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद रायगढ़ पुलिस, बम निरोधक दस्ते, त्वरित प्रतिक्रिया बल, नौसेना और तटरक्षक बल के जवान रात को मौके पर पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया। भारी बारिश और तेज हवाओं के चलते रात में नाव तक पहुंचने में(शेष पृष्ठ दो पर)

पाकिस्तान झूठ बोलने का कारखाना है, हमेशा यह युद्ध में गलत प्रचार करते हैं : अनिल विज

महाराष्ट्र में हिंदी बोलने वालों को थप्पड़ मारना और दुकानें तोडना विरोध नहीं तो और क्या है : अनिल विज

अम्बाला,7 जुलाई (कवलजीत सिंह): हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि पाकिस्तान झूठ बोलने का कारखाना है, हमेशा युद्ध में इन्होंने गलत प्रचार किया है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में हिंदी बोलने वालों को थप्पड़ मारना और दुकानें तोडना विरोध नहीं तो और क्या है?। इधर, विज ने राहुल गांधी को आड़े हाथों लेते हुए पूछा कि राहुल गांधी कांग्रेस शासित प्रदेश में क्राइम को क्यों नहीं देख रहे हैं। आज पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जिस कारगिल युद्ध में पाकिस्तान ने अपने सैनिक शेरखां को पहचानने और उसके शव को लेने से भी इंकार कर दिया। अब यह उसे श्रद्धांजलि दे रहे हैं, इसका मतलब है कि पाकिस्तान ने तब झूठ बोला और आज पाकिस्तान श्रद्धांजलि दे रहा हैं जिसका साफ मतलब है कि वह उनका आदमी था और पाकिस्तान के कहने (शेष पृष्ठ दो पर)

बाबा लक्खी शाह वंजारा एक महान बलिदानी, एक सच्चे श्रद्धालु और एक वीर योद्धा थे - मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

प्रदेश में किसी एक चौक और एक सड़क का नाम बाबा लक्खी शाह वंजारा के नाम पर रखा जाएगा- मुख्यमंत्री

चण्डीगढ़, 7 जुलाई (अमृतपाल सिंह)- हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बाबा लक्खी शाह वंजारा जयंती के अवसर पर उन्हें नमन करते हुए घोषणा की, कि राज्य सरकार द्वारा जिला कुरूक्षेत्र के गांव ईशरगढ़ स्थित बाबा लक्खी शाह बावड़ी का सौंदर्यकरण करवाया जाएगा। साथ ही गावं में उनके नाम से सामुदायिक केंद्र का निर्माण और एक मूर्ति की स्थापना भी की जाएगी। इसके लिए उन्होंने अपनी ओर से 31 लाख रूपये और कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार व कुमारी आरती सिंह राव की तरफ से 11-11 लाख रूपये देने की घोषणा की।उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि समाज की सहमति से प्रदेश में किसी एक चौक और एक सड़क का नाम बाबा लक्खी शाह वंजारा के नाम पर रखा जाएगा। इसके अलावा, उनके नाम से एक सामुदायिक केंद्र का निर्माण भी करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने यह घोषणाएं आज यहां संत कबीर कुटीर पर बाबा लक्खी शाह वंजारा जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को सम्बोधित करते हुए की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बाबा लक्खी शाह वंजारा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि वंजारा समाज की ओर से उन्हें आज पगढ़ी पहनाकर जो मान-सम्मान दिया गया है उसे वह कभी कम नहीं होने देंगे और सदैव इस सम्मान को बढ़ाने के लिए कार्य करते रहेंगे। **बाबा लखी शाह वंजारा ने गुरु भक्ति और साहस का अनूठा उदाहरण पेश किया** - प्रदेशवासियों को बाबा लखी शाह वंजारा जयंती की(शेष पृष्ठ दो पर)

वसुंधरा राजे ने सांवरलाल की मूर्ति अनावरण समारोह में फिर छोड़े सियासी तीर

अजमेर 7 जुलाई (निस): पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के बयान ने राजस्थान की सियासत में हलचल मच दी है। राजे ने बीजेपी नेता और पूर्व मंत्री प्रो. सांवरलाल जाट की मूर्ति अनावरण समारोह में कई ऐसे सियासी तीर छोड़े जो बीजेपी में चर्चा का विषय बन गए। वसुंधरा राजे ने कहा कि 'मौसम और इंसान कब बदल जाए कोई भरोसा नहीं। आजकल राजनीति में लोग नई दुनिया बसा लेते हैं। एक चेहरे पे कई चेहरे लगा लेते हैं, लेकिन प्रो. सांवरलाल जाट ऐसे नहीं थे। वे मरते दम तक मेरे साथ थे'। इस समारोह में वसुंधरा राजे ने पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत समेत कई नेताओं के नाम गिनाते हुए कहा कि उनके नहीं रहने से पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ है। पूर्व सीएम राजे ने इससे पिछले दिनों आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर आगरा में आयोजित समारोह में भी मंच से अपने विरोधियों को जमकर घेरा था। रविवार को सिरोंज गांव में आयोजित समारोह में एक बाद एक कई हमले बोले। राजे ने कहा कि भैरों सिंह शेखावत, प्रो. सांवरलाल जाट और डॉ. दिगंबर सिंह के नहीं रहने से बीजेपी को बहुत नुकसान हुआ है। वे मेरी मदद के लिए हमेशा तैयार रहते थे। सांवरलाल जाट जैसे अंदर से थे वैसे ही बाहर थे।उन्होंने प्रो. सांवरलाल को किसानों का मसीहा बताते हुए कहा कि वो भी मेरी तरह राजनीति में पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत के स्कूल के छात्र थे। उनकी अजमेर लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा नहीं थी, लेकिन अनुशासित होने के कारण लड़े और जीते। राजे ने कहा कि हमने 2018 में जब किसानों का 50 हजार रुपये तक का कर्जा माफ किया तब सांवरलाल जाट होते तो बहुत खुश होते। राजे ने कहा कि अजमेर में बीसलपुर का पानी उन्होंने ही पहुंचाया था। उनकी इच्छा थी कि चम्बल बेसिन का पानी बीसलपुर बांध में(शेष पृष्ठ दो पर)

पृष्ठ एक का शेष...

संविधान की प्रस्तावना बच्चों के लिए माता-पिता की ...

न्यायपालिका, कार्यपालिका या विधायिका दूसरे के क्षेत्राधिकार में घुसपैठ करती है, तो इससे सब कुछ अस्त-व्यस्त हो सकता है। इससे असहनीय समस्याएँ पैदा हो सकती हैं जो हमारे लोकतंत्र के लिए संभावित रूप से बहुत खतरनाक हो सकती हैं। धनखड़ ने कहा कि उदाहरण के लिए, न्याय-निर्णय न्यायपालिका के भीतर ही होना चाहिए। निर्णय न्यायपालिका द्वारा लिखे जाने चाहिए - विधायिका या कार्यपालिका द्वारा नहीं। इसी तरह, कार्यकारी कार्य कार्यकारी द्वारा किए जाते हैं, क्योंकि आप चुनावों के माध्यम से राजनीतिक कार्यकारी को चुनते हैं। वे आपके प्रति जवाबदेह हैं। उन्हें कार्य करना होगा। लेकिन यदि कार्यकारी कार्य विधायिका या न्यायपालिका द्वारा किए जाते हैं - तो यह शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत के सार और भावना के विपरीत होगा।

हमारा रक्षा बजट कई देशों की सकल घरेलू उत्पाद ...

ये शब्द अपने आप में आपके कार्य संस्कृति का सार है। रक्षा मंत्री ने कहा कि किसी भी संगठन में, परिवर्तनकारी सुधार लाने के दो तरीके होते हैं। कई बार हम देखते हैं, कि कई संगठन, बाहरी रिपोर्ट के माध्यम से इस कार्य को करते हैं। जिसमें कई बार परामर्शदाता कंपनियाँ की भी मदद ली जाती है। कई बार कुछ सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी को यह जिम्मेदारी सौंपी जाती है। यह एक अच्छी बात है, इससे कई बार कुछ नए ताज़ा विचार इन संस्थानों में आते हैं, और इनकी उत्पादकता निश्चित रूप से बढ़ती है।

होशियारपुर जिले में भीषण हादसा:कार से टक्कर के बाद ...

लोग घायल बताए जा रहे हैं। प्रशासन को घायलों की तुरंत मदद करने के लिए कहा गया है और वह लगातार प्रशासन के संपर्क में हैं। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए विधायक दसूहा करमवीर सिंह घुम्मन ने बताया कि मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान ने फोन के माध्यम से उनसे सड़क हादसे की जानकारी प्राप्त की और इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मिक शांति की कामना करते हुए हादसे में घायलों को हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया है। गौरतलब है कि आज सुबह होशियारपुर के दसूहा में एक भयानक हादसा हुआ। इस हादसे में 8 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि दर्जनों लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार दसूहा के गांव सगरा के पास एक प्राइवेट बस और कार के बीच हुई भयानक टक्कर के कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि उक्त बस तलवाड़ा से दसूहा जा रही थी तभी यह हादसा हो गया। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में 7 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

किसान-जवान-संविधान सभा में भड़के कांग्रेस अध्यक्ष ...

के मुख्यमंत्री को तो बैठो कहने पर बैठ जाते हैं, उठो बोलो तो उठ जाते हैं। इतना अपमान सह रहे हैं, लेकिन पद नहीं छोड़ रहे।

झूठों के सरदार हैं भाजपा सरकार

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा, भाजपा सरकार ने हमारे छत्तीसगढ़ के जवानों और किसानों को धोखा दिया, क्योंकि ये झूठ बोलते हैं। ये लोग कैसे जीत जाते हैं समझ नहीं आता। ये इतना झूठ बोलते हैं इसीलिए मैं कहता हूं कि ये झूठों के सरदार हैं। ये लोग डबल इंजन की बात करते हैं, ये कैसा डबल इंजन हैं। एक छोटा और एक बड़ा है तो गाड़ी कैसे चलेगी। जो गुलामगिरी करते हैं वही लोग ये सब करते हैं। खड़गे ने कहा, भाजपा के लोग ऐसा क्या कर रहे हैं कि 2025-26 में इन्होंने 47 हजार करोड़ कर्ज लिया। हमारे जमाने में एक रुपए भी कर्ज बढ़ता था तो लोग रास्ते पर आते थे। कहां है वो लोग, अब क्यों नहीं आते। 11 सालों में जो काम इन्हें ठीक से करना था वो नहीं किया। अब फिर प्रदेश का कर्ज बढ़ा रहे।

सूचना

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि किसी कारणवश यदि भारत देश हमारा व चड़दीकला समाचारपत्र आपको नियमित रूप से नहीं मिल रहा है तो कृपया नीचे दिए फोन नंबर पर संपर्क करें।

मोब: 9416406615

पाठकों हेतु आवश्यक सूचना

समाचार-पत्र दैनिक भारत देश हमारा करनाल में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों की जिम्मेवारी नहीं लेता। हमारा समाचार पत्र इनको प्रमाणित नहीं करता। पाठकों से निवेदन है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्रवाई करने से पूर्व तथ्यों की पुष्टि अवश्य कर लें।

सूचना

हरियाणा में चढ़दीकला टाईम टीवी न्यूज चैनल,भारत देश हमारा व रोजाना चढ़दीकला पंजाबी समाचार पत्र में पत्रकार बनने तथा विज्ञापन एवं समाचार देने के लिए संपर्क करे।

कार्यालय: 15-ए, माल रोड़
नजदीक अम्बेडकर चौंक, करनाल
मोब: 9416406615

सदा आपके साथ

जन्मदिन,विवाह वर्षगांठ,संयुक्त परिवार और ग्रुप सैल्फी (2 से अधिक)की फोटो हमें भेजें।
नोट:मेल में नाम पता व मोबाईल नंबर जरूर लिखें।
सभी सेवाएं निशुल्क है।
E-mail chardikla.hr@gmail.com
Whatsapp: 9896359037,8307425115

आवश्यक सूचना

दैनिक पंजाबी चढ़दीकला एवं हिन्दी दैनिक भारत देश हमारा समाचार-पत्र में खबरें एवं विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें। कार्यालय 26 ग्रीनपार्क तहसील टाऊन पानीपत।
मोब: 9215537704,7206600325,7206300081

कृष्ण कुमार सन्धु,सम्पादक,पब्लिशर व श्रीमती सुमन लता प्रिंटर ने दैनिक भारत देश हमारा जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब ,सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह दर्दी से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा, 15-ए,माल रोड, करनाल से प्रकाशित किया (सम्पादक - कृष्ण कुमार सन्धु)
PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227

पाकिस्तान झूठ बोलने का कारखाना है, हमेशा यह ...

पर ही उसने कारगिल में घुसने का दुस्साहस किया। वहीं, पाक परस्त आतंकियों द्वारा पहलगाम में हमले व आप्रेशन सिंदूर के सवाल के जवाब पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले अलग-अलग देशों में डेलीगेशन भेजा और उसके बाद कई देशों में दौरा कर सच्चाई बताई। आज ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद के खिलाफ लड़ने का संकल्प दोहराया और पहलगाम में आतंकवादियों के द्वारा किए गए कत्लेआम की निंदा भी की।

महाराष्ट्र में हिंदी बोलने वालों को थप्पड़ मारना और दुकानें तोड़ना विरोध नहीं तो और क्या है : विज

संजय राउत ने कहा कि हम हिंदी का विरोध नहीं हिंदी थोपे जाने का विरोध करते है, पर पलटवार करते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि हिंदी बोलने वालों को यह (ठाकरे बंधु के लोग) थप्पड़ मारते हैं उनकी दुकानें तोड रहे हैं व निकल जाने को कह रहे हैं, तो फिर यह क्या है। श्री विज ने सवाल करते हुए पूछा कि महाराष्ट्र में केवल मराठी बोलते है, हमारी भगवद गीताजी संस्कृत व कुरान अरबी में लिखा है, इसका मतलब महाराष्ट्र में गीता और कुरान पड़ने पर ये लोग पाबंदी लगाएंगे व मंदिर और मस्जिदों को बंद करवाएंगे। उन्होंने कहा कि भाषा का विरोध करने वाले देश के संघीय ढांचे का विरोध कर रहे है। जो हिंदी का विरोध कर रहे हैं वह हिंदुस्तान का विरोध कर रहा है जबकि हिंदी हिंदुस्तान की राष्ट्रीय भाषा है।

राहुल गांधी कांग्रेस शासित प्रदेश में क्राइम को क्यों नहीं देख रहे हैं : विज

बिहार में खेमका हत्या मामले राहुल गांधी द्वारा की गई टिप्पणी पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि राहुल गांधी अपने शासित प्रदेश में क्राइम को क्यों नहीं देख रहे हैं, वह बस भाजपा शासित प्रदेश को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित प्रदेशों में भी क्राइम की खबरें आती है वे उस पर क्यों नहीं बोलते। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार इस हत्या मामले में कार्रवाई कर रही है।

हार्ट सेंटर में मरीज को बाहर की दवाएं लिखना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : विज

अंबाला के सिविल अस्पताल के हार्ट केयर में डाक्टर द्वारा बाहर की दवाएं लिखने के मामले में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि उन्होंने इस मामले में कड़ा संज्ञान लिया है और उन्होंने हार्ट सेंटर अधिकारी व पीएमओ को कहा है कि यह किसी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो कोई भी मरीज हार्ट सेंटर में एडमिट होता है उसका सिविल अस्पताल का कार्ड जरूर बनाया जाना चाहिए। उसका फायदा यह है कि स्टंट डालने व आप्रेशन के बाद मरीज को लंबे समय से सिविल अस्पताल से निशुल्क दवाएं मिल सकेंगी।

महाराष्ट्र में समुद्र तट पर दिखी संदिग्ध नाव, ...

कठिनाई हुई। रिपोर्ट में अधिकारी ने बताया कि रायगढ़ की एसपी निगरानी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ तट पर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि एसपी ने खुद एक नौका के जरिए संदिग्ध नाव तक पहुंचने की कोशिश की लेकिन खराब मौसम के कारण उन्हें लौटना पड़ा। उन्होंने बताया कि इलाके में भारी पुलिस दल तैनात है और एहतियातन तौर पर जिले में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बता दें नवंबर 2008 में भारी हथियारों से लैस 10 आतंकवादी अंधेरे की आड़ में पाकिस्तान की ओर से समुद्र के रास्ते मुंबई पहुंचे थे और उन्होंने तीन दिन तक मुंबई में तबाही मचाई थी। इस भयावह आतंकवादी हमले में 166 लोगों की मौत हुई थी और कई घायल हुए थे।

वसुंधरा राजे ने सांवरलाल की मूर्ति अनावरण समारोह ...

आए। राजे ने कहा कि उनके निधन को पीएम मोदी ने बीजेपी और राष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति बताया था। राजे ने कहा कि सांवरलाल जाट के बेटे नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लांबा उनकी सोच को आगे बढ़ा रहे हैं। समारोह में हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ी। समारोह को केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लांबा और किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी ने भी संबोधित किया।

बिहार में वोटर लिस्ट को लेकर सिब्बल ने दी दलील...

इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि चुनाव आयोग का यह फैसला लाखों गरीब, महिला और प्रवासी मतदाताओं को वोटिंग प्रक्रिया से बाहर कर सकता है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह फैसला मनमाना और असंवैधानिक है, जिससे मताधिकार से वंचित होने का खतरा है।विपक्षी दलों के गठबंधन ने भी इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया और चुनाव आयोग से मुलाकात कर इस फैसले को वापस लेने की मांग की। हालांकि आयोग ने उनकी मांगों को ठुकरा दिया था और कहा था कि पुनरीक्षण प्रक्रिया चुनावी पारदर्शिता के लिए जरूरी है। इस बीच वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर निर्वाचन आयोग ने 11 दस्तावेजों की सूची जारी की है, जिनमें से कोई एक दस्तावेज बीएलओ को देना है। बिहार पीआईबी ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें कहा गया है कि लोगों को सोचने से तो रोक नहीं सकते हैं, लेकिन लोगों की सोच बदलने की कोशिश जरूर कर सकते हैं। तो सोच बदलिए, भ्रम छोड़िए। 11 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज अपने बीएलओ को दीजिए। उन्होंने मतदाताओं के लिए हेल्पलाइन नंबर 1950 भी जारी किया है, जिस पर कॉल करके वोटर दस्तावेजों से संबंधित अधिक जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही क्यूआर स्कैन करके ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी प्रदान की गई है।विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए अहम तिथियां भी बताई गई हैं। हाउस टू हाउस सर्वेक्षण 25 जून से लेकर 26 जुलाई चलेगा। मतदाता सूची का प्रारुप प्रकाशन 1 अगस्त को होगा। दावे और आपत्तियों की अवधि 1 अगस्त से लेकर 1 सितंबर तक निर्धारित की गई है। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 30 सितंबर को किया जाएगा।

तेलंगाना फैक्ट्री विस्फोट में मरने वालों की संख्या ...

हवाले से बताया कि रविवार को घटनास्थल से कुछ हड्डियां और शरीर के जले अंग मिले हैं। इनका डीएनए कराया जा रहा है। यदि इनका मिलान होता है तो लापता लोगों की संख्या घट सकती है। हादसा 30 जून को पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8.15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ था। घटना के समय फैक्ट्री में 150 लोग मौजूद थे, जहां ब्लास्ट हुआ वहां 90 लोग थे।

हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से तबाही...

स्थित यह बैंक इस इलाके का इकलौता बैंक था, जहां कस्बे के करीब 150 व्यापारियों और हजारों ग्रामीणों के खाते थे। बैंक की पहली मंजिल पूरी तरह तबाह हो चुकी है। शटर उखड़ गए हैं और बैंक के अंदर सैकड़ों टन मलबा और पानी भरा हुआ है। बैंक मैनेजर और कर्मचारी बाहरी हिस्से में खड़े होकर नुकसान का अंदाजा लगाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि बैंक लॉकरों में रखे करोड़ों रुपये के गहनों और नकदी का अता-पता नहीं चल पा रहा है।

चोरी की आशंका से पहरा दे रहे ग्रामीण- बैंक कर्मचारियों के अनुसार, मलबा हटने के बाद ही असली नुकसान का आकलन हो सकेगा। वहीं, चोरी की आशंका को देखते हुए स्थानीय लोग बैंक के बाहर पहरा दे रहे हैं। बैंक कर्मचारी का कहना था, कि अंदर कितनी नकदी और कितने गहने थे, यह तो रिकॉर्ड में है, लेकिन उनकी स्थिति क्या है, यह मलबा हटने के बाद ही पता चल सकेगा।

पिंजौर गार्डन में आयोजित 32वें मैंगो मेले में कानूनी जागरूकता स्टॉल लगाया गया

पिंजौर, 7 जुलाई (अजीत सिंह / अख्तर फ़ारूक़ी) : हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्य योजना-2025 के अंतर्गत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला ने पिंजौर गार्डन में आयोजित 32वें मैंगो मेले में कानूनी जागरूकता स्टॉल लगाया। यह पहल एस.पी. सिंह, सदस्य सचिव के निर्देश पर तथा वेद प्रकाश सिरोही, जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष पंचकूला के कुशल मार्गदर्शन में की गई। स्टॉल का उद्देश्य मेले में आने वाले लोगों को विभिन्न कानूनी सेवाओं और कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता करना था। अपर्णा भारद्वाज, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, पंचकूला ने बताया कि पैनल अधिवक्ताओं और पैरा लीगल वालंटियर्स की एक टीम को स्टॉल का प्रबंधन करने, साहित्य वितरित करने और आगंतुकों को मुफ्त कानूनी सहायता सेवाओं और सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए नियुक्त किया गया था। पूरे आयोजन के दौरान एचएएलएसए और एनएएलएसए योजनाओं से संबंधित प्रचार वीडियो दिखाने के लिए आयोजन स्थल पर एक विशेष एलईडी स्क्रीन भी लगाई गई थी। इसके अतिरिक्त, आने वाले लोगों के साथ संचार बढ़ाने के लिए ध्वनि प्रणाली की व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित सूर्य प्रताप सिंह के आगमन से कानूनी जागरूकता स्टॉल को सम्मानित किया गया। उनका डीएलएसए स्टाफ, पैनल वकीलों, पीएलवी और स्कूली छात्रों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उनके साथ पंचकूला के जिला एवं सत्र न्यायाधीश वेद प्रकाश सिरोही भी थे। उनकी उपस्थिति ने प्रतिभागियों और दर्शकों को समान रूप से प्रोत्साहित और प्रेरित किया। जागरूकता स्टॉल का एक प्रमुख आकर्षण रचनात्मक रूप से डिजाइन किया गया सेल्फी स्टैंड था, जिसने बड़ी संख्या में आगंतुकों को आकर्षित किया और उत्साहपूर्वक तस्वीरें क्लिक कीं। लोगों को उनके कानूनी अधिकारों और अधिकारों के बारे में शिक्षित करने के लिए पोस्टर, बैनर और सूचनात्मक सामग्री प्रमुखता से प्रदर्शित की गई थी। सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कालका के स्कूली छात्रों ने सांस्कृतिक प्रदर्शन, जिसमें स्किट और नृत्य शामिल थे, प्रस्तुत करके कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। जिसमें आकर्षक और मनोरंजक तरीके से कानूनी संदेश दिए गए। इन प्रदर्शनों की मुख्यातिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने विशेष रूप से सराहना की। विद्यार्थियों ने विभिन्न कानूनी विषयों पर पोस्टर भी तैयार किए और प्रदर्शित किए, जिससे स्टाल में शैक्षणिक और कलात्मक स्पर्श जुड़ गया। आगंतुकों के बीच मुफ्त कानूनी सहायता, महिला और बाल अधिकार, वरिष्ठ नागरिक कल्याण और कानूनी साक्षरता पर विस्तृत जानकारी वाले पैम्फलेट वितरित किए गए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोग उपयोगी जानकारी घर ले जाएं। कार्यक्रम के दौरान, एचएएलएसए के सदस्य सचिव एस.पी. सिंह ने भी सभा को संबोधित किया और पैनल अधिवक्ताओं, पीएलवी और स्कूल प्रतिभागियों को प्रोत्साहन के शब्द दिए। उन्होंने सार्वजनिक कानूनी शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और मैंगो मेला जैसे सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान अभिनव आउटरीच के माध्यम से जमीनी स्तर पर कानूनी जागरूकता लाने में डीएलएसए पंचकूला के प्रयासों की सराहना की। भारद्वाज ने कहा कि डीएलएसए पंचकूला का कानूनी जागरूकता स्टाल एक सफल पहल साबित हुआ, जो जनता, विशेष रूप से युवाओं और हाशिए के वर्गों से प्रभावी रूप से जुड़ा, जिससे कानूनी प्रणाली सभी के लिए अधिक सुलभ और समझने योग्य बन गई।

विधायक ने स्वयं साईकिल चलाकर शरीर और समाज हित में बताए इसके फायदे

विधायक जगमोहन आनंद ने साइकलोथोन को झंडी दिखाकर एनडीआरआई चौक से किया रवाना

करनाल, 7 जुलाई (संदीप रोहिला): जेसीआई करनाल गोल्ड की ओर से साइकलोथोन 2025 का आयोजन किया गया। इसका थीम साइकिल से स्वच्छता तक, स्वास्थ्य भी पर्यावरण भी रखा गया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक जगमोहन आनंद ने साइकलोथोन को झंडी दिखाकर एनडीआरआई चौक से रवाना किया। विधायक ने स्वयं साइकिल चलाकर शरीर और समाज हित में इसके फायदे बताए। शहरवासियों को साइकिल चलाने का संदेश दिया। जेसीआई करनाल गोल्ड के प्रधान प्रमोद बंसल की अगुवाई में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कई सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों व गणमान्य लोगों ने साइकलोथोन में हिस्सा लिया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी अनीश गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि जोन प्रेजिडेंट जेएफएम राहुल सिंगला ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। रक्त संजीवनी बाय अमृतसुख इंडिया ने मुख्य प्रायोजक की भूमिका निभाई। ओपीएस इंटरनेशनल स्कूल दलियानपुर की निदेशक ईशा ने स्कूली बच्चों को सामाजिक गतिविधियों से जोडऩे पर सराहना की। दिनेश गौकर्ण टीम ने कार्यक्रम में विशेष रूप से शोभा बढ़ाई। रोयल साइकलिंग क्लब के वाइस प्रेजिडेंट राजीव ओहरी ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। साइकलोथोन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर आयुष गुप्ता के साथ प्रोजेक्ट एडवाइजर्स विनोद गुप्ता और नवीन गुप्ता ने योगदान दिया। प्रतिभागियों को संस्था की ओर से सर्टिफिकेट भेंट किए गए। इस मौके पर विधायक जगमोहन आनंद ने करनाल के साथ-साथ हरियाणा के लोगों से आह्वान किया कि सप्ताह में कम से कम एक दिन साइकिल जरूर चलाएं। उस दिन सभी कार्य साइकिल चलाकर पूरे करने का प्रयास करें। करनाल में इस योजना पर काम किया जा रहा है। इस अवसर पर इस अवसर पर प्रधान प्रमोद बंसल, आईपीपी रविनंदन गर्ग, सचिव अजीत बंसल, कोषाध्यक्ष विश्वास भुटानी, पीडी आयुष गुप्ता, प्रोजेक्ट एडवाइजर नवीन गुप्ता, विनोद गुप्ता, सह प्रोजेक्ट एडवाइजर अमित मित्तल, अंकुश गोयल, कनवीनर दिनेश सिंगला व अमित सिंगला मौजूद रहे।

बाबा लक्खी शाह वंजारा एक महान बलिदानी, एक सच्चे श्रद्धालु और एक वीर...

हार्दिक बधाई एव शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा लक्खी शाह वंजारा एक महान बलिदानी, एक सच्चे श्रद्धालु और एक वीर योद्धा थे, जिन्होंने अपने जीवन की आहुति देकर इतिहास में एक अमर गाथा लिखी। उन्होंने कहा कि जब हम भारत की महान संस्कृति, विविधता और बलिदानी परंपरा की बात करते हैं, तो कई महान वीरों की छवि उभरती है, जिन्होंने राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए अपना सबकुछ न्योछावर कर दिया। बाबा लक्खी शाह वंजारा उनमें से एक थे। वे ऐसे सिक्ख सेवक थे, जिन्होंने गुरु भक्ति और साहस का ऐसा उदाहरण पेश किया, जिसे युगों-युगों तक याद किया जाता रहेगा।

वंजारा समाज संघर्षशील, मेहनती और स्वाभिमानी समाज - मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख इतिहास में बाबा लक्खी शाह वंजारा की कुर्बानियां स्वर्ण अक्षरों में लिखी गई हैं। उन्होंने मुगलों का डटकर मुकाबला किया और धर्म की रक्षा के लिए अभूतपूर्व बलिदान दिया। भारत के इतिहास में सम्भवत: यह पहली घटना थी, जब किसी एक परिवार के 112 से अधिक सदस्यों द्वारा शहादत दी गई। उन्होंने कहा कि वंजारा समाज संघर्षशील, मेहनती और स्वाभिमानी समाज है, जिसने न केवल व्यापार और वाणिज्य के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को गति दी है, बल्कि देश की रक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सरकार संतों व महापुरुषों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कर रही काम - श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महापुरुष किसी भी धर्म व जाति के न होकर सभी के होते हैं। उनकी विरासत को संभालने व सहेजने की जिम्मेदारी हम सबकी है। इसलिए सरकार 'संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना' के तहत संतों व महापुरुषों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों ने जो समानता का संदेश दिया है, उसे साकार करने के लिए सरकार ने अनेक ऐसी योजनाएं बनाई हैं, जिनसे समाज के हर वर्ग के गरीब से गरीब व्यक्ति का जीवन स्तर ऊंचा उठ सके। इन योजनाओं से वंजारा समाज का भी उत्थान हो रहा है।

सरकार ने दशकों से बेघर घुमंतू जातियों को मुख्यधारा में लाने का काम किया - उन्होंने कहा कि सरकार ने समाज के अंतिम और वंचित व्यक्ति का उत्थान करने का बीड़ा उठाया है। घुमन्तू जातियों को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए इनके परिवारों के पहचान पत्र बनाये गये हैं। अब इन्हें सरकार की सभी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ परिवार पहचान पत्र के माध्यम से दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने दशकों से बेघर रही घुमंतू जातियों को एक जगह बसाकर समाज की मुख्यधारा में लाने का काम किया है। सरकार द्वारा करनाल, पलवल व रोहतक शहरों के लिए आवेदन करने वाले घुमंतू जाति के गरीब परिवारों को प्लाट दिए गए है। इसके अतिरिक्त, 'मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना' के तहत गरीबों को शहरों में प्लाट देने का काम शुरू किया गया है। इस योजना के पहले चरण में 14 कस्बों और शहरों में भूमि की पहचान कर 15 हजार 256 गरीब परिवारों को आवंटन पत्र सौंपे जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 100-100 वर्ग गज प्लाटों का कब्जा न पाने वाले 4 हजार 532 लोगों को अधिकार पत्र एवं 1-1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी गई है। सरकार 'डॉ. भीमराव अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना' के तहत अनुसूचित जाति के बी.पी.एल परिवारों को मकानों की मरम्मत के लिए 80 हजार रुपये की वित्तीय सहायता दे रही हैं। इस योजना के तहत 76 हजार 985 लाभार्थियों को 416 करोड़ रुपये की राशि दी जा चुकी है।

'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के तहत गरीब परिवारों की महिलाओं को 13 लाख रसोई गैस कनेक्शन दिए - श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2027 तक 2 लाख गरीब परिवारों को बिजली के बिल से भी मुक्ति दिलवाने के लिए पी.एम. सूर्य घर योजना चलाई है। अब तक 18 हजार से अधिक लोगों के घरों पर मुफ्त सोलर पैनल लगाये जा चुके हैं। इसके अलावा, 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के तहत गरीब परिवारों की महिलाओं को 13 लाख रसोई गैस कनेक्शन दिए हैं। हर घर-हर गृहिणी योजना के तहत 17 लाख 51 हजार परिवारों को हर महीने 500 रुपये में गैस सिलैण्डर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत-चिरायु योजना में गरीब परिवारों का 5 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त किया जा रहा है। अब तक 20 लाख से अधिक लोगों का 2 हजार 745 करोड़ रुपये का मुफ्त इलाज किया जा चुका है। इसके अलावा, 'मुख्यमंत्री विवाह शगुन' योजना के तहत गरीब परिवारों की बेटियों की शादी पर 71 हजार रुपये तक शगुन दिया जाता है।

बाबा लक्खी शाह वंजारा की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने की जरूरत - श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बाबा लक्खी शाह वंजारा ने हमें सिखाया कि सिर्फ तलवार से ही नहीं, बल्कि त्याग और साहस से समाज के कल्याण के लिए किये गये कार्यों से भी इतिहास रचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में 'विकसित भारत-विकसित हरियाणा' बनाने की ओर आगे बढ़ रहे हैं, हम सभी को बाबा लक्खी शाह वंजारा जैसे महापुरूषों की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने की जरूरत है। इससे पूर्व विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि वंजारा समाज के लोग मेहनती व साहसी है और इसी के बल पर उन्होंने एक अलग पहचान बनाई है। प्रदेश सरकार ने अंत्योदय के सिद्धांत पर चलते हुए गरीब लोगों के उत्थान के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई है जिनका सीधा लाभ हर पात्र व्यक्ति को मिल रहा है इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कुमारी आरती सिंह राव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहन लाल बडौली, प्रदेश प्रभारी श्री सतीश पुनिया, संगठन महामंत्री श्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण आत्रेय, श्री जवाहर सैनी, बंजारा समाज के प्रधान जसमेर वंजारा, सुबेदार मेजर किशोरी लाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

मोरनी के टिक्कर ताल में साहसिक पर्यटन को मिला नया आयाम, पैरामोटर व पैराग्लाइडिंग की हुई शुरुआत

कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा ने की पैरामोटर राइड, कहा : मोरनी बनेगा रोमांचक पर्यटन केंद्र

मोरनी,7 जुलाई (अरुण वर्मा): रविवार को वर्टिकल इंडिया कंपनी के प्रयासों से टिक्कर ताल में एडवेंचर और एयरो स्पोर्टस एक्टिविटी का संचालन संभव हो पाया है। कालका की विधायक शक्ति रानी शर्मा की उपस्थिति में पर्यटन स्थल टिक्कर ताल में रविवार को विभिन्न स्पोर्ट्स गतिविधियों का शुभारंभ हुआ। एरो स्पोर्ट्स संचालक मनीष भूकर, सुखबीर व नीतिन को बधाई देते हुए कहा कि मोरनी में चलने वाली शासित गतिविधियों में जो उन्होंने जो कदम उठाया है वह सराहनीय है कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा ने जब परम मोटर पर खुला आसमान की शहर की तो उन्होंने नितिन पायलट की सराहना करते हुए कहा कि यह एक्टिविटी आने वाले सैलानियों के लिए बहुत ही रोमांचक तोहफा है उन्होंने कहा कि आने वाले सैलानियों को यहां आकर इन रोमांचक गतिविधियों का आनंद उठाना चाहिए वर्टिकल इंडिया कंपनी द्वारा जो साहसी गतिविधियां आने वाले सेनानियों के लिए एक बेहतरीन तोहफा होगी कालका विधायक ने खुद पैरामोटर में राइडिंग भी की और पर्यटन के लिए इसे एक सुखद पहल बताया। विधायक ने इस मौके पर कहा कि इससे पहले टिक्कर ताल में जेट स्की जैसी एडवेंचर गतिविधियां ही चल रही थी। अब पैरामोटर, पैराग्लाइडिंग, पैरासेलिंग और हाट एयर बैलून के आने से पर्यटकों को साहसिक गतिविधियों का दोगुना आनंद आएगा।मोरनी घूमने आने वाले सैलानी अब यहां कई तरह की एडवेंचर एक्टिविटी का आनंद ले पाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे पहले पैराग्लाइडिंग और हाट एयर बैलून की राइडिंग के लिए हिमाचल के मनाली व अन्य स्थानों पर जाना पड़ता था लेकिन अब ये सभी एक्टिविटी चंडीगढ़ के पास मोरनी के टिक्कर ताल में भी संभव है । इसके लिए उन्होंने वर्टिकल इंडिया के आयोजकों को भी बधाई दी। इस दौरान सभी गतिविधियों के मौके पर ट्रायल भी किए गए। बता दें कि 2021 में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने टिक्कर ताल में स्पोर्ट्स एक्टिविटी के संचालन के लिए काफी प्रयास किए थे। लेकिन पैराग्लाइडिंग के लिए जमीन देने के लिए किसानों के साथ बात नहीं बन पाई थी और ये प्रोजेक्ट लटक गया था। उस समय टिक्कर ताल में केवल जेट स्की चलाकर ही पर्यटन निगम ने अन्य गतिविधियां होल्ड कर दी थी। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष अजय मित्तल, सुनीत सिंगला, जय कौशिक, भाजपा मंडल अध्यक्ष दीपा शर्मा, श्याम लाल बंसल, सरपंच रविन्द्र शर्मा मशयून, टिक्कर की सरपंच सुषमा, बीडीसी चेयरमैन प्रतिनिधि प्रदीप पोंटा, भाजपा कार्यकर्ता और पूर्व सरपंच माम चंद भंवरा, कनक रेखा, भाजपा युवा दीपक शर्मा, गौरव शर्मा, लाल सिंह काठी,बलजीत राणा, पर्यटन निगम प्रभारी दर्शन आनंद, कंपनी के मनीष भूकर सहित काफी स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे। इस खबर को सही ढंग से बड़ी बनाकर हेडिंग के साथ बनाएं इस खबर को सही ढंग से बड़ी बनाकर हेडिंग के साथ बनाएं और बड़ी बनाएं।

लाडवा से 2 दिन में 40 बेसहारा गोवंश को पकड़कर भेजा गोशाला : सचिव

लाडवा, 7 जुलाई (रामगोपाल): लाडवा नगरपालिका सचिव नीरज सैनी ने जानकारी देते हुए कहा कि नगरपालिका की ओर से पिछले 2

दिन से शहर से बेसहारा गोवंश को पकड़ने का कार्य निरंतर चल रहा है। सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी बेसहारा गोवंस के लिए चिंतित है सरकार गौशालाओं के लिए हर सुविधा देने में प्रयासरत है उसी मुहिम में तहत लाडवा की सड़कों पर घूम रहे 40 बेसहारा गोवंश को पकड़कर लाडवा की श्री कृष्ण गोशाला में भेजा गया। जानकारी देते हुए सचिव ने कहा कि गोवंस का मेडिकल करा उन्हें गौशाला में भेजा गया है उन्होंने कहा कि इस बार जो गोशाला में बेसहारा गोवंश भेजे जा रहे हैं उनका बाकायदा रिकॉर्ड बनाया जा रहा है और सभी गोवंश के कान पर एक विशेष टैग लगाया जा रहा है, ताकि गोवंश गोशाला से किसी भी सूरत में बाहर न आ सके। उन्होंने कहा कि एक डॉक्टरों की टीम भी गोशाला के बाहर बिठाई गई है, जो बेसहारा गोवंश का उपचार करने व पक्का रिकॉर्ड बनाने के बाद ही गोशाला में अंदर दाखिल करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लाडवा की सभी सड़कों से बेसहारा गोवंश को पकड़ने का कार्य किया जा रहा है ये अभियान तब तक चलेगा जब तक सभी बेसहारा गोवंश सुरक्षित गौशाला तक नही पहुंच जाते। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति सड़क या वार्ड में रात या दिन के समय अपना पशु छोड़ते हुए पाया जाता है तो तो उसके खिलाफ क़ानूनी कार्रवाई अमल मे लाई जाएगी।

जनहित रोगों से बचाव के प्रति लोगो को किया जागरूक

कालका, 7 जुलाई (अख्तर फ़ारूक़ी/अजीत सिंह) : सीनियर मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर राजीव नरवाल की अध्यक्षता में सब डिविजनल हॉस्पिटल कालका क्षेत्र के अन्तर्गत स्वास्थ्य विभाग की और से डीबीसी

डोमेस्टिक ब्रीडर चेकर की टीम टगरा कली राम टगरा हरि सिंह, टगरा हंसुआ, टगरा साहू में लगाई गई और गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल और गुड शैफर्ड स्कूल में राहुल हैल्थ सुपरवाइजर रिटायर जगत सिंह हेल्थ इंस्पेक्टर ने जनहित रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया । साथ ही जिसमें मच्छर से होने वाली बीमारियो के बारे में बताया गया और सप्ताह में एक बार घरों का पानी जरूर साफ करें। घरों के आस पास पानी को इक्ट्ठा न होने दे। पानी से भरे गड्ढो में मिट्टी डालें या काला तेल या फिर सरसों का तेल डालें। हर रविवार को सूखा दिवस मनाएं तथा पानी के बर्तनों, टंकी, फ्रिज ट्रे, गमले, इत्यादि को खाली करके सुखाएं ताकि मच्छर के अंडे एवं लारवा मर जाएं मच्छर के काटने से बचने के लिए पूरी बाजू के कपड़े पहनें । घरों में मच्छर दानी एवम जाली का प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि डेंगू से संबधित लक्षण होने पर आप सब डिविजनल हॉस्पिटल कालका में अपना टैस्ट करवाएं ।सब डिविजनल हॉस्पिटल कालका की तरफ से राहुल हैल्थ सुपरवाइजर और रिटायर जगत सिंह हेल्थ इंस्पेक्टर और स्कूल की तरफ से मीनू बाला, कुलदीप, पवन गुड शेफर्ड स्कूल की तरफ से सुबोथ मिश्रा मौजूद थे।

नगर परिषद कालका पिंजौर वार्ड नंबर 18 के लोगों ने खुद ही शमशान घाट का किया निर्माण शुरु

पिंजौर, 7 जुलाई (अजीत सिंह/ अख्तर फ़ारूक़ी) : नगर परिषद कालका पिंजौर एरिया के अंतर्गत वार्ड नंबर 18 के झज्जरा नदी किनारे आई बाढ़ के कारण बह गए। श्मशान घाट के शेड के बेस मिल गए है। जिस पर दोबारा से शमशान घाट के निर्माण का कार्य लेबर कॉलोनी, रामपुर सियुड़ी, महादेव कॉलोनी के लोगों ने शुरू करवा दिया है। जनता सेवा दल प्रमुख एवं समाजसेवी बबली रावत ने बताया कि 15 साल पहले नदी में आई भारी बाढ़ के कारण उनका श्मशान घाट नदी में बह गया था। उन्होंने बताया कि ठीक उसी के नीचे टीम ने मिलकर पुराने बेस को खोज निकाला है। क्योंकि यहां पर शमशान घाट ना होने से अंतिम संस्कार करने के लिए दूर दराज के एरिया में कई कई किलोमीटर दूर

पैदल जाना पड़ता था। जिससे महिलाओं बुजुर्गों और लोगों को आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था । समाज सेवी बबली रावत ने बताया कि पुराने बेस की खोज हो चुकी है और टीम ने मिलकर खुदाई कर लोहे के गार्डर लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। समाज सेवी बबली रावत ने बताया कि लोगों को अपने मृतक सदस्यों का अंतिम संस्कार करने के लिए अब कहीं दूर दराज नहीं जाना पड़ेगा। बारिश में भी अब शवों के दाह संस्कार यहीं किए जा सकेगे। पहले लोगों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था, लेबर कॉलोनी महादेव कॉलोनी रामपुर सिउड़ी के लोगों के लिए शमशान घाट का निर्माण किया जा रहा है। और लोग खुद ही कर सेवा करने में जुट गए हैं और इस नेक कार्य के लिए संस्थाएं और गणमान्य लोग भी आगे आने शुरू हो गए हैं। समाजसेवी बबली रावत ने इसके लिए जिला प्रशासन के अलावा नगर परिषद विभाग से जल्द ग्रांट को मंजूर करवा कर यहां शमशान घाट का निर्माण करने की मांग पर भी जोर दिया है। क्योंकि श्मशान घाट के लिए यहां पर चार दीवारी, बैठने के लिए बेंच, पेड़ पौधे लगाने और छत की बेहद जरूरत है। वही नगर परिषद कालका पिंजौर के जेई के साथ समाजसेवी बबली रावत ने यहां का निरीक्षण करवा कर जल्द से जल्द श्मशान घाट का निर्माण करवाने की मांग उठाई थी। समाजसेवी बबली रावत ने पिंजौर कालका या पंचकूला शहर की अन्य संस्थाओं से भी किसी अन्य वाहन की मांग उठाई है, ताकि शवों को शमशान घाट तक गाड़ी में ले जाया जा सके। उन्होंने कहा कि इसके लिए संस्थाओं से भी सहयोग की अपील की जा रही है।

पराग गाबा बने अखिल भारतीय खत्री युवा महासभा के प्रदेश संरक्षक

करनाल, 7 जुलाई (संदीप रोहिला): अखिल भारतीय खत्री युवा महासभा हरियाणा की मीटिंग माल रोड स्थित कार्यालय में हुई। बैठक में विचार विमर्श के बाद कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। युवा पंजाबी नेता व सामाजिक कार्यकर्ता पराग गाबा को महासभा का प्रदेश संरक्षक नियुक्त किया गया। साथ ही राजेंद्र बजाज को प्रदेश महामंत्री की जिम्मेवारी मिली है। राज्य प्रधान पुष्कर मनचंदा ने प्रेसवार्ता कर यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि पराग गाबा वर्षों से समाजिक गतिविधियों में सक्रिय हैं। वह अपने पिता स्व. देसराज गाबा के दिखाए मार्ग पर चल रहे हैं। करनाल में पंजाबी समाज की तरक्की और पंजाबी भवन के निर्माण में देसराज गाबा का विशेष योगदान रहा है। हुड्डा सरकार में पंजाबी भवन निर्माण की मांग स्वीकार की गई थी। देशराज बाबा की मांग पर ही शहीद मदनलाल ढींगड़ा चौक की

स्थापना की गई थी। उन्हीं की विरासत को आगे बढ़ाते हुए पराग गाबा कार्य कर रहे हैं। पराग गाबा के संरक्षक बनने से हरियाणा में खत्री समाज में नई चेतना का उदय होगा। पराग बाबा ने संरक्षक बनाए जाने पर सभा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है वह उसका निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में खत्री पंजाबी समाज को आगे लाने में विशेष भूमिका अदा करनी पड़ेगी और इसके लिए समाज के लोगों को एकजुट किया जाएगा। उन्होंने कहा पंजाबी वर्ग एक ऐसा वर्ग है जो सभी समाज के वर्गों को साथ लेकर चलता है, क्योंकि पंजाबी समाज ने हमेशा हर वर्ग का भला करने के लिए आंदोलन किया है। उन्होंने कहा कि खत्री समाज को एकजुट करने के लिए लगातार मुहिम चलाई जाएगी। इस मौके पर शिव शर्मा (पूर्व राज्य अध्यक्ष, हरियाणा - युवा पंजाबी फ्रंट), ललित आहूजा (जिला महासचिव - राष्ट्रीय पंजाबी महासभा), राजन अरोड़ा (जिला मीडिया प्रभारी - राष्ट्रीय पंजाबी महासभा), साहिल डब्बर (जिला उपाध्यक्ष - राष्ट्रीय पंजाबी महासभा), रजत करनाल, जुबिन लूथरा, अनुज, चिराग अनेजा, वरुण अरोड़ा व अन्य युवाओं ने पराग गाबा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की बात करते हुए समर्थन दिया।

डॉ. पीयूष पुंज रवींद्रनाथ टैगोर राष्ट्रीय प्राचार्य पुरस्कार से हुए सम्मानित

पिंजौर, 7 जुलाई (अजीत सिंह/अख्तर फ़ारूक़ी) : सेंट विवेकानंद मिलेनियम स्कूल, एचएमटी टाउनशिप, पिंजौर के लिए पुन: अत्यंत गौरवपूर्ण अवसर रहा, जब विद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीयूष पुंज को 5 जुलाई 2025 को पार्क प्लाज़ा, चंडीगढ़ में आयोजित एजुकेशन एक्सीलेंस कॉन्क्लेव में प्रतिष्ठित रवींद्रनाथ टैगोर नेशनल प्रिंसिपल अवार्ड से सम्मानित किया गया। उक्त सम्मान उन्हें एक उपदेश मीडिया द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, शिक्षा के क्षेत्र में नए विचारों, तकनीकी सोच तथा छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर प्रयासों के लिए प्रदान किया गया। यह पुरस्कार डॉ. पीयूष पुंज की शिक्षा में बेहतर कार्य करने की सोच तथा भावी पीढ़ी के निर्माण में उनके योगदान को दर्शाता है। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में एक विशेष सभा का आयोजन हुआ। जिसमें सभी शिक्षकों और छात्रों ने प्राचार्य को शुभकामना दी। उन्होंने इस सम्मान का श्रेय अपने विद्यालय की प्रबंधन समिति, अभिभावको, अध्यापकों तथा छात्रों को देते हुए कहा कि यह सम्मान व्यक्तिगत नहीं बल्कि पूरे विद्यालय परिवार की सामूहिक उपलब्धि है। यह सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा।

सरचार्ज माफी योजना-2025 का सरकारी विभागों और सार्वजनिक संस्थानों को भी मिलेगा लाभ

कुरुक्षेत्र, 7 जुलाई (सुदेश कुमार): उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि यूएचबीवीएन की सरचार्ज माफी योजना-2025 का लाभ सरकारी विभागों और सार्वजनिक संस्थानों को भी मिलेगा। इसके लिए सभी विभागाध्यक्षों को अपने-अपने कार्यालय में लागू करवाकर लाभ लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूएचबीवीएन ने सरचार्ज माफी योजना-2025 शुरू की है, जिसका उद्देश्य बकाया बिलों पर देरी से भुगतान करने पर सरचार्ज की पूरी छूट देकर लंबे समय से लंबित बिजली बकाए के भुगतान की सुविधा प्रदान करना है। यह छूट सरकारी, एमसी, पीएसयू जैसे उपभोक्ताओं की श्रेणी के लिए है। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि 31 अगस्त 2024 को जो उपभोक्ता निगम के डिफॉल्टर थे और 9 मई 2025 को भी डिफॉल्टर बने रहे। यह योजना बकाया राशि के समय पर निपटान को प्रोत्साहित करने तथा विद्युत क्षेत्र की वित्तीय स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू की गई है, साथ ही सरकारी विभागों और सार्वजनिक संस्थानों को भी राहत प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि इस सीमित अवधि की योजना का लाभ उठाने से न केवल अधिभार में छूट के माध्यम से, संचित बकाया वाले विभागों पर वित्तीय बोझ कम होगा, बल्कि डिस्कॉम को भारत सरकार की प्रमुख आरडीएसएस योजना में सभी सरकारी बकाया चुकाने के पूर्व-अपेक्षित लक्ष्य को प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी।

उपायुक्त नेहा सिंह ने विभागाध्यक्षों से आग्रह किया कि सभी अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी विभागों और कार्यालयों को आवश्यक निर्देश जारी करें कि वे यूएचबीवीएन के क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ समन्वय स्थापित करें तथा अपने बकाया का शीघ्रातिशीघ्र निपटान करने के लिए इस योजना का लाभ उठाएं। इस संबंध में किसी भी अतिरिक्त जानकारी या सहायता के लिए संबंधित अधीक्षण अभियंता (संचालन), यूएचबीवीएन से संपर्क करें।

प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों के लिए की जाएगी भोजन की व्यवस्था

कुरुक्षेत्र, 7 जुलाई (सुदेश कुमार): जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि खेल विभाग हरियाणा द्वारा जिला कुरुक्षेत्र में लड़के व लड़कियों की साइकिलिंग, लड़के व लड़कियों की जूडो और लड़कों की हॉकी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन 11 जुलाई से 13 जुलाई करवाया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं को जिला कुरुक्षेत्र में भिन्न-भिन्न स्थानों पर करवाया जा रहा है। इन प्रतियोगिताओं में लगभग 1000 खिलाड़ियों द्वारा भाग लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए 10 जुलाई को ही खिलाड़ी पहुंच जाएंगे। खिलाड़ियों को 10 जुलाई की रात्रि भोजन, 11 जुलाई व 12 जुलाई को सुबह, दोपहर व रात्रि भोजन और 13 जुलाई को सुबह व दोपहर का भोजन दिया जाना है। भोजन 400 रुपए प्रतिदिन की दर से उपलब्ध करवाया जाना है। भोजन मैस आयोजन स्थल व ठहराव स्थल पर स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इच्छुक ठेकेदार/फर्म अपनी-अपनी आवेदन (मैन्यू सहित) 8 जुलाई को प्रात:11 बजे तक जिला खेल कार्यालय द्रोणाचार्य स्टेडियम कुरूक्षेत्र में जमा करवाए।

बेदखली सूचना

हम निहाल चन्द पुत्र श्री आशा राम व काली पत्नी श्री निहाल चन्द निवासी मकान नं. 836, चांद सराये जुण्डला गेट मंगल कालोनी करनाल सूचित करते हैं कि हमारा लड़का विजय व इसकी पत्नी नैना जोकि हमारे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिए हम इसे अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है। भविष्य में इससे लेन-देन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। इसमें हमारी व हमारे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। **-शपथकर्ता**

COURT NOTICE

In the Court of Sh. Siddhant Royal Civil Judge (Junior Division), Bilaspur
CNR No. HRYNA0-000857-2025
Next Date:- 01-08-2025
Harkesh Kumar
Versus
General Public
Notice to: General Public:- Ambala
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on **01.**08.2025 at 10:00 A.M.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Yamunanagar
Dated this day of, 05.07.2025
Sd/-Sh. Siddhant Royal Civil Judge (Junior Division), Bilaspur

---

(Under Guardian and Ward Act)
In the Court of Sh. Rajeev Additional Civil Judge (Sr. Divn.), Hisar
CNR No. HRHS02-001416-2025
Next Date:- 06-08-2025
Vashu DOB 21.8.2009, Dev DOB 8.2.2011 minor sons of Late Satbir, Through their mother and natural guardian namely Mamta w/o Late Naveen s/o Satbir r/o Vill. Arya Nagar Tehsil and Distt. Hisar
Versus
General Public/Relatives
Application U/s 8 of Hindu Minority and Guardianshipn Act, 1956 for permission to sell the 1/72 share out of land measuring 17 Kanal 13 Marla being 1/72 share each comprised nin Khewat No. 1765/1504, Khatauni NO. 1894 as per jamabandi for the year 2023-2024 situated at Village Arya Nagar Hisar and also sell the 1/36 share out to total land measuring 21 Kanal 18 Marla being 1/36 share each comprised in Khewat No. 860/712 as per Khatauni No. 1051 as per Jamabandi for the year 2021-22 and mutation No. 5354 sectioned on 27.0.92022 situated at Village Patan, Tehsil and District Hisar on the basis of evidence of every Kind
Notice to: General Public/ Relatives
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on **06.**08.2025 at 10:00 A.M.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Hisar
Dated this day of, 05.07.2025
Sd/- Sh. Rajeev Additional Civil Judge (Sr. Divn.), Hisar

In the Court of Shri Kapil Additional Civil Judge (Sr. Divn.), Pehowa
CNR No. HRKUA0-000467-2024
Next Date:- 14-07-2025
Harjinder Kaur
Versus
General Public
Petition under Section 8 of Hindu Minority and Guardianship Act Seeking Permission to sell the land owned and Possessed by minior son of the petitioner, namely, Gurpreet Singh age 15 years
Notice to: General Public
In above titled case, the respondent could not be served. It is ordered that respondent should appear in person or through counsel on **14.**07.2025 at 10:00 A.M.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Kurukshetra
Dated this day of, 03.07.2025
Sd/- Shri Kapil Additional Civil Judge (Sr. Divn.), Pehowa

In the Court of Shreya Bansal Civil Judge (Jr. Divn.), Ambala
CNR No. HRAM02-001824-2021
Next Date:- 28-08-2025
CS-1352-2021
Central Bank of India, Body Corporate Duly Constituted under The provision or Banking Companies, (Acquisition and Transfer of Undertakings(Act, 1970 Having its head situated at Central Bank of India Chander Mukhi, Nariman Point Mumbai 400021 and Carrying on business of Banking Through Inda and one of its Branch office Amongest others at Village Ugala, Tehsil Barara Distt. Ambala Through its Constituted Attorney
............Plaintiff
Versus
1. Gurdeep Singh S/o Sh. Charn Singh 2. Rajinder Singh S/o Sh. Kundan Singh 3. Lrs of Late Sh. Gurdeep Singh Dalit Kaur Widow of Late Sh. Gurdeep Singh 4. Inderjit Singh S/o Late Sh. Gurdeep Singh 5. Laprit D/o Late Sh. Gurdeep Singh All Residents of Village Ugala Tehsil Barara Distt. Ambala
................Defendants
Suit For Recovery
Notice to: 1. Dalip Kaur Lrs:- wife of SH. Gurdeep Singh son of Sh. Charn Singh R/o VPO Ugala Tehsil Barara Distt. Ambala 2. Inderjit Singh S/o Late Sh. Gurdeep Singh R/o VPO Ugala Tehsil Barara Distt. Ambala 3. Laprit D/o Late Sh. Gurdeep Singh R/o village Ugala Tehsil Barara Distt.Ambala
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on **28.**08.2025 at 10:00 A.M.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Ambala
Sd/- Shreya Bansal Civil Judge (Jr. Divn.), Ambala

सम्पादकीय

नोटबंदी के बाद अब वोटबंदी, लोकतंत्र के मूल पर प्रहार

बिहार विधानसभा चुनाव के पूर्व चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची मैं संशोधन के लिए जो नियम लागू किए हैं। उसके बाद एक बार फिर 2016 की नोटबंदी चर्चा में आ गई है। नोटबंदी ने देश को जिस आर्थिक अस्थिरता और अव्यवस्था में झोंका था। उसकी गूंज आज भी गरीबों और मध्यम वर्ग की स्मृतियों में ताजा है। उस समय सरकार ने कहा था, नोटबंदी, काला धन और भ्रष्टाचार खत्म करने की दिशा में 'ऐतिहासिक' कदम है। नोटबंदी हुई लोगों को वर्षों तक इसका खामयिजा भुगतना पड़ा। नोटबंदी का कोई नतीजा नहीं निकला। जितने नोट प्रचलन में थे, वह सब वापस आ गए। ना काला धन कम हुआ, नाही भ्रष्टाचार खत्म हुआ। उल्टे भ्रष्टाचार बढ़ गया, काला धन भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ता जा रहा है। स्विस बैंक में तीन गुना ज्यादा काला धन जमा है। नतीजा? जीरो बटा सन्नाटा रहा। अब उसी तर्ज पर बिहार में 'मतदाता सूची पुनर्निरीक्षण' की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसको देखकर यह कहने में कोई हिचक नहीं रहा है। देश मैं जिस तरह से नोटबंदी लागू की गई थी। अब 'वोटबंदी' के रूप में फिर एक बार उसी तरह की कार्यवाही सामने आ गई है। मतदाता के अधिकार को बनाए रखने के लिए अपने जन्म से लेकर माता-पिता के जन्म के कागज एकत्रित करना पड़ रहे हैं। मां बाप ने गलती करी,उनका जन्म प्रमाण पत्र नहीं बना। लाखों माता-पिता स्कूल पढ़ने भी नहीं गए। 2003 के पहले और बाद का जन्म प्रमाण पत्र कहीं से नहीं मिल रहा है। अब उन्के बच्चों को मत के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव द्वारा इस मुद्दे को जिस आक्रामकता से उठाया गया है। वह सिर्फ एक राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं है। बल्कि लोकतंत्र की रक्षा तथा नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा का बिगुल पप्पू यादव ने बिहार में बजा दिया है। चुनाव आयोग द्वारा वोटर लिस्ट से कथित फर्जी मतदाताओं को हटाने के नाम पर नागरिकों से ऐसे दस्तावेजों की मांग की जा रही है। जो बिहार जैसे गरीब और पिछड़े राज्य के 50 फीसदी नागरिकों के पास उपलब्ध नहीं हैं। आधार कार्ड, राशन कार्ड और मनरेगा जॉब कार्ड को चुनाव आयोग ने अमान्य कर दिया है। चुनाव आयोग द्वारा ऐसे दस्तावेज मांगे जा रहे हैं।जो या तो सरकारी नौकरी करने वालों के पास हैं। या शहरी पढ़े-लिखे वर्ग के मिडिल और धनाड्य वर्ग के पास हैं। चुनाव आयोग की इस कार्रवाई से करोड़ों गरीबों के मत देने के अधिकार छिनने का खतरा बिहार में पैदा हो गया है। चुनाव आयोग का यह नियम संविधान के अनुच्छेद 326 के उस मूलभूत सिद्धांत पर हमला है। जो हर भारतीय नागरिक को मताधिकार का अधिकार देता है। सवाल यह है, जब आधार को सरकार हर स्कीम के लिए मान्य करती है। जब 3 महीने के अंदर बिहार विधानसभा के चुनाव होने हैं। उस समय आधार कार्ड को नकारना और मताधिकार छीनना चिंता का विषय है। यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है। चुनाव आयोग की इस कार्रवाई से 20 प्रतिशत मतदाता सूची से बाहर किये जाने की आशंका जताई जा रही हैं। यह बिहार के विधानसभा चुनाव परिणाम को निर्णायक रूप से प्रभावित करने वाली कार्यवाही मानी जाएगी। 'वोटबंदी' शब्द शाब्दिक चमत्कार नहीं, बल्कि इसे एक चेतावनी के रूप में देखा जाना चाहिए। लोकतंत्र के सबसे मजबूत स्तंभ मताधिकार को अपारदर्शिता और पक्षपात कर चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित किया जाता है। इससे देश में जनता का भरोसा लोकतंत्र और संविधान से उठते देर नहीं लगेगी। पिछले दो-तीन वर्षों से चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली और निष्पक्षता को लेकर विपक्षी दल चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। 50 से अधिक याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में जा चुकी हैं। कुछ लंबित हैं, कुछ में फैसला हो गया है। ऐसे समय पर चुनाव आयोग द्वारा बिहार में जो नवीन प्रयोग किया जा रहा है। उसके कारण चुनाव आयोग की निष्पक्षता संदिग्ध हो गई है। विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग को भाजपा का एजेंट कहना शुरू कर दिया है। जो चिंता का कारण है। चुनाव आयोग को अपना अस्तित्व और निष्पक्षता को बरकरार रखना होगा। मतदाताओं और सभी राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग के ऊपर विश्वास हो, इसके लिए पूरी पारदर्शिता के साथ चुनाव आयोग काम करे। गरीबों, दलितों और पिछड़े वर्गों को मताधिकार से वंचित करने वाली कार्यवाही को तुरंत रोका जाए। 1975 की तरह एक बार फिर लोकतंत्र की लड़ाई का केंद्र बिहार बनने जा रहा है। 1975 में जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में बिहार से जो लड़ाई शुरू हुई थी। उसने इंदिरा गांधी की सत्ता को हिला कर रख दिया था। यदि ऐसा हुआ तो वर्तमान सरकार के लिए खतरे की घंटी है। गरीबों के पास सिवा वोट देने के अलावा और कोई अधिकार नहीं है। यदि यह अधिकार छीनने की कोशिश की गई। ऐसी स्थिति में बिहार की कानून व्यवस्था को बनाए रखना केंद्र एवं राज्य सरकार के लिए बहुत मुश्किल हो सकता है। पप्पू यादव ने नोटबंदी की तरह वोटबंदी की बात कहकर गंभीरता के साथ सभी वर्ग के लोगों को जोड़ने का प्रयास किया है। चुनाव आयोग को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए। गरीबों के पास सिवाय मताधिकार के अन्य कोई अधिकार नहीं है। उस अधिकार को बचाने के लिए गरीब किसी भी हद तक जा सकता है। इस बात का ध्यान सभी को रखना होगा।

दलाई लामा के चयन पर भारत व अमेरिका द्वारा चीनी दखल का विरोध

- संजय गोस्वामी

तिब्बत हमेशा अपनी आजादी के लिए लगभग 70सालों से चीन के चंगुल से अपने आप को छुड़ाने की गुहार विश्व पटल पर लगा रहा हैदुनिया में आज कोई ऐसा देश खोजना मुश्किल है, जिस पर इतिहास के किसी दौर में किसी विदेशी ताक़त का प्रभाव या अधिपत्य न रहा हो. तिब्बत के मामले में विदेशी प्रभाव या दखलंदाज़ी तुलनात्मक रूप से बहुत ही सीमित समय के लिए रही थी इस शोध पत्र में उनके स्वायित्व व चीन के अमानवीय व्यवहार जो भगवान बुद्ध के शांति के मार्ग पर चलने के लिए तिब्बत शरणार्थी शिविरों जो भारत में अपने देश की आजादी के लिए संघर्षरत है उस पर विश्व पटल पर मानवाधिकार हनन के लिए बहुत ही मुश्किल लेकिन उनकी आजादी की मांग करें क्योंकि इससे मानवता की रक्षा होती है. हिमालय के उत्तर में स्थित तिब्बत 12 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ और अशांति से भरा एक कटा हुआ इलाका है. इसका इतिहास कई तरह के झटकों और परेशानियों से भरा हुआ है. 1013 ई0 में नेपाल से धर्मपाल तथा अन्य बौद्ध विद्वान् तिब्बत गए। 1042 ई0 में दीपंकर श्रीज्ञान अतिशा तिब्बत पहुँचे और बौद्ध धर्म का प्रचार किया। शाक्यवंशियों का शासनकाल 1207 ई0 में प्रारंभ हुआ। मंगोलों का अंत 1720 ई0 में चीन के माँछु प्रशासन द्वारा हुआ। तत्कालीन साम्राज्यवादी अंग्रेजों ने, जो दक्षिण पूर्व एशिया में अपना प्रभुत्व स्थापित करने में सफलता प्राप्त करते जा रहे थे, यहाँ भी अपनी सत्ता स्थापित करनी चाही, पर 1788-1792 ई0 के गुरखों के युद्ध के कारण उनके पैर यहाँ नहीं जम सके। परिणाम स्वरूप 19 वीं शताब्दी तक तिब्बत ने अपनी स्वतंत्र सत्ता स्थिर रखी यद्यपि इसी बीच लद्दाख़ पर कश्मीर के शासक ने तथा सिक्किम पर अंग्रेजों ने आधिपत्य जमा लिया। अंग्रेजों ने अपनी व्यापारिक चौकियों की स्थापना के लिये कई असफल प्रयत्न किया। इतिहास के मुताबिक तिब्बत को दक्षिण में नेपाल से भी कई बार युद्ध करना पड़ा और नेपाल ने इसको हराया। नेपाल और तिब्बत की सन्धि के मुताबिक तिब्बत को हर साल नेपाल को 5000 नेपाली रुपये हरज़ाना भरना पड़ा। इससे आजित होकर नेपाल से युद्ध करने के लिये चीन से मदद माँगी चीन के मदद से उसने नेपाल से छुटकारा तो पा लिया लेकिन इसके बाद 1906-07 ई0 में तिब्बत पर चीन ने अपना अधिकार कर लिया और यातुंग ग्याड्से एवं गरटोक में अपनी चौकियाँ स्थापित की। 1912 ई0 में चीन से मांछु शासन अंत होने के साथ तिब्बत ने अपने को पुनः स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया।

सन् 1913-14 में चीन, भारत एवं तिब्बत के प्रतिनिधियों की बैठक शिमला में हुई जिसमें इस विशाल पठारी राज्य को भी भागों में विभाजित कर दिया गया। 23 मई, 1951 को तिब्बत ने चीन के इस विवादित समझौते पर साइन किए थे. 13वीं शातब्दी में तिब्बत, मंगोल साम्राज्य का हिस्सा था और जीत के बाद से इसे हमेशा स्वायत्तता हासिल रही. इस सरकार की विस्तारवादी नीतियों के चलते 1950 में चीन ने हजारों सैनिकों के साथ तिब्बत पर हमला कर दिया। करीब 8 महीनों तक तिब्बत पर चीन का कब्जा चलता रहा। आखिरकार तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने 17 बिंदुओं वाले एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के बाद तिब्बत आधिकारिक तौर पर चीन का हिस्सा बन मुख्यत: बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के तिब्बत सुदूर इलाके को संसार की छत के नाम से भी जाना जाता है. चीन में तिब्बत का दर्जा एक स्वायत्तशासी क्षेत्र के तौर पर है.चीन का कहना है कि इस इलाके पर सदियों से उसकी संप्रभुता रही है जबकि बहुत से तिब्बती लोग अपनी वफादारी अपने निर्वासित आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के प्रति रखते हैं.दलाई लामा को उनके अनुयायी एक जीवित ईश्वर के तौर पर देखते हैं तो चीन उन्हें एक अलगाववादी ख़तरा मानता है.तिब्बत का इतिहास बेहद उथल-पुथल भरा रहा है. कभी वो एक खुदमुख़्तार इलाके के तौर पर रहा तो कभी मंगोलिया और चीन के ताक़तवर राजवंशों ने उस पर हुकूमत की. लेकिन साल 1950 में चीन ने इस इलाके पर अपना झंडा लहराने के लिए हज़ारों की संख्या में सैनिक भेज दिए. तिब्बत के कुछ इलाकों को स्वायत्तशासी क्षेत्र में बदल दिया गया और बाक़ी इलाकों को इससे लगने वाले चीनी प्रांतों में मिला दिया गया.लेकिन साल 1959 में चीन के ख़िलाफ़ हुए एक नाकाम विद्रोह के बाद 14वें दलाई लामा को तिब्बत छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी जहां उन्होंने निर्वासित सरकार का गठन किया. साठ और सत्तर के दशक में चीन की सांस्कृतिक क्रांति के दौरान तिब्बत के ज़्यादातर बौद्ध विहारों को नष्ट कर दिया गया. माना जाता है कि दमन और सैनिक शासन के दौरान हज़ारों तिब्बतियों की जाने गई थीं.चीन और तिब्बत के बीच विवाद, तिब्बत की क़ानूनी स्थिति को लेकर है. चीन कहता है कि तिब्बत तेरहवीं शताब्दी के मध्य से चीन का हिस्सा रहा है लेकिन तिब्बतियों का कहना है कि तिब्बत कई शताब्दियों तक एक स्वतन्त्र राज्य था और चीन का उसपर निरंतर अधिकार नहीं रहा. मंगोल राजा कुबलई ख़ान ने युआन राजवंश की स्थापना की थी और तिब्बत ही नहीं बल्कि चीन, वियतनाम और कोरिया तक अपने राज्य का विस्तार किया था.फिर सत्रहवीं शताब्दी में चीन के चिंग राजवंश के तिब्बत के साथ संबंध बने. 260 साल के रिश्तों के बाद चिंग सेना ने तिब्बत पर अधिकार कर लिया. लेकिन तीन साल के भीतर ही उसे तिब्बतियों ने खदेड़ दिया और 1912 में तेरहवें दलाई लामा ने तिब्बत की स्वतन्त्रता की घोषणा की. फिर 1951 में चीनी सेना ने एक बार फिर तिब्बत पर नियन्त्रण कर लिया और तिब्बत के एक शिष्टमंडल से एक संधि पर हस्ताक्षर करा लिए जिसके अधीन तिब्बत की प्रभुसत्ता चीन को सौंप दी गई. दलाई लामा भारत भाग आए और तभी से वे तिब्बत की स्वायत्तता के लिए संघर्ष कर रहे हैं.जब 1949 में चीन ने तिब्बत पर क़ब्ज़ा किया तो उसे बाहरी दुनिया से बिल्कुल काट दिया.तिब्बत में चीनी सेना तैनात कर दी गई, राजनीतिक शासन में दख़ल किया गया जिसकी वजह से तिब्बत के नेता दलाई लामा को भाग कर भारत में शरण लेनी पड़ी.फिर तिब्बत का चीनीकरण शुरू हुआ और तिब्बत की भाषा, संस्कृति, धर्म और परम्परा सबको निशाना बनाया गया.किसी बाहरी व्यक्ति को तिब्बत और उसकी राजधानी ल्हासा जाने की अनुमति नहीं थी, इसीलिये उसे प्रतिबन्धित शहर कहा जाता है. विदेशी लोगों के तिब्बत आने पर ये पाबंदी 1963 में लगाई गई थी. हालांकि 1971 में तिब्बत के दरवाज़े विदेशी लोगों के लिए खोल दिए गए थे.चीन और दलाई लामा का इतिहास ही चीन और तिब्बत का इतिहास है. सन 1409 में जे सिखांपा ने जेलग स्कूल की स्थापना की थी. इस स्कूल के माध्यम से बौद्ध धर्म का प्रचार किया जाता था.यह जगह भारत और चीन के बीच थी जिसे तिब्बत नाम से जाना जाता है. इसी स्कूल के सबसे चर्चिच छात्र थे गेंदुन द्रुप. गेंदुन आगे चलकर पहले दलाई लामा बने. बौद्ध धर्म के अनुयायी दलाई लामा को एक रूपक की तरह देखते हैं. इन्हें करुणा के प्रतीक के रूप में देखा जाता है. दूसरी तरफ इनके समर्थक अपने नेता के रूप में भी देखते हैं. दलाई लामा को मुख्य रूप से शिक्षक के तौर पर देखा जाता है. लामा का मतलब गुरु होता है. लामा **क्रमश:**

तकनीकी विकास के साथ-साथ समाज में बढ़ते साइबर क्राइम

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ के आधुनिक प्रौद्योगिकी के बढ़ते क्रम में साइबर क्राइम के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जो बैंक अकाउंट साइबर क्राइम से बहुत आगे बढ़कर अबव्हाट्सएप मेल, फेसबुक, इंस्टाग्राम सहित अनेकों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स तक पहुंच गए है, तो इधर किसी लिंक पर क्लिक किया उधर आप साइबर क्राइम का शिकार हुए, जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही है, जिसका संज्ञान लेकर अब यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स भी चौकन्ने हो गए हैं, थोड़ा सा भी डाउट हुआ या ब्रिच ऑफ़ टर्म एंड कंडीशन हुए, तो तुरंत वह मीडिया प्लेटफॉर्म लॉक कर दिया जाता है।अभी अनेकों लोगों के व्हाट्सएप फेसबुक इंस्टाग्राम अकाउंट लॉक कर दिए गए हैं जिस पर ब्रिच आफ टर्म्स एंड कंडीशंस लिखकर आ रहे हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र इस आर्टिकल के माध्यम से पूरी दुनियाँ के मीडिया प्लेटफॉर्म्स के उपयोगकर्ताओं से अपील करना चाहता हूं कि अपने इंस्ट्रूमेंट क़ा आति सावधानी से उपयोग करें, जिसके बारे में नीचे पैराग्राफ में चर्चा की गई है।हमारा वहमीडिया प्लेटफॉर्म भी बंद कर दिया जा सकता है, जिसमें हमारे बहुमूल्य डाटा या ग्रुप होते हैं,नया नंबर लेकर के वह प्लैटफॉर्म तो चालू किया जा सकता है परंतु उसके सारे डेटा उड़ जाते हैं,, इसलिए हमें साइबर क्राइम वालों को कोई मौका नहीं देना है और बहुत ही सावधानी के साथ अपने इंस्ट्रूमेंट क़ा उपयोग करना है।चूँकि पूरे विश्व के लिए साइबर अपराधों से जुड़ी कुल लागत और जोखिम क़ा लगातार बढ़नां एक चुनौती है तथा उससे निपटने तात्कालिक अपडेट की आवश्यकता बढ़ गई है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग तकनीकी बनाम उन्नत अपडेट तेजी से परिष्कृत होते साइबर क्राइम व धोखाधड़ी होने की संभावना है।

साथियों बात अगर हम वर्तमान समय में साइबर क्राइम के मामले तेजी से बढ़ाने की करें तो, कई ऐसे मामले सामने आए हैं,जिसमें नकली पुलिस, सीबीआई ऑफिसर बनकर लोगों को डिजिटल अरेस्ट किया गया और लाखों रुपये ठग लिए गए, इंटरनेट पर स्टोर जानकारी को एक्सेस करके ठग, लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। हालांकि,जिन लोगों के पास इंटरनेट नहीं है उनको भी ठग अपना शिकार बना ले रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि बिना इंटरनेट के उनके पास हमारी जानकारी कैसे है?आज के दौर में अगर हम खुद को सुरक्षित नहीं रखते तो हम साइबर ठगी के शिकार हो सकते हैं,हम इससे बचने के लिए अगर ईमेल या किसी ऑनलाइन सर्विस का यूज कर रहे हैं तो कोशिश करें कि उसका पासवर्ड काफी मजबूत हो, गलती से भी अपने नाम, मोबाइल नम्बर या डेट ऑफ वर्थ को पासवर्ड न रखें, कोशिश करें कि हमेशाटू-फैक्टरऑथोटिकेशन का इस्तेमाल करें,अगर हमको कोई अनजान मेल या मैसेज आता है और उसमंक कोई लिंक दिया गया है तो गलती से भी उसको खोलने की कोशिश न करें, अपने फोन को हमेशा अपडेट रखें,अगर कोई सिक्योरिटी फीचर अपडेट आता है तो उसको जरूर करें, इससे हमारा फोन सुरक्षित रहता है।अगर हम इंटरनेट यूज नहीं करते हैं तो भी ठग आराम से हमको शिकार बना सकते हैं,दरअसल, इसके लिए वे हमारे डेटा को दूसरी जगह से उठाते हैं, इसमें वे सोशल साइट्स, अस्पताल, दुकान या फिर सरकारी ऑफिस आदि जगहों से डेटा लीक करते हैं या फिर किसी तरह निकालते हैं, फिर इस डेटा का इस्तेमाल करके हमारे साथ ठगी के लिए करते हैं, कई लोगों का डेटा उनके किसी रिलेटिव के फोन से भी निकाल लिया जाता है। जो बेहद गंभीर बात है।

साथियों बात अगर हम आरबी आई की रिपोर्ट में वित्तवर्ष 2024-25 में धोखाधड़ी के मामले घटनें परंतु धोखाधड़ी की रकम तीन गुना बढ़ने की करें तो, धोखाधड़ी के अधिकांश मामले डिजिटल भुगतान से जुड़े हैं आरबीआई की 2024-25 की सालाना रिपोर्ट के अनुसार बैंकों से जुड़े धोखाधड़ी के कुल 23, 953 मामले सामने आए, जो 2023-24 की तुलना में 34 प्रतिशत कम रहे।किंतु2024-25 में 36,014 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई और यह रकम उससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब 3 गुना अधिक रही।इसके दो मुख्य कारण रहे। पहला, उससे पिछले वित्त वर्ष में 18,674 करोड़ रुपये के 122 मामलों को धोखाधड़ी की श्रेणी से हटा दिया गया और दोबारा जांच के बाद इस वित्त वर्ष में फिर से उनकी शिकायत की गई। दूसरा, उच्चतम न्यायालय के 27 मार्च, 2023 के फैसले का अनुपालन सुनिश्चित किया गया। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट में 1 लाख रुपये और उससे अधिक की धोखाधड़ी के मामले शामिल किए गए हैं। इसमें वे मामले भी हो सकते हैं, जिनमें धोखाधड़ी कई साल पहले हुई थी मगर शिकायत इस साल दर्ज कराई गई थी। केंद्रीय बैंक के आंकड़े बताते हैं कि पिछले वित्त वर्ष में धोखाधड़ी के सबसे ज्यादा मामले निजी क्षेत्र के बैंकों ने आए। उन बैंकों में धोखाधड़ी के 14,233 मामले सामने आए हैं, जो बैंकिंग क्षेत्र में कुल धोखाधड़ी के 59.4 प्रतिशत हैं।सरकारी बैंकों की तुलना में ये बहुत अधिक हैं। सरकारी बैंकों में धोखाधड़ी के केवल 6,935 मामले आए,जो कुल मामलों के 29 प्रतिशत ही रहे।किंतुसरकारी बैंकों में 25,667 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई, जो इस तरह के मामलों में शामिल रकम की कुल 71.3 प्रतिशत है।

रिजर्व बैंक ने रिपोर्ट में कहा, 'बैंक समूह के मुताबिक देखें तो पिछले 3 वर्षों में निजी क्षेत्र के बैंकों में सबसे अधिक धोखाधड़ी हुई मगर सबसे ज्यादा रकम की धोखाधड़ी सरकारी बैंकों में दिखी।रिजर्व बैंक के अनुसार संख्या के हिसाब से सबसे ज्यादा धोखाधड़ी डिजिटल भुगतान (कार्ड/इंटरनेट) में हुई, जबकि रकम के हिसाब से ऋण श्रेणी में सबसे ज्यादा धोखाधड़ी रही।

क्षमा मांगना या देना भावनात्मक एवं मानसिक कल्याण का एक पहलू

एडवोकेट किशन सनमुखदास

वैश्विक स्तरपर भारतीय सभ्यता, संस्कृति, मूल्यों मर्यादा और आध्यात्मिकता की सजगता दुनिया में कहीं नहीं है हमारी सभ्यता के अनेक मोतियों में से एक माफ़ी मांगना या देना है, बड़े बुजुर्गों का कहना है जो माफ़ करता है पुरानी बातों को भूल जाता है वही सबसे बड़ा दानी है क्योंकि क्षमादान जैसा कोई दान नहीं यहभारतीय सभ्यता की वैचारिक शक्ति है ! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, हमसे अगर गलती हो जाए तो हमें शांत स्वभाव से अपनी गलती को स्वीकार कर लेना चाहिए और माफ़ी मांगनी चहिए, क्योंकि हमेशा याद रखें कि माफी मांगने से हमेशा रिश्ते मजबूत ही होंगे, दो लोगों के बीच कभी बैर नहीं होगा। माफ करने या माफी मांगने की आदत से यह मालूम पड़ता है कि व्यक्ति तुच्छ भावों के मुकाबले में रिश्ते को ज्यादा अहमियत देता है।आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 7 जुलाई 2025 को वैश्विक माफी दिवस है,चूँकि क्षमा दिवस मनाने से खुद को व दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है, जिससे एक अधिक दयालू और सहानुभूतिपूर्ण दुनियाँ को बढ़ावा मिलता है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,क्षमा मांगना या देना भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है जो सद्भाव और शांति स्थापित करने में मदद करता है। साथियों बात अगर हम वैश्विक क्षमा दिवस 7 जुलाई 2025 के महत्व और शक्तियों को समझने की करें तो,यह दिवस हमारे जीवन में क्षमा की शक्ति और महत्व को समर्पित एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह द्वेष को दूर करने, पिछले घावों को भरने और समझ और सुलह की संस्कृति को बढ़ावा देने के महत्व पर चिंतन करने का दिन है। क्षमा भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है, जो व्यक्तियों और समुदायों को सद्भाव और शांति में आगे बढ़ने में मदद करता है। वैश्विक क्षमा दिवस लोगों को खुद को और दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे एक अधिक दयालु और सहानुभूति पूर्ण दुनिया को बढ़ावा मिलता है। वैश्विक स्तरपर भारतीय सभ्यता, संस्कृति, मूल्यों मर्यादा और आध्यात्मिकता की सजगता दुनिया में कहीं नहीं है हमारी सभ्यता के अनेक मोतियों में से एक माफ़ी मांगना या देना है, बड़े बुजुर्गों का कहना है जो माफ़ करता है पुरानी बातों को भूल जाता है वही सबसे बड़ा दानी है क्योंकि क्षमादान जैसा कोई दान नहीं यहभारतीय सभ्यता की वैचारिक शक्ति है !

साथियों बात अगर हम मानव जीव में क्षमा भाव की करें तो, क्षमा भाव जिसके भीतर विकसित हो जाता है,वह व्यक्ति समाज में आदरणीय माना जाता है। किसी को किसी की भूल के लिए क्षमा करना औरआत्मग्लानि से मुक्ति दिलाना एक बहुत बड़ा परोपकार है। कितना आसान है किसी से अपनी गलती की माफी मांगना और उससे भी ज्यादा आनंद तब मिलता है, जब वह व्यक्ति हमें माफ कर देता है। क्षमा का शस्त्र जिसके पास है, उसका दुष्ट मानव कुछ नहीं बिगाड़ सकते। जिस तरह बिना तिनकों की पृथ्वी पर गिर कर अग्नि खुद ही शांत हो जाती है। साथियों बात अगर हम क्षमा मांगने की परिस्थिति की करें तो, यदि हमसे वाकई गलती हो गई है तो गंभीरता से क्षमा मांगें। कोई स्पष्टीकरण दें, हमारी गलती से वह विचलित है और हमारे कारणों को समझने की स्थिति में नहीं है।उसे पहले शांत कर सामान्य स्थिति में लाएं। दिल से मांगी गई माफी से स्थिति सामान्य हो जाएगी। यह हमारा बड़प्पन भी होगा कि जो व्यक्ति हमारे कारण दुखी हुआ है और हम अपनी गलती स्वीकार कर उसे सामान्य होने में मदद कर रहे हैं। फिर हुए नुकसान या असुविधा की पूर्ति के लिए तत्काल प्रयास करें। व्यर्थ की दलीलों में समय बर्बाद करने की बजाय तत्काल कदम उठाएं। इस तरह हम अपनी खामियों के बावजूद सम्मान भरोसा हासिल करेंगे। अन्यथा भावनाओं की गलत अभिव्यक्ति से आप हमेशा तनाव में रहेंगे, जो आपको समाधान से दूर और दूर ले जाएगा। साथियों बात अगर हम क्षमा देने की करें तो, कमजोर व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर सकता,क्षमा करना तो शक्तिशाली व्यक्ति का गुण है। जो पहले क्षमा मांगता है वह सबसे बहादुर है और जो सबसे पहले क्षमा करता है वह सबसे शक्तिशाली है। शास्त्रों में कहा गया है कि क्षमा वीरों का आभूषण है।बाणभट्ट के हर्षचरित में उल्लेख किया गया है कि क्षमा सभी तपस्याओं का मूल है। महाभारत में कहा गया है कि क्षमा असमर्थ मनुष्यों का गुण और समर्थ मनुष्यों का आभूषण है।' श्री गुरु ग्रंथ साहिब का वचन है- क्षमाशील को रोग नहीं सताता और न ही यमराज डराता है। अगर हम क्षमा में भावनात्मक मिश्रण से हानि की करें तो खासकर पारिवारिक झगड़ों में हम देखते हैं कि, पति का पत्नी से झगड़ा हो गया है। उनके बीच कोई समस्या हो सकती है, जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। चूंकि पत्नी का मूड खराब है तो वह बेटे पर गुस्सा उतारेगी। बेटे पर मां मामूली-सी बात पर चिल्लाई तो वह अपने साथियों से लड़ पड़ा और हम जितनी कल्पना कर सकें उससे अधिक नहीं है।

विकास कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं, पारदर्शिता के आधार पर युवाओं को मिल रही है नौकरी : रणबीर गंगवा

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने कष्ट निवारण समिति की बैठक में 18 मामलों की की सुनवाई, 8 का मौके पर किया समाधान, 10 मामलों की पुनः जांच के दिए निर्देश

करनाल, 7 जुलाई (रविन्द्र मलिक): हरियाणा के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण विभाग के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि विकास कार्यो की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का कोई समझौता नही किया जाए, अगर निर्माण सामग्री की गुणवत्ता में कमी पाई जाए तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी, जनता के हित सरकार के लिए सर्वोपरि हैं, अधिकारियों को चाहिए कि आम जनता की शिकायतों एवं समस्याओं का अपने स्तर पर प्राथमिकता से निवारण करें ताकि कष्ट निवारण समिति की बैठक में कम से कम शिकायतें आए। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा सोमवार को स्थानीय पंचायत भवन में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मंत्री ने समिति के एजेंडे में रखे गए 18 मामलों की सुनवाई की जिनमें से 8 मामलों का मौके पर समाधान कर दिया तथा 10 मामलों की पुनः जांच के लिए उच्च अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि इन लंबित 10 मामलों की जांच तय समय सीमा में होनी चाहिए और अगली बैठक में इन मामलों की रिपोर्ट अधिकारी तथ्यों के साथ प्रस्तुत करें। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पारदर्शिता के आधार पर बिना किसी जान पहचान के युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरियां मिल रही है, इसके लिए उन्होंने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त किया और कहा कि मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री रहते हुए व्यवस्था परिवर्तन का काम किया जिससे युवाओं को बिना पर्ची बिना खर्ची के सरकारी नौकरी मिल रही है उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि उनके विधानसभा क्षेत्र से एक रेहड़ी लगाने वाले व्यक्ति के बेटे को सरकारी नौकरी मिली तो वह भाजपा सरकार के कार्यकाल से इतना बेहद खुश नजर आ रहा था कि यह पहली ऐसी सरकार देखी कि गरीब के बच्चे को भी बिना किसी नेता के जान पहचान के सरकारी नौकरी मिल रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शपथ लेते ही 25 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी देने का काम किया। कैबिनट मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा संबंधित विभाग के माध्यम से ड्रेनो की सफाई करवाई जा रही है और सीवरेज तथा नाले साफ करवाए जा रहे है। वर्तमान में प्रदेश सरकार के पास सुपर सक र मशीनों की संख्या बढ़ाने के लिए हाई पॉवर कमेटी के तहत आदेश दिए जा रहे है तथा पर्याप्त मात्रा में पंप सेट और जरनेटर उपलब्ध है। उन्होंने एसवाईएल के मुद्दे के सवाल के जवाब में कहा कि एसवाईएल के मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय का फै सला भी हरियाणा के पक्ष में आया है। दक्षिण हरियाणा में पानी की समस्या है इसलिए पंजाब को न्यायालय के फैसले के हिसाब से पानी देना चाहिए। उन्हें उम्मीद है कि केंद्र सरकार जल्द ही इस पर बैठक आयोजित करके बातचीत करवाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा में अपराध और अपराधियों के लिए कोई स्थान नहीं है, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पुलिस विभाग को सख्त निर्देश दिए है कि आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगे तथा किसी प्रकार का कोई अपराध न हो। इससे पहले कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कष्ट निवारण समिति की बैठक में गांव साम्भली निवासी पालो देवी की पिछली बैठक से लंबित चली आर रही बीमा राशि क्लेम की शिकायत पर कड़ा संज्ञान लेते हुए एलडीएम को आदेश दिए कि वे इस विषय में एसपी करनाल को शिकायत लिखकर दें, उसके बाद पुलिस अधिकारी से जांच करके उसकी रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करेगे। गांव मूनक की रहने वाली रेखा के पति की मृत्यु 05 अगस्त 2024 को हुई थी, पीएमजेजेबीवाई स्कीम के तहत बीमा करवाया हुआ था, लेकिन बैंक द्वारा अब तक क्लेम नहीं दिया गया है। इस पर कैबिनेट मंत्री ने एलडीएम को आदेश दिए कि वे इस विषय में एसपी करनाल को शिकायत दें, उसके बाद उच्च अधिकारी से जांच करके उसकी रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करे। बैठक में गांव सांतडी के रहने वाले रमेश चंद की शिकायत थी कि उसने बिजली का कनेक्शन लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था, लेकिन हाई वोल्टेज तारों के कारण कनेक्शन लंबित है। इस बारें में कैबिनेट मंत्री ने कहा कि अगली बैठक में एसडीएम इंद्री जांच प्रस्तुत करें और उनके साथ इंद्री क्षेत्र के दो सदस्य भी जांच में सहयोग दें। बैठक में रामनगर के रहने वाले मनिंद्र सिंह ने शिकायत दी थी कि डिपो होल्डर द्वारा गरीब लोगों का राशन हडपा जा रहा है। इस पर कैबिनेट मंत्री ने कहा कि कितनी मशीनें गलत थी और कितने आदमियों को गलत राशन दिया गया, इसकी रिपोर्ट एसडीएम करनाल अगली बैठक में प्रस्तुत करें। बैठक में सेक्टर-7 के रहने वाले राजेश कुमार की शिकायत पर कैबिनेट मंत्री ने ईओ हुड्डा को निर्देश दिए कि क्यों इतनी बार प्रार्थी के पैसे कट गए नियमानुसार प्रार्थी के पैसे लोटाए जाए। इसी प्रकार से मॉडल टाउन के रहने वाले कबीर सिंह सचदेवा की शिकायत थी कि आरके पुरम में एक निजी स्कूल नियमानुसार नहीं चल रहा है और अभिभावकों से मनचाही फीस ले रहा है, इस पर कैबिनेट मंत्री ने शिक्षा विभाग के अधिकारी को कहा कि इसकी जांच करके रिपोर्ट करके अगली बैठक में प्रस्तुत की जाए। बैठक में अशोका नर्सरी की रहने वाली तारा देवी ने कहा कि उसकी बहन राजदुलारी की जमीन को सुभाष ने गलत तरीके से रजिस्ट्री करवा ली है। इस पर कैबिनेट मंत्री ने पुलिस विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि इसकी जांच की जाए। बैठक में गांव गोल्ली के रहने वाले सुनील ने कहा कि उसके घर के बाहर मैन हॉल को ऊंचा उठा दिया है, जिसके कारण पानी की निकासी नही हो पा रही है, इस पर कैबिनेट मंत्री ने बीडीपीओ को निर्देश दिए कि इसकी जांच की जाए। बैठक में कैबिनेट मंत्री ने गांव दहा के रहने वाले हिमांशु की शिकायत सुनते हुए कहा कि नाजायज कब्जा को लेकर इसकी जांच एसडीएम करनाल को करने के निर्देश दिए। बैठक में आशा रानी की शिकायत थी कि उसकी जमीन पर कोई स्टे नही है, इस पर कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इसकी जांच डीआरओ करें।

ये रहे मौजूद : बैठक में इन्द्री के विधायक एवं चीफ व्हीप राम कुमार कश्यप, नीलोखेड़ी के विधायक भगवानदास कबीरपंथी, करनाल नगर निगम की मेयर रेनू बाला गुप्ता, भाजपा के जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर , जिला प्रशासन की ओर से उपायुक्त उत्तम सिंह, पुलिस अधीक्षक गंगाराम पुनिया, नगर निगम आयुक्त डॉ वैशाली शर्मा, अतिरिक्त उपायुक्त सोनू भट्ट सहित अन्य विभागों के अधिकारी तथा समिति के नव मनोनीत सदस्य गण उपस्थित थे।

नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करना प्रशासन का लक्ष्य : डा. रमन गुप्ता

कुरुक्षेत्र, 7 जुलाई (सुदेश कुमार): नगराधीश डा.रमन गुप्ता ने कहा कि प्रशासन की तरफ से लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के

आधार पर समाधान करने के लिए लघु सचिवालय के सभागार में सप्ताह में हर सोमवार व वीरवार कार्य दिवस में समाधान शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे से लेकर 12 बजे तक किया जा रहा है। इन समाधान शिविरों में लोगों को अपनी समस्याएं रखनी चाहिए। अहम पहलू यह है कि प्रशासनिक अधिकारियों का बकायदा शेड्यूल बनाया गया है जोकि प्रत्येक सप्ताह के सोमवार व वीरवार कार्य दिवस में आमजन की समस्याओं का समाधान कर रहे है। नगराधीश डा.रमन गुप्ता ने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में समय पर पहुंचना सुनिश्चित करे और लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करे। इस विषय को गंभीरता के साथ लेना है और लोगों की समस्याओं को सुनने के बाद समाधान भी करना है। उन्होंने कहा कि अगर लोग हर विभाग से सम्बन्धित समस्या को समाधान शिविर में लेकर आएंगे और इस शिविर में बैठे अधिकारी लोगों की समस्या का समाधान करेंगे तभी सरकार का मकसद पूरा हो पाएगा। सरकार ने लोगों की हर प्रकार की समस्या का समाधान करने के लिए एक ही छत के नीचे समाधान शिविर लगाने का निर्णय लिया। नगराधीश डा.रमन गुप्ता ने कहा कि सोमवार को समाधान शिविर में क्रिड और अन्य विभागों से सम्बन्धित 28 समस्याओं को सुना और इनमें से 26 समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया है और शेष समस्याओं का जल्द समाधान करने के लिए सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। उन्होंने इस मौके पर अधीक्षक गीता सैनी, डीएसपी रोहताश कुमार, एआईपीआरओ केदारनाथ,अधीक्षक हाकिम सिंह सहित सम्बन्धित विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

घरौंडा हलके में विधानसभा अध्यक्ष ने दी सौगात, 2 करोड़ 12 लाख के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

घरौंडा, 7 जुलाई (नरेन्द्र लाठर): घरौंडा हलके में निरंतर विकासकार्यों की झड़ी लगी हुई है। हलके को नित नई-नई परियोजनाओं की सौगात मिल रही है। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सोमवार को 2 करोड़ 12 लाख रुपये की चार विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। गांव डबरकी पार (जम्मुखाला) और सुभरी में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जहां विकास परियोजनाओं कि शिलान्यास किया गया। गांव सुभरी और डबरकी पार (जम्मुखाला) के लोगों ने मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण का पुष्प गुच्छ भेंट करके स्वागत किया। उन्होंने डबरकी पार (जम्मुखाला) में नगर खेड़ा से यमुना बांध तक रास्ते के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। पैंतीस सौ फुट लंबे इस रास्ते के निर्माण पर 1 करोड़ 19 लाख रुपये खर्च होंगे। पंचायती राज विभाग की ओर से बनवाए जाने वाले इस रास्ते का निर्माण कार्य एक साल में पूरा किया जाएगा। उन्होंने जम्मुखला/डबरकी गांव में 65 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन का भी शिलान्यास किया। इसमें हॉल, शौचालय, चार दीवारी आदि का निर्माण कराया जाएगा। कार्य एक साल के अंदर पूरा किया जाएगा। इस मौके पर एसडीएम राजेश सोनी, जिला परिषद की डिप्टी सीईओ रोजी रोज, मंडल अध्यक्ष सचिन राणा, पूर्व सरपंच निशांत राणा, पवन, जोगेंद्र आदि मौजूद रहे।

गांव सुभरी में दो परियोजनाओं का किया शिलान्यास : विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सुभरी गांव में 20 लाख रुपये की लागत से बनने वाली आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी की चारदीवारी और एसएचजी की महिलाओं के लिए हॉल का भी शिलान्यास किया। इन पर क्रमशः बीस और आठ लाख रुपये की लागत आएगी। दोनों का निर्माण कार्य तीन महीने में पूरा किया जाएगा। इस मौके पर उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि उनका प्रयास है कि हलके के हर गांव में महिलाओं के लिए अलग चौपाल/भवन बने। कई गांवों में ये बनाए जा चुके हैं। दिसंबर 2026 तक हर गांव में महिला चौपाल बनवा दी जाएंगी। इससे महिलाओं को बैठक कर विभिन्न विषयों पर चर्चा करने की सुविधा हासिल हो सकेगी। सरकार मातृ शक्ति की आमदन बढ़ाने के प्रति गंभीर है। स्वयं सहायता समूह (एसएसजी) की महिलाओं के लिए घरौंडा में 3 करोड़ से बनने वाले ट्रेनिंग सेंटर का निर्माण कार्य आरंभ हो चुका है। इसके लिए 1 एकड़ जमीन पंचायत से ली गई थी। यह प्रशिक्षण संस्थान डेढ़ साल में बनकर तैयार हो जाएगा। इसके बाद यहां एसएचजी की महिलाएं अपने उत्पादों के लिए बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। बाजार की मांग अनुसार तैयार किए जाने वाले उत्पादों से उनकी आय में इजाफा होगा।

अधूरे पड़े कामों में आएगी तेजी, जल्द होंगे पूरे : विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि हलके में रिंग रोड और मेडिकल यूनिवर्सिटी का निर्माण कार्य जारी है। मेडिकल यूनिवर्सिटी आरंभ होने से न केवल यहां लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी बल्कि बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। रिंग रोड बनने से क्षेत्र में बड़ी कंपनियां आएंगी और रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा। उन्होंने बताया कि सुभरी गांव में एससी वर्ग के लिए चौपाल मंजूर हो चुकी है। इस पर 15 लाख रुपये की लागत आएगी। पिछली प्लान के अधूरे कार्यों का तेजी से पूरा कराया जा रहा है। उस समय कोरोना के कारण विकास कार्य प्रभावित हुए थे। उन्होंने कहा कि हलके के लोगों के लिए उनके द्वार 24 घंटे खुले हैं।

शुगर मिल में सुनी जनता की समस्याएं : विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने करनाल के शुगर मिल के अतिथि गृह में जन सुनवाई कार्यक्रम के दौरान लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके निपटारे के निर्देश दिए। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि जन सुनवाई कार्यक्रम में लोगों से रूबरू होकर कई तरह की नई समस्याओं का पता चलता है और उनके निवारण के लिए यथासंभव कदम उठाए जाते हैं। कई समस्याओं का मौके पर ही निपटारा किया जाता है। कुछ मांगों को योजना में डालकर आगे बढ़ाया जाता है। एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि हरियाणा-पंजाब में पानी के मुद्दे को लेकर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने बैठक बुलाई है। हरियाणा को उसका हक मिलना चाहिए। एक अन्य सवाल पर कहा कि जिला में संभावित बाढ़ से बचाव के लिए यमुना के तटबंधों को मजबूत किया गया है। उन्होंने खुद गत दिनों यमुना बांध का दौरा कर कराए जा रहे कार्यों का जायजा लिया था।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उठाएं लाभ : उत्तम सिंह

करनाल, 7 जुलाई (सुनील कुमार): डी.सी उत्तम सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत भारत सरकार द्वारा अधिकतम 78 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सरकार की सब्सिडी के अतिरिक्त हरियाणा के 1 लाख गरीब परिवारों को सोलर रूफटॉप सिस्टम लगवाने के लिए राज्य सरकार द्वारा अधिकतम 50 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। यह सब्सिडी पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दी जाएगी। ऐसे परिवार जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम है तथा 1 लाख 80 हजार रुपये से लेकर 3 लाख रुपये तक की वार्षिक आय की लाभार्थी व वार्षिक अधिकतम 2400 यूनिट की खपत वाले उपभोक्ता है, वो इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। पहले 2 किलोवाट तक 30 हजार रुपये प्रति किलोवाट के हिसाब से 60 हजार रुपये तक सब्सिडी दी जाएगी। अगले 1 किलोवाट यानी की 2 से 3 किलोवाट तक रूप टॉप सिस्टम लगवाने पर 18 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। इस तरह से अधिकतम 78 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की यह बेहतरीन योजना है जिसके द्वारा समाज की गरीब वर्ग की ऊर्जा संबंधित जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस योजना से गरीब परिवारों का ऊर्जा खर्च लगभग शून्य हो जाएगा। अगर खपत से ज्यादा बिजली का उत्पादन सोलर पैनल द्वारा किया जाता है तो वह बिजली के खाते में जाएगा जिसका भुगतान सरकार द्वारा उक्त मकान मालिक को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह योजना गरीब परिवारों के सशक्तिकरण में लाभकारी होगी। योजना के तहत गरीब परिवारों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार होगा और वे आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगे। इस योजना से सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे पर्यावरण प्रदूषण कम होगा और स्वच्छ ऊर्जा के स्त्रोतों को अपनाने में मदद मिलेगी। **योजना के बारे में इन अधिकारियों से करें सम्पर्क :** उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बारे में अधिक जानकारी के लिए www.pmsuryaghar.gov.in वेबसाइट पर जाए। इसके अलावा उपमंडल अधिकारी परिचालन शहरी परिमंडल करनाल के मोबाईल नम्बर-9354761641, उपमंडल अधिकारी परिचालन मॉडल टाउन परिमंडल करनाल के मोबाईल नम्बर-9354761625, उपमंडल अधिकारी परिचालन अर्ध-शहरी परिमंडल करनाल के मोबाईल नम्बर-9354761643, उपमंडल अधिकारी परिचालन नेवल परिमंडल करनाल के मोबाईल नम्बर-9315457382, उपमंडल अधिकारी परिचालन राम नगर परिमंडल करनाल के मोबाईल नम्बर-9354761640, उपमंडल अधिकारी परिचालन मेरठ रोड़ परिमंडल करनाल के मोबाईल नम्बर-9354761634 पर भी जानकारी ले सकतें है।

गुरुद्वारा नाड़ा साहिब में एलईडी स्क्रीन और लिफ्ट का उद्घाटन

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के जत्थेदार जगदीश सिंह झींड़ा पहुंचे गुरुद्वारा साहिब

पंचकूला,7 जुलाई (सतीश मंगला): गुरुद्वारा नाड़ा साहिब पातशाही दसवीं में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के गठन और जत्थेदार जगदीश सिंह झींड़ा के प्रधान बनने की खुशी में भाई मोठा सिंह महंत परिवारों द्वारा श्री अखंड पाठ साहिब जी के भोग डाले गए। इस अवसर पर जत्थेदार जगदीश सिंह झींड़ा विशेष रूप से पहुंचे। प्रधान साहिब के

साथ सरदार गुरमीत सिंह रामसर (सीनियर मीत प्रधान), सरदार स्वरन सिंह बुंगा (चेयरमैन लंगर खरीद) भी उपस्थित थे। सीनियर मीत प्रधान ने पधारी हुई संगत का धन्यवाद किया। जत्थेदार सरदार स्वरन सिंह बुंगा ने कहा कि हरियाणा कमेटी जत्थेदार झींड़ा साहिब के संघर्ष का परिणाम है। उनके लंबे संघर्ष के कारण आज हरियाणा के गुरुद्वारा साहिबों का प्रबंध हरियाणा की संगत के पास है। यह इलाका शुरू से ही प्रधान साहिब के संघर्ष में उनके साथ रहा है और आज जब प्रधान झींड़ा साहिब बने हैं, तो इलाके में बहुत खुशी है।

हम प्रधान साहिब द्वारा किए जा रहे कार्यों में पूरा सहयोग देंगे ताकि संगत को अधिक से अधिक सुविधाएं मिल सकें। प्रधान साहिब के समक्ष सरोवर साहिब और स्कूल की मांग भी रखी गई। प्रधान साहिब ने कहा कि जत्थेदार सरदार स्वरन सिंह और महंत परिवार शुरू से ही उनके साथ हैं। संगत ने जिनको (बुंगा साहिब को) मेंबर बनाकर भेजा है, उस इलाके की जो भी मांगें बुंगा साहिब बताएंगे, उन पर तुरंत विचार किया जाएगा और उन्हें पूरा करने का भरोसा भी दिया। गुरुद्वारा साहिब में संगत के लिए वीआईपी सराय का प्रबंध भी जल्द किया जाएगा। ग्रंथी, रागी और कथा वाचक साहिबान कौम की पूंजी हैं। वीआईपी सराय के साथ-साथ इनके लिए वीआईपी रिहाइश भी बनाई जाएगी। इस अवसर पर हेड ग्रंथी जगजीत सिंह, सरदार सरबजीत सिंह झींड़ा, मैनेजर सरदार परमजीत सिंह, मीत मैनेजर सरदार शिवचरण सिंह, इंचार्ज सरदार सिकंदर सिंह वराना, दिव्यांशु बुद्धिराजा (हलका करनाल), मांगे राम मुरारी (चीफ इंजीनियर धमदन साहिब) और बड़ी संख्या में संगत उपस्थित थी। गुरुद्वारा नाढ़ा साहिब पातशाही दसवीं में माननीय प्रधान साहिब ने संगत की सुविधा के लिए लगवाई गई लिफ्ट का उद्घाटन किया। इसके साथ ही आईडीएफसी बैंक द्वारा लगवाई गई सुंदर एलईडी स्क्रीन का भी उद्घाटन किया गया। प्रधान ने कहा कि बुजुर्गों को दरबार साहिब के अंदर दर्शन करने में दिक्कत आ रही थी, जिसे ध्यान में रखते हुए यह लिफ्ट लगवाई गई है, और आईडीएफसी की ओर से बड़ी स्क्रीन की सेवा प्रदान की गई है। इस एलईडी के माध्यम से संगत दूर से ही दरबार साहिब के अंदर के अलौकिक और सुंदर दृश्यों का आनंद ले सकेगी। इस अवसर पर सीनियर मीत प्रधान सरदार गुरमीत सिंह रामसर, सरदार स्वरन सिंह बुंगा भी मौजूद थे।

नेल्टास ओलंपियाड में यदुवंशी शिक्षा निकेतन के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

विद्यार्थियों ने अंग्रेजी, विज्ञान और गणित में दिखाई शानदार प्रतिभा

हांसी,7 जुलाई (मनमोहन शर्मा): यदुवंशी शिक्षा निकेतन के विद्यार्थियों ने हाल ही में आयोजित नेल्टास ओलंपियाड में भाग लेकर अपनी प्रतिभा, मेहनत और ज्ञान का ऐसा प्रदर्शन किया जिसने विद्यालय और क्षेत्र का गौरव बढ़ा दिया। इस प्रतिष्ठित ओलंपियाड में छात्रों ने अंग्रेजी भाषा, विज्ञान और गणितीय क्षमता जैसे विषयों में अपनी गहरी समझ और दक्षता का परिचय दिया। प्रतियोगिता में छात्रों ने न केवल भाग लिया, बल्कि कई विद्यार्थियों ने उच्च रैंक प्राप्त कर विद्यालय को राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। इन उपलब्धियों ने यह सिद्ध कर दिया कि यदुवंशी शिक्षा निकेतन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का पर्याय बन चुका है। इस उपलब्धि पर यदुवंशी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक एवं चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह देखकर अत्यंत गर्व होता है कि हमारे विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। यह सफलता उनकी लगन, शिक्षकों की मेहनत और विद्यालय की शिक्षा-नीति का परिणाम है। विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार ने भी छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थियों ने जिस प्रकार समर्पण के साथ ओलंपियाड की तैयारी की और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, वह अत्यंत सराहनीय है। यह सफलता हम सभी के लिए प्रेरणादायक है और हम भविष्य में भी ऐसे मंचों के लिए छात्रों को तैयार करते रहेंगे। विद्यालय प्रबंधन ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और विजयी विद्यार्थियों को प्रशस्ति -पत्र और मेडल से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि न केवल छात्रों के व्यक्तिगत विकास की मिसाल है, बल्कि यदुवंशी शिक्षा निकेतन की शैक्षिक दृष्टि और समर्पण को भी दर्शाती है।

श्री कृष्ण कृपा परिवार ट्रस्ट द्वारा लगाए गए विशाल भंडारे

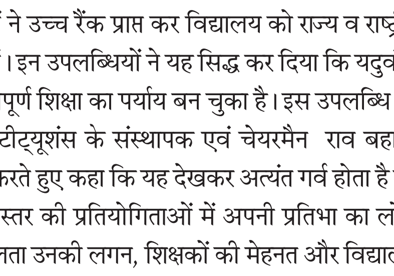

पंचकुला, 7 जुलाई (सतीश मंगला) : महामंडलेश्वर, गीता मनीषी, स्वामी ज्ञानानंद महाराज के सद आशीर्वाद से आज सोमवार को श्री कृष्ण कृपा परिवार ट्रस्ट द्वारा प्रसिद्ध समाजसेवियों के सहयोग से पंचकुला मे विशाल भंडारे लगाए। पहला भंडारा अशोक अग्रवाल ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य मे पंचकुला सैक्टर 6 सिविल हॉस्पिटल के बाहर विशाल भंडारा लगाया। दूसरा भंडारा नरेश मित्तल सांवरा स्वीट्स वाले ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य मे पंचकुला सैक्टर 16 अग्रसेन चौक पर विशाल भंडारा लगाया। समस्त श्री कृष्ण कृपा परिवार ट्रस्ट द्वारा अशोक अग्रवाल, नरेश मित्तल एवं वरिष्ठ पत्रकार सतीश मंगला के जन्मदिन के अवसर पर पुष्प गुच्छ देकर एवं पटका पहनाकर सम्मानित किया और प्रसिद्ध भजन गायक विजय गर्ग जी एवं ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा सुंदर गीत गाकर जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर श्री कृष्ण कृपा परिवार ट्रस्ट से परविंदर ढींगरा, धर्मपाल सिंगला, नीरज मित्तल, रिम्पी गर्ग, वी के कालरा, संजय गर्ग, ओ पी पाहवा, सुनील जैन, वृषभान गर्ग, जीवन बब्बू, प्रसिद्ध भजन गायक विजय गर्ग, दिनेश गुप्ता, नरेश मित्तल, दिनेश बंसल, सतीश मंगला, मुकेश सिंगला, अशोक अग्रवाल, नरेश गोयल, सुरेंद्र गोयल, अशोक आनंद, पंकज वर्मा, रमन राजपाल, राहुल एवम अन्य सदस्यगण मित्रगण उपस्थित रहे।

विधायक ने पेश की जनसेवा व परोपकार की एक नई मिसाल

कैथल, 7 जुलाई (प्रवेश बहादुर) : परोपकार की भावना को साकार करते हुए कैथल विधायक आदित्य सुरजेवाला ने कैथल के प्रताप गेट निवासी सन्नी धीमान के 4 वर्षीय पुत्र क्रियांश जो जन्म से मूक बधिर है, इस बच्चे के इलाज के लिए मदद का हाथ आगे बढ़ाया, यह बच्चा जो बचपन से न बोल सकता है न सुन सकता है। उनका यह कदम न केवल बच्चे के लिए उम्मीद की किरण बना, बल्कि समाज के लिए भी एक प्रेरणा है। आदित्य सुरजेवाला ने पीजीआई चंडीगढ़ में बच्चे के इलाज के लिए डॉक्टर से बात की और बच्चे के इलाज के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की, ताकि उसे बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। उनके इस नेक कार्य की हर तरफ सराहना

हो रही है। आदित्य सुरजेवाला ने कहा कि मूक बधिर बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इन बच्चों को सुनने और बोलने की क्षमता प्रदान करना न केवल उनके भविष्य को उज्ज्वल करता है, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ता है। मूक बधिर बच्चे के इलाज के लिए सहायता प्रदान करना मेरे लिए एक कर्तव्य है, जिसे मैं पूरे समर्पण के साथ निभाने को प्रतिबद्ध हूँ। उन्होंने कहा कि मैं, एक जनप्रतिनिधि के रूप में, अपने क्षेत्र के उन सभी बच्चों के लिए प्रतिबद्ध हूँ, जो इस तरह की स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। यह हमारा वादा है कि कोई भी बच्चा आर्थिक तंगी के कारण इस इलाज से वंचित नहीं रहेगा। आदित्य ने कहा कि आइये(हम सब मिलकर इन बच्चों के जीवन में रोशनी लाएँ। एक बच्चे की मुस्कान, उसकी पहली आवाज़, और उसका आत्मविश्वास हमें यह एहसास कराएगा कि हमने सही मायनों में परोपकार का मार्ग चुना है। हम सभी मिलकर ऐसे बच्चों के लिए संवेदनशील और सहयोगी बनें। उनकी शिक्षा, उपचार और आत्मनिर्भरता के लिए हर संभव प्रयास करें। हम सब मिलकर एक ऐसे समाज का निर्माण करें, जहाँ हर बच्चा अपनी क्षमताओं के साथ सम्मान और स्वाभिमान से जी सके। हमारा छोटा-सा सहयोग इन बच्चों के लिए एक बड़ी उम्मीद बन सकता है। हम इन बच्चों को दुनिया की आवाज़ों से जोड़ें, ताकि वे भी इस खूबसूरत दुनिया का हिस्सा बन सकें। धीमान समाज के साथियों पूर्व पार्षद बिट्ठू, जयदेव धीमान, रामली धीमान, श्यामली धीमान, जयसिंह धीमान, देशराज धीमान ने विधायक आदित्य सुरजेवाला का धन्यवाद किया और उनकी इस परोपकार सेवा की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि स्व. शमशेर सिंह सुरजेवाला व रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सदैव लोगों के दुःख दर्द को समझते हुए समाजसेवा की। जिस तरह से कोरोना काल में भी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने लोगों की सेवा में ऑक्सीजन सिलेंडर, पीपीई किट, मास्क, हैंड सैनिटाइजर, चार्ली टोर्नेडो मशीन से सोडियम हाइपोक्लोराइट दवाई के मिश्रण से छिड़काव कैथल सहित हरियाणा के कोने कोने में सेवा की ठीक उसी कदम पर कैथल विधायक आदित्य सुरजेवाला भी निकल चुके हैं। कैथल का सौभाग्य है कि उन्हें ऐसा विधायक मिला जो जनता व गरीब की भलाई के कामों में हमेशा कदम को आगे बढ़ाते हैं।

तेरी शरण में आया मैं बाबा भजन सुनकर मंत्रमुग्ध हो गए श्रद्धालु

हिसार, 7 जुलाई (महेन्द्र गोयल) : समाज को अध्यात्म से जोड़ने वाले बीड़ बबरान धाम में श्याम बाबा का संकीर्तन धूमधाम से आयोजित किया गया। संकीर्तन के दौरान गायकों ने भजनों के माध्यम से श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। मेरी लाज रखना, मेरी लाज रखना, तेरे द्वारे आया मैं बाबा, तेरी शरण में आया मैं बाबा, मेरी लाज रखना, मेरी लाज रखना, भजन सुनकर मंत्रमुग्ध होकर बहुत से श्रद्धालु झूमने व नाचने लगे। निज पुजारी विनय शर्मा ने बताया कि संकीर्तन के लिए श्याम बाबा के दरबार को विशेष रूप से सजाया गया। भक्तों ने श्याम बाबा के दरबार में माथा टेककर अपने कष्टों के निवारण की कामना की। विनय शर्मा ने धाम में स्थापित पीपल के वृक्ष की महिमा भी बताई। उन्होंने कहा कि यहां स्थित पीपल के वृक्ष का अपना अलग ही इतिहास है। दरअसल वीर बर्बरीक के जीवन से यह वृक्ष जुड़ा है। भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष वीर बर्बरीक ने एक ही तीर से इस पीपल के वृक्ष के हर पत्ते में छेद करके अपने कौशल का परिचय दिया था। इस प्रतिभा व कुशलता से श्रीकृष्ण काफी प्रभावित हुए थे। उन्होंने बताया कि यहां सच्चे मन से मांगी गई हर मुराद पूरी होती है और श्याम बाबा सभी दुखों को दूर करते हैं। अर्जी संकीर्तन में पधारने वाले श्रद्धालुओं ने श्याम बाबा के दरबार व वीर हनुमान के मंदिर में माथा टेका और महाभारतकालीन पीपल के वृक्ष पर नारियल चढ़ाकर अपनी आस्था व्यक्त की। इस दौरान भक्तों ने शिव परिवार, अखंड जोत, धूणे, घोड़े के पांव के निशान वाली शिला व मढ़ी के भी दर्शन किए।

समाधान शिविर में उपायुक्त ने सुनी जनसमस्याएं

हिसार, 7 जुलाई (महेंद्र गोयल) : जिले में आयोजित समाधान शिविर में उपायुक्त अनीश यादव ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे जनता से प्राप्त शिकायतों का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर करें, ताकि आमजन को सरकारी सेवाओं का लाभ समय पर मिल सके। शिविर का आयोजन लघु सचिवालय परिसर स्थित जिला सभागार में किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविर में सभी विभागों के अधिकारी एक ही छत के नीचे आमजन की समस्याओं को सुनकर उनका निदान करते हैं। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए और प्रत्येक शिकायतकर्ता को संतोषजनक जवाब दिया जाए। जिला प्रशासन पूरी गंभीरता से इस कार्य को अंजाम दे रहा है ताकि नागरिकों का प्रशासन पर भरोसा और मजबूत हो। शिविर में गांव सीसवाल के सरपंच द्वारा विकास कार्यों में गबन की शिकायत पर उपायुक्त ने जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी को मामले की जांच कर विभागीय कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार गांव बडाला निवासी ओमप्रकाश ने सड़क मरम्मत करवाने की मांग पर उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को मौका मुआयना कर आगामी आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार एक अन्य शिकायत में गांव खरकडा निवासी राकेश ने मोगा तोड़ने के कारण नाली का पानी ओवरफ्लो होकर खेतों में जाने संबंधी शिकायत पर उपायुक्त अनीश यादव ने सिंचाई विभाग के एसई को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त सी जयाश्रद्धा, नगराधीश हरिराम, नगर निगम के एएमसी प्रदीप कुमार, खंड शिक्षा एवं पंचायत अधिकारी कीर्ति सिरोहीवाल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेशभर के स्कूलों में सुनिश्चित की जाए पंजाबी भाषा के अध्यापकों की नियुक्ति : भूपेंद्र सिंह लाडी

तरावड़ी, 7 जुलाई (छाया शर्मा) : श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर बैठक का आयोजन श्री गुरुद्वारा साहिब गुढा में हुआ। जिसमें समाज सुधार लहर और गुरसिख संगत के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श करना था। बैठक की अध्यक्षता सरपंच यूनियन नीलोखेड़ी के अध्यक्ष एवं हरियाणा सिख गुरुद्वारा मेनेजमेंट कमेटी के सदस्य प्रतिनिधि भूपिंदर सिंह लाडी ने की, जबकि संचालन बलजिंदर सिंह ने किया। भूपेंद्र सिंह लाडी ने कहा कि इस महत्वपूर्ण अवसर पर संगत ने अनेक सामाजिक और भाषाई मुद्दों पर भी गंभीरता से विचार किया।

बैठक में यह सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि हरियाणा राज्य में पंजाबी भाषा को पहली दर्जे की भाषा का दर्जा दिलाने के लिए सरकार से औपचारिक रूप से अपील की जाएगी।

इसके साथ ही यह मांग भी रखी गई कि राज्य के स्कूलों में पंजाबी भाषा के अध्यापकों की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए और फ्रेंच जैसी विदेशी भाषाओं के स्थान पर गुरमुखी भाषा को महत्व दिया जाए, जिससे आने वाली पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी रहे। समाज सुधार लहर की ओर से संगत से यह भी अपील की गई कि निधन के बाद होने वाली अंतिम अरदास में सादा लंगर अटूट प्रेम व सहयोग से लगाया जाए और विवाह जैसे कार्यक्रम भी सादगी से संपन्न किए जाएं, ताकि समाज पर आर्थिक बोझ न पड़े और मूल सिख परंपराओं का पालन हो सके। बैठक में यह भी जोर दिया गया कि आगामी जनगणना में पंजाबी समुदाय के लोग अपनी मातृभाषा 'पंजाबी' को ही दर्ज करवाएं, जिससे राज्य में पंजाबी भाषा की स्थिति को मजबूती मिले और भविष्य में इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकें। संगत के बीच इस विषय पर गंभीर मंथन हुआ और सभी ने एकजुट होकर इन मांगों को सरकार तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

बैठक में अनेक गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और संगत के सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर अमरदीप गुड़ा, बजिंदर सिंह, रघुवीर सिंह बंटी, साहब सिंह चोगामा, गुरमुख सिंह गौरगढ़, जसबीर सिंह खानपुर, गुरबाज सिंह, गुरवंत सिंह, निरवैर सिंह सरपंच, वरिंदर सरपंच, लखविंदर सरपंच, रेशम सिंह, गुरप्रताप सिंह, सरबजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

गांव भूराण में बीसवेदारों की जमीन की बोली करवाने के प्रति ग्रामीणों में रोष, पिल्लुखेड़ा बीडीपीओ कार्यालय में हुए एक तारीख

सफीदों, 7 जुलाई (एस.के.मित्तल) : पिल्लूखेड़ा खंड के गांव भूराण के ग्रामीण सोमवार को बीडीपीओ पिल्लूखेड़ा में सरकार व प्रशासन के प्रति रोष प्रकट करते हुए एकत्रित हुए। ग्रामीण इस दौरान बीडीपीओ अक्षय दीप सिंह से मिले और मांग की की गांव भूरण के किसान बीसवेदारों की जमीन पर पिछले करीब 70 सालों से खेतीबाड़ी कर अपना गुजर-बसर कर रहे हैं। लेकिन गांव के कुछ शरारतीतत्व इस जमीन को खाली करवाने का प्रयास कर गांव में विवाद करवाने का प्रयास कर रहे हैं। अगर प्रशासन इस जमीन की बोली करवाने में उनका सहयोग करता है, तो गांव में बहुत बड़ा विवाद हो सकता है। ऐसे में इसका जिम्मेदार प्रशासन होगा। ग्रामीण ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया था कि गांव की जो भी बीसवेदारों की जमीन है वह गांव के लोगों के खाते लगा दी जाएगी और इसी निर्णय के अनुसार प्रदेश के ज्यादातर गांव में बीसवेदारों की जमीन को खाते लगा दिया गया है। लेकिन केवल उनके गांव भूरण की बीसवेदारों की जमीन को अभी तक सरकार द्वारा खाते लगाने का काम शुरू नहीं किया गया है। सरकार उल्टा बीसवेदारों की जमीन को पंचायत के हवाले कर दिया है। किसान कृष्ण, धर्मवीर, सुल्तान दलबीर, राजेश, प्रदीप, नरेश आदि ने उनके गांव में लगभग 50 से 60 एकड़ बीसवेदारों की जमीन है। इसी जमीन पर खेतीबा?ी कर ग्रामीण शांतिपूर्ण तरीके से अपना गुजर-बसर कर रहे

हैं। लेकिन गांव के कुछ शरारती तत्व जानबुझ कर गांव में विवाद करवाना चाहते हैं। इसलिए वह इस जमीन की बोली करवाना चाहते हैं। जबकि इस जमीन की बोली संभव नहीं है। क्योंकि इस जमीन पर बीडीपीओ कार्यालय, तहसील, धन्ना भक्त ट्रस्ट सहित कई सरकारी बिल्डिंग बनी हुई है, तो कुछ पर गांव के लोग मिलबाट कर खेती कर रहे हैं। अगर प्रशासन इस जमीन की बोली करवाने का प्रयास करेगा तो गांव में विवाद होगा और आपसी भाईचारा भी खराब हो जाएगा। इसलिए प्रशासन को चाहिए की वह इस जमीन की बोली नहीं करवाकर इसे खाते लगवाने में ग्रामीणों की मदद करे। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेताते हुए कहा कि अगर प्रशासन ने जबरदस्ती इस जमीन की बोली करवाने का प्रयास किया तो गांव में लड़ाई-झगड़ा हो जाएगा व इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। साथ ही ग्रामीणों ने कहा कि यदि सरकार बीसवेदारों की जमीन को खाली करवाना चाहती है तो पूरे हरियाणा की बीसवेदारों की जमीन खाली करवाए। अकेले उनके गांव के साथ यह सौतेला व्यवहार क्यों किया जा रहा है कि केवल उनके गांव की ही बीसवेदारों की जमीन को खाली करवाया जा रहा है। जबकि आस-पास के किसी भी गांव में यह प्रक्रिया नहीं की गई है।

इस मामले में बीडीपीओ पिल्लूखेड़ा अक्षयदीप सिंह ने कहा कि भूराण गांव में लगभग 50 से 60 एकड़ बीसवेदारों की जमीन है। इसमें से कुछ जमीन पर बीडीपीओ, तहसील कार्यालय बना हुआ है तथा कुछ पर धन्ना भक्त ट्रस्ट द्वारा निर्माण कार्य किया हुआ है। वहीं कुछ जमीन बंजर पड़ी हुई है। अब यह देखना है कि कितनी जमीन की बोली हो पाएगी। सरकार द्वारा 2022 में गांव की बीसवेदारों की इस जमीन को पंचायत को सौंप दिया गया था। पंचायत ने 2023 में इस जमीन की निशानदेही करवा दी थी। बाद में सफीदों एसडीएम कोर्ट में इस जमीन का केस चला था, तो गांव के लोगों ने इस जमीन पर कब्जे की बात स्वीकारी थी। आज इस जमीन की बोली करवाई जानी थी। लेकिन विवाद होने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया है। अब इस जमीन की बोली दोबारा करवाने की प्रक्रिया की जाएगी। सरपंच को चिट्ठी लिखी गई है। अब सरपंच को इसी तारीख तय करके दोबारा बोली करवाई जाएगी।

बिजली दरों में बढ़ोतरी को वापस लें सरकार : शेर प्रताप शेरी

असंध, 7 जुलाई (दलसिह मान) : प्रदेश सरकार ने बिजली के रेट चार गुना बढ़ाकर आमजन की कमर तोड़ने का काम किया है। इससे किसान व मजदूर वर्ग पर भारी बार पड़ेगा।

सरकार ने यदि बढ़ाए गई बिजली की दरें वापस लेकर आमजन को राहत नहीं दी तो कांग्रेस पार्टी आंदोलन करने पर मजबूर होगी। उपरोक्त विचार हरियाणा किसान कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष शेर प्रताप शेरी करनाल रोड स्थित कार्यालय

में कार्यकर्ताओं की बैठक को सम्बोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहे। शेरी ने कहा कि सरकार ने बीपीएल परिवारों को राशन डिपो पर मिलने वाले सरसों के तेल को चालीस रुपए से बढ़ाकर सौ रुपए कर दिया है। उन्होंने कहा कि पहले ही जनता मंहगाई की मार झेल रही है। अब राहत देने की बजाय सरकार उन्हें परेशान करने के लिए नए-नए तरीके खोज रही है। भाजपा सरकार जनविरोधी फैसले ले रही है। सरकार ने सरसों के तेल दाम बढ़ाए हैं, उनको सरकार तुरंत प्रभाव से वापस ले। शेरी ने कहा कि नगरपालिका असंध में कुर्सी घोटाले की निष्पक्ष जांच की जाए। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार ने कहा था कि बिजली चोरी खत्म हुई तो बिजली 2 रुपए प्रति यूनिट करेगें लेकिन बिजली चोरी खत्म तो हुई लेकिन सरकार ने बिजली दरें कम करने की बजाय बढ़ा दी है।

उन्होंने कहा कि पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता के लिए यह एक और बड़ा बोझ है।

इस अवसर पर रमेश कौशिक, महेंद्र कौशिक, सिराजुद्दीन दूपेडी, श्याम पाल रोहिल्ला, जसबीर बाहरी, पंजाब सिंह, हरेंद्र सिंह, दिलबाग सिंह, अनिल पाल, जगदीश, ओमप्रकाश, फूल सिंह, वीरेन्द्र, तेजपाल, सुखबीर, वकील, सुशील, निशाबर सहित अन्य मौजूद रहे।

हरियाणा में 31 मार्च 2004 से पहले शामलात भूमि पर बने अवैध मकानों को वैध करने का रास्ता साफ : डीसी पार्थ गुप्ता

यमनानगर, 7 जुलाई (संजीव कुमार) : उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि विकास एंव पंचायत विभाग हरियाणा सरकार ने उन ग्रामीण परिवारों को बड़ी राहत दी है जिन्होंने 31 मार्च 2004 से पहले शामलात देह की गैर-कृषि भूमि पर मकान या मकान का हिस्सा बना लिया था।

अब ऐसे निर्माणों को कानूनी दर्जा देने की प्रक्रिया अधिसूचित कर दी गई है। यह निर्णय हरियाणा अधिनियम संख्या 19, 2024 तथा हरियाणा अधिनियम संख्या 5, 2025 के माध्यम से लागू किया गया है। डीसी ने बताया कि मुख्य बिंदु हरियाणा अधिनियम संख्या 19, 2024 (12 दिसंबर 2024) के अनुसार, पंजाब ग्राम शामलात अधिनियम, 191 की धारा 5ए में नया उपखंड (1ए) जोड़ा गया है, जिसमें यह प्रावधान किया गया कि पंचायतें 31 मार्च 2004 से पहले बने घरों को अधिकतम 500 वर्ग गज (निर्माण+ 25 प्रतिशत खुला हिस्सा) तक की शामलात भूमि, बाजार दर पर राज्य सरकार की अनुमति से बेच सकती हैं। यह भूमि किसी जलाशय, तालाब, रेवेन्यू रास्ते या सार्वजनिक उपयोग की भूमि नहीं होनी चाहिए।

डीडीपीओ नरेन्द्र सिंह ने बताया कि हरियाणा अधिनियम संख्या 5, 2025 (1 अप्रैल 2025) के तहत उक्त धारा में दो अहम बदलाव किए गए। राज्य सरकार की जगह अब विकास एवं पंचायत विभाग के निदेशक को अनुमति प्रदान करने का अधिकार होगा। बाजार दर की अनिवार्यता हटाकर निर्धारित दर (प्रेसक्राइब्ड रेट) का प्रावधान जोड़ा गया है।

उन्होंने बताया कि 17 जनवरी 2025 को अधिसूचित संशोधित नियमों के अनुसार, इच्छुक व्यक्ति पंचायत को निर्धारित प्रारूप में इन नियमों के प्रकाशन की तिथि से 12 मास के अन्दर जिला कलेक्टर को आवेदन कर सकेंगे। भूमि की बाजार दर 31 मार्च 2004 को प्रचलित कलेक्टर रेट के डेढ गुना बराबर होगी। उन्होंने बताया कि 28 अप्रैल 2025 को निदेशक, विकास एंव पंचायत विभाग द्वारा जारी एसओपी में आवेदन की पूरी प्रक्रिया तय की गई है, जिसमें पंचायत प्रस्ताव, खंड एवं जिला स्तर पर जांच और अंतिम अनुमोदन निदेशक द्वारा किया जाएगा।

पात्रता की शर्तें

निर्माण 31 मार्च 2004 से पूर्व हुआ हो।

भूमि किसी जल स्त्रोत या सार्वजनिक रास्ते की न हो।

कब्जा प्रमाणित हो और आवेदन निर्धारित समय के भीतर किया जाए।

आवश्यक दस्तावेज व प्रक्रिया

नाजायज कब्जाधारी को ग्राम पंचायत को आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन करना होगा जिसके साथ वर्ष 2004 से पूर्व कब्जा वाले मकान का सबूत जैसे बिजली का बिल पानी कनैक्सन इत्यादि, निशानदेही रिपोर्ट, नक्सा, जमाबन्दी, मकान के फोटोग्राफ, आधार कार्ड/ वोटर कार्ड आदि लगे हो।

ग्राम पंचायत व ग्राम सभा द्वारा नियमानुसार प्रस्ताव पारित किया जाएगा। ग्राम सचिव द्वारा आवश्यक दस्तावेजों सहित केस खण्ड अधिकारी को भेजा जाएगा। खण्ड विकास एवं पचायत अधिकारी, द्वारा आवश्यक दस्तावेज व 2004 के कलेक्टर रेट सहित अपनी सिफारिश उपायुक्त महोदय को प्रेषित की जाएगी। उपायुक्त महोदय की ओर से केस निदेशक विकास एवं पंचायत विभाग हरियाणा को भिजवाया जाएगा। निदेशक विकास एंव पंचायत विभाग हरियाणा द्वारा स्वीकृति प्रदान की जाएगी। सेल डीड स्टांप ड्यूटी व अन्य चार्ज निवदेनकर्ता द्वारा वहन किया जाएगा।

कल्पना को छूने दो आसमान थीम पर चित्रकला प्रतियोगिता शुरु

यमुनानगर, 7 जुलाई (दिनेश कुमार) : उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा स्कूली छात्रों की रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन विद्यार्थियों की सृजनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने के लिए एक सराहनीय पहल है।

उन्होंने जिले के अध्यापकों से आह्वान किया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करें। डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है। प्रथम श्रेणी 6 से 10 वर्ष आयु वर्ग की है जिसका विषय स्टोरी टेलिंग पर आधारित पेंटिंग रहेगा व द्वितीय श्रेणी 11 से 16 वर्ष आयु वर्ग का है जिसका विषय माई विजन पर आधारित पेंटिंग रहेगा। यह आयोजन आगामी 12 अगस्त को सेक्टर-5 स्थित यवनिका गार्डन, पंचकूला में होगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक श्रेणी में आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रथम पुरस्कार 7100, दूसरा 5100 व तृतीय 2100 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त 5 सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 21 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। आवेदन-पत्र के लिए क्यूआर कोड स्कैन कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। अधिक जानकारी हेतु विभाग की ईमेल आईडी artan dculturalafairs hry @gmail.com पर संपर्क किया जा सकता है। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 0172-2793971, 2793987 पर संपर्क कर सकते हैं।

9 जुलाई को कर्मचारी करेंगे राष्ट्रव्यापी हड़ताल

करनाल, 7 जुलाई (यशपाल कादियान) : सर्व कर्मचारी संघ की करनाल जिला इकाई ने 9 जुलाई की राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए कमर कस ली है। जिला प्रधान सुशील गुर्जर और जिला सचिव सेवाराम की अगुवाई में कर्मचारी नेताओं की टीमें निरंतर विभागों में जाकर कर्मचारियों से संपर्क कर रही हैं। सोमवार को जिला साचिवालय, राजीव गांधी विद्युत सदन, पर्यटन विभाग व वन विभाग के कार्यालयों में मीटिंगें कर हड़ताल को लेकर चर्चा की गई। प्रधान सुशील गुर्जर ने कहा कि देश में 25 करोड़ से ज्यादा कर्मचारी व आम जन हड़ताल में शामिल होंगे। उन्होंने मांगों का जिक्र करते हुए कहा कि मजदूर विरोधी लेबर कोडस रद्द किए जाएं। ठेकाकरण, निजीकरण कर सरकारी विभागों को सिकोडना बंद किया जाए। कच्चे कर्मचारियों व परियोजना

कर्मियों को नियमित किया जाए। उन्होंन कहा कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम से हटाए गए कर्मचारियों को वापस लिया जाए। नई शिक्षा नीति रद् की जाए। हरियाणा राज्य का आठवां वेतन आयोग अलग से गठित किया जाए। जिला सचिव सेवाराम ने कहा कि सरकार महंगाई व बेरोजगारी पर नियंत्रण नहीं कर पा रही। कर्मचारी जो देश के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं उनके भी हक छीनने का प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रव्यापी हड़ताल इतिहास रचेगी। इस अवसर पर जगपाल राणा, ओमप्रकाश सिहमार, रोशनलाल गुप्ता व अशोक कुमार मौजूद रहे।

गऊ सेवा पूर्णिमा पर उमड़ेगा श्रद्धा का सैलाब

स्वामी गोपाल श्री श्याम बाबा जन्मोत्सव पर 10 को संकीर्तन एवं लगेगा भंडारा

चिड़ाव, 7 जुलाई (प्रवीन कुमार) : जय श्री श्याम जय श्री आहुलाना धाम के जयघोष के साथ गौसेवा में पूर्ण समर्पित बाबा स्वामी गोपाल जी महाराज की अगुवाई में सैंकड़ों श्री श्याम प्रेमियों का भव्य काफिला श्री आहुलाना धाम के लिए रवाना हुआ। ढोल-नगाड़ों के साथ श्री श्याम प्रेमियों ने बड़ी धूमधाम के साथ इस आयोजन में भाग लिया। नाचते-गाते श्रद्धालुओं ने खुशी का इजहार करते हुए हारे का सहारा आहुलाना का श्याम हमारा का जयघोष किया। बाबा स्वामी गोपाल जी महाराज ने बताया कि आहुलाना धाम की पावन धरती पर भगवान श्रीकृष्ण जी को बाबा श्याम ने अपने शीश का दान दिया था और तब से यह स्थान आस्था का प्रतीक बना हुआ है। उन्होंने बताया कि 10 जुलाई को पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री कृष्ण गोपाल गौशाला जुंडला में श्री श्याम बाबा जी का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। गऊ सेवा पूर्णिमा महोत्सव को लेकर गोशाला में तैयारियों जोरों पर है। इस अवसर पर श्री श्याम बाबा का भव्य संकीर्तन किया जाएगा और बाबा के नाम का अटूट भंडारा लगाया जाएगा। इस अवसर पर श्री कृष्ण गोपाल गौशाला कमेटी के सदस्य, श्री श्याम सेवा समिति के बोबी रहेजा, प्रमोद सैन, सुनील बंसल, भूपेश छाबड़ा, कमल कपूर, राजीव भंडारी, अनिल रहेजा, मोहित पाहवा, राजेश रोड, विशेष तौर पर उपस्थित थे।

श्री कृष्णा पब्लिक स्कूल की अपूर्वा ने सीए परीक्षा में किया स्थान प्राप्त

यमुनानगर, 7 जुलाई (दिनेश कुमार) : गांव खजूरी के श्रीकृष्णा पब्लिक स्कूल की छात्रा अपूर्वा ने सीए परीक्षा में स्थान प्राप्त कर स्कूल और अपने अभिभावकों का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि के लिए अपूर्वा के पिता राजेश कुमार ने स्कूल प्रबंधक श्री महिपाल राणा और स्कूल के सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया। कहा कि इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए अपूर्वा के कृष्णा स्कूल और उनके स्टाफ सदस्य का अहम रोल रहा। सोमवार को अपूर्वा अपने अध्यापकों का आशीर्वाद लेने स्कूल में पहुंची इसके बाद स्कूल पहुंचने पर अपूर्वा का जोरदार स्वागत किया गया स्कूल प्रबंधक महिपाल राणा ने उनको भविष्य में और उन्नति करने के लिए आशीर्वाद दिया और सभी बच्चों को अपूर्वा की तरह अपनी लागत और मेहनत जीवन में उन्नति करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर पवन शर्मा, स्वाति चौहान, उपमुख्याध्यापिका रजनी राणा, सचिन शर्मा, अनुराग बत्रा, अनु शर्मा आदि उपस्थित रहे हैं।

गोली राजकीय स्कूल में किया गया पौधारोपण

असंध, 7 जुलाई (दलसिंह मान) : पर्यावरण संरक्षक की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाते हुए राजकीय प्राइमरी स्कूल गोली में सोमवार को पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य शिक्षक अशोक मान ने अध्यापकों एवं बच्चों के साथ मिलकर परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे रोपे कार्यक्रम का उद्देश्य नए केवल विद्यालय परिसर को हरा-भरा बनाना था, बल्कि छात्रों और स्टाफ में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता भी पैदा करना था। इस अवसर पर मुख्य शिक्षक अशोक मां ने कहा कि पौधारोपण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जिस प्रकार से पर्यावरण संतुलन और प्रदूषण बढ़ता जा रहा है ऐसे में अधिक से अधिक वृक्ष लगाना हम सब की जिम्मेवारी बनती है। विद्यालय ऐसे आयोजनों के माध्यम से छात्रों को प्रकृति से जोड़ने का कार्य करता रहेगा। चरणजीत सिंह ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को वश में काम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। उन्होंने छात्रों को पेड़ पौधों की देखभाल करने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर राजेंद्र शर्मा, संदीप मान, विकास, नरेंद्र शर्मा, दिनेश, किरण, मुख्य रुप से मौजूद है।

हरियाणा पत्रकार संघ ने की कैशलेस योजना को तुरंत लागू करने की मांग

करनाल, 7 जुलाई (सोनी दुआ) : हरियाणा पत्रकार संघ ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से पत्रकारों को 5 लाख रूपये का संरक्षण देने वाली कैशलेस योजना को अविलंब लागू करने की मांग की है। यह मांग हरियाणा पत्रकार संघ की आज यहां पीडब्ल्यूडी रैस्ट हाउस में संघ की जिला ईकाई की साधारण सभा की बैठक में पारित एक प्रस्ताव में की गई है। बैठक में कैशलेस योजना को लागू करने का सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया गया। प्रस्ताव में कहा गया है कि यह अफसोस की बात है कि मुख्यमंत्री ने विभिन्न मंचों पर कैशलश योजना को लागू करने की घोषणा तो की, लेकिन यह अभी तक योजना अधर में लटकी हुई है। प्रस्ताव में कहा गया है कि यह योजना गत 7 वर्षों से लटकी हुई है और मुख्यमंत्री कई महीनों से इस योजना को लागू करने की विभिन्न मंचों पर लगातार घोषणाएं कर रहे हैं, लेकिन फिर भी इस योजना को लागू करने की सकारात्मक कार्यवाही नहीं हो रही है। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि लोक संपर्क विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हमने योजना को लागू करने के लिए सारी औपचारिकताएं पूरी कर रखी हैं, लेकिन मुख्यमंत्री के आदेश की प्रतीक्षा है। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि इस योजना के तहत पत्रकार, उसकी पत्नी, दो अविवाहित बच्चे और मां-बाप शामिल हैं। इस प्रकार अभी तक की सरकार द्वारा घोषित सभी नीतियों में यह योजना उनके कल्याण के लिए सबसे प्रभावी है। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि चुनाव के समय मुख्यमंत्री ने वृद्ध पत्रकारों की मासिक पेंशन योजना को 15 हजार से बढ़ाकर 20 हजार रुपये करने का आश्वासन भी दिया था। उस समय हरियाणा पत्रकार संघ द्वारा दिए गए ज्ञापन में पेंशन के लिए 5 साल की अनिवार्य एक्रीडिटेशन की शर्त को हटाने की मांग भी की गई थी। यदि यह शर्त हटा दी जाती है तो 600 से 700 वृद्ध पत्रकारों को इसका लाभ मिलेगा। वर्तमान में केवल 150 पत्रकारों को इस योजना का लाभ मिल रहा है। हरियाणा पत्रकार संघ के ज्ञापन में सोशल मीडिया से जुड़े पत्रकारों को एक्रीडिटेशन का लाभ और उन्हें विज्ञापन देने की सुविधा देने की भी मांग की गई थी। सरकार की वर्तमान विज्ञापन नीति में सभी बड़ी प्रसार संख्या वाले अखबारों को ही लाभ मिल रहा है, जबकि लघु समाचार पत्रों की पूरी तरह उपेक्षा की जा रही है। लघु समाचार पत्रों का भी समाज में विशेष स्थान है। सरकार को यह ध्यान में रखना चाहिए। बैठक में 100 से अधिक पत्रकार उपस्थित रहे।

प्राईवेट स्कूल संघ ने पोर्टल खोलने के लिए विधायक को दिया ज्ञापन : रविन्द्र अत्री

हांसी, 7 जुलाई (मनमोहन शर्मा) : पी.डब्ल्यू.डी. रैस्ट हाउस में प्राईवेट स्कूल संघ हांसी के प्रधान रविन्द्र अत्री ढण्ढेरी की अध्यक्षता में एक मिटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें हांसी के आस-पास क्षेत्र के प्राईवेट स्कूल संचालक भारी संख्या में पहुंचें। अनिल कुमार ने बताया कि हमारे जो विद्यालय छोटे व बड़े स्तर के स्कूल है वो पिछले 30 वर्षो से चल रहे है। जैसे ही छुटियां समाप्त हुई शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा उनको पोर्टल बन्द कर दिया गया। प्रधान रविन्द्र अत्री ढण्ढेरी ने हांसी पहुंचने पर सभी प्राईवेट स्कूल संचालकों का स्वागत करते हुए कहा कि जब भी विद्यालयों के समक्ष कोई भी समस्या आई है उन्होंने हांसी विधायक विनोद भ्याणा के समक्ष स्कूलों की समस्याओं को रखा। उन्होंने तुरन्त उसी समय उनका निदान शिक्षा विभाग पंचकुला के निदेशक व शिक्षा विभाग हरियाणा के मन्त्री से करवाया। जिसको मध्य नजर रखते हुए प्रदेश भर के अस्थाई स्कूल, एजीसर्टिंग स्कूल, एम.आई.एस. पोर्टल पर संचालित स्कूल संचालकों ने प्रधान को आह्वान किया कि उनका पोर्टल बन्द कर दिया गया है और इस समस्या को हांसी के विधायक विनोद भ्याणा के समक्ष रखकर इस समस्या को दूर करने का कार्य करवाया जाये। तेलू राम रामायण वाला ने कहा कि अधिकारीगण सरकार को गुमराह कर रहे है और पिछले 30 वर्षो में अब तक जो यह पोर्टल बन्द करने का कार्य किया गया है वह आज तक ऐसा किसी ने नही किया। ऐसा होना प्रदेश भर के स्कूलों के हित में बहुत ही निंदनीय है। संदीप सांपला ने कहा कि आर.टी.ई. के बार-बार फार्म भरवाने के बाद भी स्कूलों का पोर्टल बन्द करना बहुत ही गलत कार्य है। अनिल सातरोड़िया ने कहा कि स्कूलों को दो कोड मिले हुए है एक केन्द्रिय सरकार द्वारा और एक राज्य सरकार द्वारा। केन्द्रिय सरकार द्वारा प्राप्त कोड यू-डाइज आज भी विद्यालयों में चालु है लेकिन शिक्षा विभाग, पंचकुला द्वारा प्राप्त पोर्टल को बन्द कर दिया गया है। प्रदीप पूनिया ने कहा कि तीन महीने सत्र के चले जाने के बाद भी इन स्कूलों में आधे से अधिक बच्चे दाखिला लेने से वंचित है। जिन स्कूलों का पोर्टल बन्द है उनको जल्द से जल्द खोला जावे। दिनेश कौशिक ने कहा कि नियमों में सरलीकरण करके भूमि में छूट दी जाये ताकि स्कूल संचालक अपनी मान्यता ले सकें। प्रधान रविन्द्र अत्री ने स्थाई स्कूलों का पोर्टल खोलने पर विधायक विनोद भ्याणा का आभार जताया और कहा कि अब अन्य श्रेणी में जो-जो विद्यालय है उनको पोर्टल खुलवाकर उनको स्थाई मान्यता दिलवाई जावे ताकि पिछले काफी वर्षों से जो विद्यालय गरीब बच्चों को शिक्षा दे रहे है वे अपना कार्य यूं ही निरन्तर जारी रख सकें। विधायक विनोद भ्याणा ने आश्वासन दिया कि वो इस समस्या का निदान अवश्य करवायेंगे। उनको इस विषय पर विशेष तौर पर चाहे शिक्षा मन्त्री और मुख्यमन्त्री हरियाणा से स्वयं मिल कर प्रदेश भर के सभी विद्यालयों को निजात दिलाने का काम करेंगे और उनका पोर्टल खुलवायेंगे। इस अवसर पर प्रधान रविन्द्र अत्री, तेलु राम रामायण वाला, अनिल कुमार, प्रदीप पुनिया, अनिल सातरोडिया, संदीप यादव, सरदार हरिन्द्र पाल सिंह, कुलदीप यदुवंशी, राजबीर वर्मा, प्रवीण, मनोज आहूजा, कृष्ण कुंमार, सुरेश कुमार, मुरारी लाल, बलबीर, शमशेर सिंह, विजेन्द्र मलिक, जगदीश, बलबीर बास, प्रदीप मलिक, दिनेश कौशिक, उमेश तनोजा, अजय थुराना सहित काफी संख्या में स्कूल संचालक उपस्थित थे।

समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का यथा शीघ्र करें निपटान : सीटीएम पीयूष गुप्ता

यमुनानगर, 7 जुलाई (दिनेश कुमार) : सीटीएम पीयूष गुप्ता ने कहा कि समाधान शिविर में अपनी समस्याओं को लेकर आने वाले प्रत्येक प्रार्थी की समस्याओं को मौके पर ही निपटान करने का भरसक प्रयास रहें, यदि कोई समस्या का समाधान दस्तावेजों या अन्य जांच पर आधारित है तब भी उसका समयबद्ध होकर जल्द निपटान करवाना सुनिश्चित करें। नगराधीश पीयूष गुप्ता ने कहा कि प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशन में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में अब बदलाव किया गया है। अब ये शिविर सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं। पूर्व की भांति जिला व उपमंडल दोनों स्तरों पर शिविर का आयोजन होगा।

उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय समाधान शिविर जिला सचिवालय के सभागार में तथा उपमंडल स्तर के समाधान शिविर बिलासपुर, छछरौली व रादौर में स्थित एसडीएम कार्यालय में आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य है जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना, ताकि समस्याओं को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से सुलझाया जा सके। इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, बल्कि वे एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधे संवाद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन में चल रही इस पहल को जनता का भी भरपूर सहयोग और सराहना मिल रही है। समय पर समाधान, समर्पित अधिकारी और आमजन की भागीदारी के साथ यह शिविर आज गुड गवर्नेंस का सशक्त उदाहरण बनकर उभरे हैं।

सीटीएम पीयूष गुप्ता ने कहा कि समाधान शिविर में 12 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिनमें जठलाना निवासी तारा देवी ने राशन कार्ड बनवाने बारे, मोहन सिंह यमुनानगर निवासी ने सीएम विंडो की शिकायत पर कार्यवाही न होने बारे, सैक्टर-17 निवासी विशाल अग्रवाल ने सिवरेज बंद होने बारे, महेश्री निवासी मेहन्दी हसन ने कानूनी कार्यवाही करने बारे, सरोजनी कॉलोनी निवासी विमल कुमार ने सड़क बनवाने बारे, वार्ड नंबर-16 जोगिन्द्र नगर निवासी रामतीर्थ यादव ने आवारा कुत्तों को पकड़ने बारे शिकायत रखी। उन्होंने कहा कि कहेड़ा खुर्द निवासी अनिल कुमार ने फैमिली आईडी ठीक करवाने बारे, फेजपुर निवासी अकरम ने आयुष्मान कार्ड बनवाने बारे, मिरजापुर निवासी सतपाल सिंह ने ड्राईविंग लाईसेंस न मिलने बारे, विकासनगर निवासी अमित शर्मा ने खंबों पर बिजली लाईट लगवाने बारे, ककड़ौनी निवासी जयकुमार ने गली बनवाने बारे, झाड़ चंदना निवासी बनारसी दास ने अवैध कब्जा करने बारे समस्या रखी। इस अवसर पर डीएसपी कंवलजीत सिंह व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भारी बारिश के बाद उपायुक्त ने जल निकासी प्रबंधों का लिया जायजा

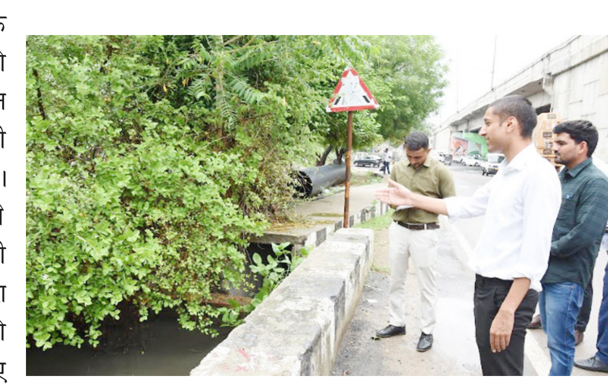

हिसार, 7 जुलाई (महेंद्र गोयल) : जिले में हुई भारी बारिश के मद्देनजर उपायुक्त अनीश यादव ने सोमवार को जिले के शहरी इलाके में पानी निकासी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा भी की। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जल निकासी के प्रबंधों को दुरुस्त रखें ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उपायुक्त ने मील गेट, मेला ग्राउंड सेक्टर-23, ऑटो मार्केट, बरवाला बाईपास, फव्वारा चौक, सर छोटूराम चौक सहित अन्य इलाकों में स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने पंपिंग स्टेशनों, सीवरेज लाइनों और स्टॉर्म वाटर पंपिंग हाउस की कार्यप्रणाली को देखा और अधिकारियों से निकासी के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सीवरेज एवं ड्रेनेज सिस्टम की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि अतिरिक्त जरूरत के समय पंप सेट, ट्रैक्टर इत्यादि जैसे आवश्यक संसाधन तैयार हालत में उपलब्ध हों। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि बरसात के दौरान नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी तालमेल स्थापित कर कार्य करें। उपायुक्त अनीश यादव ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि सभी संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा कर जलभराव की समस्या को स्थायी रूप से हल करने के लिए वर्तमान में चल रही नई निर्माण योजनाओं को जल्द पूर्ण करें। इसके अलावा पुराने सिस्टम की सफाई, उनके आसपास पेड़ों की कटाई-छंटाई व मरम्मत के कार्यों को जल्द से जल्द पूरा कर आमजन को उच्चतम सुविधाएं प्रदान करें। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में शहर के ड्रेनेज सिस्टम को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। उपायुक्त अनीश यादव ने पुलिस लाइन हिसार-सिरसा रोड पर निर्माणाधीन पाइपलाइन प्रणाली, जो बरवाला बाईपास पंपिंग स्टेशन को ऋषि नगर स्थित 40 एमएलडी सीवरेज सिस्टम से जोड़ेगी, को 10 जुलाई तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उपायुक्त ने सार्वजनिक स्थलों, स्कूलों, अस्पतालों और मुख्य मार्गों से जलभराव को शीघ्र समाप्त करने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण दौरे के दौरान नगर परिषद सीईओ हरबीर सिंह, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त प्रीतपाल सिंह, एचएसवीपी के एक्सईएन भूपेंद्र सिंह, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एक्सईएन बलकार रेढ़ू सहित अन्य उपस्थित रहे।

मांडी बचकी पहुंची नवीन जिंदल फाउंडेशन की मेडिकल वैन

पिहोवा, 7 जुलाई (विवेक) : लोगों के स्वास्थ्य की घर द्वार पर ही जांच करने के उद्देश्य से सांसद नवीन जिंदल की फाउंडेशन द्वारा

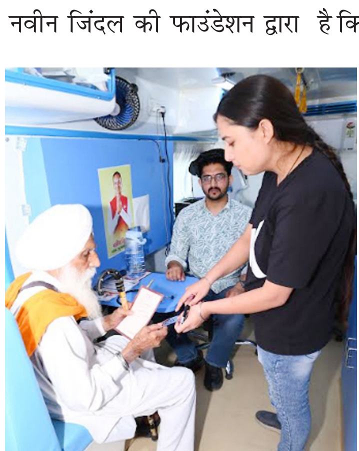

चलाई जा रही मेडिकल वैन सोमवार को गांव मांडी और बचकी में पहुंची। इस अवसर पर डॉ. प्रमोद सिंह के नेतृत्व में टीम ने 54 लोगों के स्वास्थ्य की जांच करके उन्हें निशुल्क दवाई दी। इनमें से 18 लोगों के मुफ्त लैब टेस्ट भी किए गए। डॉ. प्रमोद ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल का विजन है कि आम आदमी की पहुंच से दूर होती जा रही महंगी चिकित्सा से उन्हें राहत दिलाने के लिए, लोगों को उनके घर के पास ही स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने बताया कि सांसद नवीन जिंदल की इस पहल का सबसे अधिक लाभ महिलाओं और बुजुर्गों को मिल रहा है। जो बड़े अस्पतालों के चक्कर नहीं काट सकते। मुफ्त दवाई देने के साथ-साथ टीम लैब टेस्ट करके लोगों को समय रहते बीमारी से जागरुक रहने के लिए भी प्रेरित करती हैं। इसके साथ-साथ टीम में शामिल महिला स्टाफ गर्भवती महिलाओं एवं युवतियों को संतुलित

आहार के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ उनके शरीर में कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन आदि की मात्रा को चेक करता है। लोगों को उचित खान-पान और शरीर में पनप रही बीमारी के संकेत पहचान के बारे में भी अवगत किया जाता है। सांसद कार्यालय के प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि संकल्प पत्र में किए गए वादे को पूरा करते हुए कुरुक्षेत्र व कैथल दोनों जिलों में मेडिकल वैन सेवाएं लगातार जारी हैं। जिनको अब लगभग एक वर्ष पूरा हो गया है। उधर, गांव में मेडिकल कैंप के साथ नवीन संकल्प शिविर भी लगाया गया। जिसमें यशस्वी योजना सहित सरकार की अन्य योजनाओं के लाभार्थियों तक सेवा पहुंचाई गई। इस मौके पर सरपंच आकाशदीप सिंह, सुखजोत सिंह, हरदेव सिंह, कश्मीर सिंह, अमनदीप सिंह, मेजर सिंह, अमरजीत सिंह, धर्म सिंह, गगन सिंह आदि मौजूद थे।

डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मदिन पर पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

घरौंडा, 7 जुलाई (नरेंद्र लाठर) : मधुबन मण्डल के कालरों शक्ति केंद्र के 109,110 बूथों पर भारतीय जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्मदिन उनके चित्र पर पुष्प अर्पित व पौधा रोपण कर मनाया गया। रविवार को गांव के शिव मंदिर व योगशाला में पौधारोपण किया गया जिसमें मुख्य रूप से मीडिया प्रभारी व शक्ति केंद्र प्रमुख संदीप लोहट, पूर्व पंच मेमपाल राणा, ब्लॉक समिति प्रतिनिधि अशोक राणा, वीरेंद्र कुमार, ठाकुर मामचंद, उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता संदीप लोहट ने डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मां भारती के सच्चे सपूत महान राष्ट्रवादी, शिक्षाविद एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक स्व. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मदिन पर सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा है कि बढ़ते प्रदूषण के दौर में पौधे लगाना जरूरी है। इसके

लिए जरूरी है कि हम अधिक से अधिक पौधों को लगाएं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से वायु प्रदूषण बढ़ रहा है जिससे ऑक्सीजन की कमी होती जा रही है। इसलिए कम से कम हमें अपने जीवन में एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरुओं ने संतों ने और भगवान ने भी प्रकृति की सुरक्षा करने का संदेश दिया है। आज इनके जन्मदिन पर पौधारोपण कर उनके जन्मदिन मनाना सही होगा। उन्होंने देश की आजादी के बाद एक राष्ट्रवादी राजनीतिक भारतीय जनसंघ की स्थापना 21 अक्टूबर 1951 को। उनका मानना था कि एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे इसी का विरोध करते हुए वो जम्मू कश्मीर में बिना अनुमति के चले गए वहां उनको गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया वहीं पर आज के दिन उनकी मौत हो गई थी। इस दिवस को भारतीय जनता पार्टी बलिदान दिवस के रूप में मनाती हैं। भारतीय जन संघ को छह अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी का नाम दिया गया। भाजपा ने अपने शुरुआती समय में मात्र 2 सांसदों के साथ संसद में प्रवेश किया था और आज यह विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है।

यह कार्यकर्ताओं के समर्पण और विचारधारा की ताकत का प्रमाण है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सोच भाजपा पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित अंत्योदय, सुशासन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, विकास और सुरक्षा के सिद्धांतों पर आगे बढ़ रही है और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में प्रमोद, सुखचैन, बबलू, राहुल, वीरेंद्र राणा, रविन्द्र, अशोक, राजकुमार पांचाल, कुलदीप, मेमपाल, कमल व अनुराग आदि उपस्थित रहे।

भाषा और कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाने में मदद कर सकती हैं ओसवाल बुक्स : मनिंदर कौर

ओसवाल बुक्स की ओर से करनाल में इनक्लूसिव अर्ली लर्निंग पर हुआ प्रेरणादायक सेशन आयोजित

करनाल, 7 जुलाई (संदीप रोहिला) : ओसवाल बुक्स ने इनक्लूसिव अर्ली लर्निंग की नई सोच पर एक इंटरएक्टिव सेशन का आयोजन किया। इस सेशन का नेतृत्व जानी-मानी साइकोलॉजिस्ट और स्पेशल एजुकेटर मनिंदर कौर ने किया, जो कई दशकों से उन बच्चों के साथ काम कर रही हैं जो पारंपरिक तरीकों से सीखना नहीं चाहते या नहीं कर पाते। इस आयोजन में 70 से अधिक माता-पिता और बच्चों ने हिस्सा लिया। सेशन में मनिंदर कौर ने यह बताया कि कैसे रोज़मर्रा की गतिविधियां- जैसे ब्रश करना, नहाना, कपड़े पहनना और खाना-बच्चों की भाषा और कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि जब हम इन कामों को समझदारी और प्यार से बच्चों के साथ करते हैं, तो ये छोटे-छोटे पल सीखने का अच्छा मौका बन सकते हैं। उनकी सोच- भाषा क्रिया में होती है ने ओसवाल बुक्स के लिल लीजेंड्स ब्रांड के साथ मिलकर एक खास इनक्लूसिव बुक सीरीज बनाने की प्रेरणा दी। इस इवेंट में लिल लीजेंड्स की नई इनक्लूसिव किताबों की सीरीज़ को भी लॉन्च किया गया, जो खासतौर पर उन बच्चों के लिए बनाई गई है जिनमें डेवलपमेंट की देरी है, या जिन्हें भाषा या सीखने में अलग तरह की

जरूरतें होती हैं- बिना उन्हें लेबल किए या पीछे महसूस कराए। उन्होंने बताया कि एवरीडे एक्शन वर्ड्स जो बच्चों की रोज़ की रूटीन को सीखने का मौका बनाती है, जैसे ब्रश करना, नहाना, पहनना आदि है। एवरीडे वर्ड्स, जो जरूरी शब्दों को रियल लाइफ सिचुएशनों और विजुअल्स के जरिए बच्चों को समझाने में मदद करती है। बुक्स ऑफ इमैजिनेशन जो धीरे-धीरे आगे बढ़ने वाली कहानियों, रिपिटिशन और खूबसूरत चित्रों के साथ बच्चों को सीखने में जोड़े रखती है, खासकर उन बच्चों को जो अलग सोचते हैं। मनिंदर कौर ने बताया कि यह सेशन सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि एक ऐसा मंच था जहां माता-पिता, शिक्षक और कंटेंट क्रिएटर्स एक साथ आए ताकि सभी बच्चों के लिए सामान और सम्मानजनक लर्निंग एक्सपीरियंस बनाए जा सकें। बातचीत के दौरान यह साफ हुआ कि अब समाज में इनक्लूसिव और समझदारी भरे लर्निंग तरीकों की जरूरत को समझा जा रहा है। मनिंदर कौर ने कहा कि भाषा क्रिया में होती है। जब हम बच्चों को उनके रोज के अनुभवों में समझते हैं, तभी असली और आनंददायक लर्निंग होती है। उन्होंने यह भी कहा कि अच्छा सीखना सहानुभूति, ऑब्जर्वेशन और धैर्य पर आधारित होता है।

गौशाला में पौधा रोपण कार्यक्रम की शुरुआत शहर थाना प्रभात सदानंद शर्मा ने की

हांसी, 7 जुलाई (मनमोहन शर्मा) : भाईचारा क्रांतिकारी सेवा समिति द्वारा सोमवार को देवशयनी एकादशी के अवसर पर श्री हरियाणा गौशाला हांसी के प्रांगण में शुगर फ्री व अन्य औषधीय पौधे लगाकर पौधा रोपण अभियान चलाया गया, हासी सिटी थाना प्रभारी सदानंद द्वारा अपने हाथों से पौधा लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत की।

थाना शहर प्रभारी सदानंद ने कहा कि पूरे शहर को पौधे लगाकर हरा भरा बनाएंगे व प्रत्येक घर में हर सदस्य को अपने जीवन में काम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उन्होंने गौ माता व उनकी सेवा के महत्व पर भी प्रकाश डाला, समिति प्रधान देवेंद्र मेहता ने बताया कि शहर के सामाजिक, व्यापारिक संगठनों के सहयोग से आज का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और मेहता ने समिति की तरफ से आए हुए सभी महानुभावों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर पंडित कमल किशोर शास्त्री ने दिन देवशयनी एकादशी के महत्व से सभी को अवगत करवाया। इस अवसर पर सर्व व्यापार मंडल के प्रधान बजरंग बंसल, हरियाणा गौशाला के सदस्य मिथुन बंसल, समाजसेवी मोनू जिंदल, आर्य समाज प्रधान सतपाल मलिक, सब्जी मंडी के प्रधान अनिल चावला, पूर्व प्रधान नरेश रखेजा, लायंस क्लब प्रधान दीपक मित्तल, रमेश मेहता, नरेश मेहता, केएल ग्रोवर, बलवंत मोठिया, शाम मल्होत्रा, प्रवीन मेहता, डॉक्टर रमेश, जोगिंदर सिंह, मोहित ठकराल, सचिन छाबरा, सोनू अरोड़ा व प्रवीण जांगड़ा सहित काफी संख्या गणमान्य उपस्थित रहे।

जरूरतमंद कन्याओं की शादी करना सबसे बड़ा धर्म है, जिससे देवी-देवता प्रसन्न होते है : बजरंग गर्ग

हिसार, 7 जुलाई (महेंद्र गोयल) : कनुप्रिया फाऊंडेशन ट्रस्ट ने न्यूटीले ग्रुप आफ कम्पनी के सहयोग से गौशाला रावलवास हिसार में 5 जरूरतमंद कन्याओं का सामूहिक विवाह का आयोजन किया। जिसमें जरूरतमंद कन्याओं को एक लाख रुपए का घरेलु समान साथ में दिया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने वर-वधू को आशीर्वाद देते हुए कहा कि जरूरतमंद कन्याओं की शादी करना सबसे बड़ा धर्म है। जिससे देवी-देवता प्रसन्न होते है। बजरंग गर्ग ने कहा कि आज की महंगाई में गरीब व्यक्ति अपने बच्चों की शादी का खर्च उठाने में असमर्थ है। सामूहिक युवक-युवतियों की शादियों से एक ही मंच पर शादी होने से फिजूल खर्च पर अंकुश लगता है और जरूरतमंद युवक-युवतियों की अच्छे ढंग से हिन्दू रीति-रिवाज से शादियां हो जाती है। सामूहिक विवाह होने के कारण युवक-युवतियों के परिवार की चिन्ता कम हो जाती है कि बच्चे

बड़े होने से उनकी शादी कैसे होगी। श्री गर्ग ने जनता से अपील की है कि संस्थाएं आपकी है जहां भी जरूरतमंद कन्याओं की शादी होती है वहां पर अपने बच्चों की शादी की रजिस्ट्रेशन करवाएं ताकि बच्चों की समय पर अच्छे ढंग से शादी हो सकें। बजरंग गर्ग ने कहा कि नवम्बर महीने में अग्रवाल समाज द्वारा जरूरतमंद कन्याओं का भव्य सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा। बजरंग गर्ग ने संस्था के संरक्षक जगदीश अग्रवाल व मुख्य संयोजक नवीन अग्रवाल ने शादी में प्रत्येक कन्याओं का 3 लाख रुपए का बिमा साथ में देने की योजना का प्रसन्ना की। इस अवसर पर जगदीश अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, पारुल अग्रवाल, महेश शर्मा, वेद प्रकाश,यथार्थ अग्रवाल, अग्रवाल संगठन प्रधान अनिल सिंगला, प्रदेश सह सचिव निरंजन गोयल, अनाज मण्डी एसोसिएशन के जिला प्रधान पवन गर्ग भजनलाल बंसल, विनोद अग्रवाल आदि प्रमुख समाजसेवियों ने भाग लिया।

अनेक संस्थाओं से जुड़े समाजसेवी जी.सी.नारंग ईश्वरीय ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित

हिसार, 7 जुलाई (महेंद्र गोयल) : सेक्टर 14 निवासी व्यवसायी एवं सोशल कार्यकर्ता जी.सी. नारंग को ईश्वरीय ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय द्वारा बालसमंद रोड स्थित पीस पैलेस में आयोजित भव्य आयोजन में स्मृति चिन्ह, पटका और बैज लगा कर सम्मानित किया गया। शहर से काफी संख्या में संस्थाओ के प्रमुख व प्रतिनिधि उपस्थित थे, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर समाज के उत्थान और भलाई का कार्य किया।

जी.सी.नारंग का कहना है यह सम्मान आने वाली पीढियों के लिए प्रेरणा है कि वह भी इस तरह के कार्य करके भारत को स्वर्णिम बनाने में ईश्वरीय ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय के मिशन में अपना योगदान दें। नारंग पिछले काफी सालों से ब्लड डोनर सोसाइटीज व रेडक्रास सोसाइटी के माध्यम से काफी ब्लड कैम्प व जरुरत मंदों का मुफ्त इलाज करवाने में सहयोग करते रहते हैं।

इसके अलावा पर्यावरण शुद्धि के लिए गणेश प्रभात मंडल व बोद्ध धम्म भूमि के सहयोग से काफी संख्या में पेड़ पौधे लगाकर उनकी देखरेख का कार्य भी कर रहे हैं। उनका मानना है कि गरीब व झुग्गी झोपड़ी वालों को भीख ना देकर उनको शिक्षित करने में उन्हें मुफ्त किताबें, कॉपी व अन्य पढ़ाई का सामान देकर शिक्षा के लिए प्रेरित करें ताकि वह पढ़ लिखकर अच्छे इंसान बन सकें। नारंग ने इस सफलतापूर्वक आयोजन के लिए ब्रह्मा कुमारीज के सभी निष्ठावान कार्यकर्ताओं व सभी आयोजकों को बधाई देते हुए शहर के समाजसेवियों को सम्मानित करने पर आभार प्रकट किया है।

अनुसूचित जाति के बेरोजगारों के आर्थिक उत्थान के लिए मत्स्य पालन विभाग द्वारा दिया जा रहा है विशेष अनुदान-उपायुक्त सुशील सारवान

सोनीपत, 7 जुलाई (विनोद) : उपायुक्त सुशील सारवान ने बताया कि मत्स्य पालन विभाग द्वारा अनुसूचित जाति के लोगों के लिए वेलफेयर ऑफ शैड्यूल कास्ट फैमिली अंडर फिशरीज सेक्टर स्पेशल कॉम्पोनेंट योजना के अंतर्गत अनुदान के रूप मे वित्तीय सहायता दी जा रही है। इसमें अनुसूचित जाति के व्यक्ति को मछली पालन के लिए पंचायती तालाब पट्ट्टे पर लेने के लिये प्रथम वर्ष पट्टा राशि पर पचास हजार रुपये प्रति हैक्टेयर अथवा पट्टे की वास्तविक राशि का 50 प्रतिशत का अनुदान प्रदान किया जाता है। वहीं द्वितीय एवं आगामी वर्षों की पट्टा राशि पर 40 प्रतिशत या अधिकतम 40,000 /- रूपये प्रति हैक्टेयर अधिसूचित पानियों में से मछली पकडने के लिये ठेकेदारों को स्वीकृत बोली का 50 प्रतिशत अथवा 5,00,000/- रू0 अधिकतम सीमा तक रेहड़ी (स्टोव / गैस, चूल्हा, बर्तन आदि सहित) पर 60,000/- रूपये की रेहड़ी खरीद पर 60 प्रतिशत या अधिकतम राशि 36,000/- रूपये प्रति लाभार्थी, खाद-खुराक पर कुल लागत रूपये 1,50,000/हैक्टेयर का 60 प्रतिशत या धनराशि 90,000/ - हैक्टेयर जो भी कम हो, मछली पालन हेतू 40,000/-रू के जाल खरीद पर 60 प्रतिशत या धनराशि 24,000/- रूपये का प्रति लाभार्थी, जो भी कम हो, अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन्टसिंव स्कीम के अंतर्गत विभाग द्वारा तालाब सुधार, खाद-खुराक, रेहड़ी व जाल खरीदने के साथ-साथ मत्स्य पालन के लिए सोलर सिस्टम लगाने पर 40 से 60 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। राज्य स्तर पर मत्स्य पालन विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत मत्स्य पालन की विभिन्न गतिविधियों पर मत्स्य पालकों को अनुदान दिया जा रहा है। इस योजना के तहत मीठे पानी के मत्स्य पालन के लिए नया तालाब बनाने व खाद-खुराक पर अधिकतम खर्च 11 लाख, खारे पानी मछली पालन के लिए नया तालाब बनाने व खाद-खुराक पर अधिकतम खर्च 14 लाख पर 40 प्रतिशत सामान्य वर्ग व 60 प्रतिशत अनुसूचित जाति व महिलाओं के लिए अनुदान दिया जा रहा है। उपायुक्त ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना की अन्य गतिविधियां जैसे कॉल्ड स्टोर, फिड मील, रेफ्रिजेरेटेड व्हीकल मोटर साईकिल व आईस बॉक्स, साईकिल व आईस बॉक्स बायोफ्लोक व आरएएस इकाई की स्थापना इत्यादि पर भी 40 प्रतिशत सामान्य वर्ग व 60 प्रतिशत अनुसूचित जाति व महिलाओं के लिए अनुदान की व्यवस्था की गई है। मत्स्य पालक भली प्रकार मछली पालन का कार्य कर सके इसके लिये विभाग द्वारा मत्स्य पालन का प्रशिक्षण दिया जाता है। राज्य की स्कीम अनुसार लाभार्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष हरियाणा राज्य का स्थाई निवासी, बेरोजगार व सरकारी संस्था से मत्स्य पालन में प्रशिक्षित होना अनिवार्य है। किसी भी मद मे लाभ प्राप्ति हेतु आवेदन सरल पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि मत्स्य पालन विभाग द्वारा जिला स्तर पर समय-समय पर जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मत्स्य विभाग की अधिक से अधिक स्कीमों का प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। मत्स्य पालन से जुड़ी किसी भी योजना के विषय में अधिक जानकारी व अपना प्रार्थना पत्र देने के लिए जिला मत्स्य अधिकारी कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

जिले में एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान का शुभारंभ, सभी विभागों को पौधारोपण के निर्देश

हिसार, 7 जुलाई (महेंद्र गोयल) : लघु सचिवालय परिसर स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंस सभागार में एक पेड़ मां के नाम 2.0 पौधारोपण अभियान के क्रियान्वयन को लेकर जिला पौधारोपण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त सी जयाश्रद्धा द्वारा की गई, जिसमें समिति के सभी सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि मानसून सीजन प्रारंभ हो चुका है, ऐसे में अधिक से अधिक पौधारोपण कर अभियान को सफल बनाया जाए। उन्होंने कहा कि स्कूलों, पंचायतों और कार्यालय परिसरों में खाली पड़ी भूमि पर पौधारोपण किया जाए और पौधों के बचाव एवं देखभाल पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को भी पौधारोपण हेतु प्रेरित करें तथा विद्यार्थियों को भी पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से इस मुहिम से जोड़ा जाए। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए गए कि वे पौधारोपण की फोटोग्राफ्स मेरीलाइफपोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें बैठक में बरवाला एसडीएम डॉ वेद प्रकाश बेनीवाल, जिला वन अधिकारी एवं समिति के सदस्य सचिव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक रामकुमार कश्यप ने सिंचाई विभाग के विश्राम गृह में सुनी जन समस्याएं, अधिकारियों को जल्द समाधान के दिए निर्देश

इन्द्री, 7 जुलाई (बिशपाल राणा) : विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने सोमवार को सिंचाई विभाग के विश्राम गृह में जनता दरबार आयोजित कर हलके के लोगों की समस्याएं सुनी।

जनता दरबार में आई अधिकतर समस्याओं एवं शिकायतों का मौके पर ही निवारण कर दिया गया और प्रशासन से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जनता दरबार में हलके की जनता से शिष्टाचार मुलाकात कर प्रसन्नता जाहिर की।विधायक ने जनता दरबार में प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे निर्माणाधीन विकास कार्यों को तेज गति से पूरा करवाए ताकि जनता को अधिक से अधिक सुविधाएं मुहैया करवाई जा सकें। उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि जल्द ही करोड़ों रूपये की लागत से हलके की 42 सड़कों का नव निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। इन सडक़ों के पूर्ण होने से हलके के लोगों को काफी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि हलके के किसी भी गांव में विकास कार्य हैं, उसकी सूची उन्हें दें ताकि उन विकास कार्य को पूरा करवाया जा सकें। विकास कार्य करवाने में सरकार के साथ जनता का सहयोग बहुत जरूरी है। विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने जनता दरबार में आए लोगों को कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं को लाभ अवश्य लें, ये जनकल्याणकारी योजनाएं जनता के लिए चलाई जा रही है ।उनका भी हमेशा यही ध्येय रहा है कि अपने स्तर पर जनता की समस्याओं का समाधान करवा सकूं और हलके के विकास के लिए हर संभव प्रयास करता रहूं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा कई जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई है जिनका सीधा लाभ प्रदेश के हर वर्ग को मिल रहा है।

इस मौके पर विभिन्न विभागों के अधिकारीगण, भाजपा के वरिष्ठ नेतागण, कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न गांवों से आए गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

युवा पीढ़ी को खेलों से जोड़कर नशे से दूर कर रही है हांसी पुलिस

हांसी, 7 जुलाई (मनमोहन शर्मा) : पुलिस अधीक्षक हांसी अमित यशवर्धन, भा.पु.से. के दिशा-निर्देशानुसार नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत हांसी पुलिस द्वारा गांव बडाला में सर्कल कब्बड्डी के मैचो का आयोजन कर युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित कर, उन्हें नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने के प्रति जागरुक किया। पुलिस नशा मुक्ति टीम के प्रभारी एएसआई दीपक कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में सिसर, बडाला व खरबला की टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबला में गांव सिसर और खरबला टीमों के बीच हुआ। बेहद रोमांचक मुकाबले में खरबला की टीम ने 19-16 से जीत हासिल कर खिताब अपने नाम किया। नशा मुक्ति टीम प्रभारी एएसआई दीपक कुमार ने प्रतियोगिता के दौरान ग्रामीणों, युवाओं और खिलाड़ियों को नशे के दुष्परिणामों, यातायात नियमों, और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। नाबालिगों को वाहन न चलाने के लिए प्रेरित किया। नशा बेचने वालों के खिलाफ सूचना देने हेतु लोगों को प्रोत्साहित किया। अंत में सभी युवाओं ने नशे के खिलाफ जागरूक रहने और समाज को जागरूक करने की शपथ ली। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता टीम को हांसी पुलिस द्वारा आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया और सभी खिलाड़ियों को रिफ्रेशमेंट भी प्रदान की गई।

चार दिन पहले अराईयावाला के जंगल से कटे 9 पेड़, गुप्त सूचना के आधार पर वन विभाग के कर्मचारियों ने पकड़ा

जगाधरी, 7 जुलाई (रोहतास कुमार) : चार दिन पहले अराईयावाला के जंगल से कटे 9 पेड़ खेर की लकड़ी को गुप्त सूचना के आधार पर वन विभाग के कर्मचारियों ने पकड़ने में सफलता हासिल की है। वन विभाग के कर्मचारियों ने लकड़ी सहित एक टाटा पिकअप को पकड़कर कब्जे में लेकर रेंज कार्यालय कालेश्वर में खड़ा करवा दिया है और केस बनाकर कोर्ट में दाखिल कर दिया है। जानकारी देते हुए वन विभाग

कालेश्वर रेंज के वनरक्षक संदीप और टेकचंद ने बताया कि उनको सूचना मिली थी कि चार दिन पहले अराईयावाला के पश्चिमी यमुनानगर के किनारे से कटे खेर के पेड़ों को नागल पट्टी से एक टाटा पिकअप में लोड करके बाजार में बेचने के लिए लेकर जाया जाएगा। सूचना के आधार पर वन विभाग के कर्मचारियों ने टीम बनाकर प्रताप नगर में नाकाबंदी शुरू कर दी। बीती रात लगभग 2 बजे ताजेवाला की ओर से आ रहे एक टेंपो को प्रताप नगर में रुकने का इशारा किया गया लेकिन टेंपो चालक ने वाहन को तेज गति से भगाकर किशनपुरा की ओर ले गया और किशनपुरा नाके के पास टेंपो को बैरियल के पास छोड़कर फरार हो गया। उन्होंने बताया कि भागते समय आरोपी की पहचान आसिफ निवासी छछरौली के रूप में हुई और खैर से लदे टेंपो को कलेसर के रेंज कार्यालय में खड़ा करवाया गया जहां जांच पड़ताल के दौरान टेंपो से खैर के पेड़ के लगभग 54 पीस बरामद हुए जिनका वजन लगभग 20 क्विंटल आंका गया जिनकी बाजार में कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है। वन विभाग के कर्मचारियों ने खैर सहित टेंपो का अपने कब्जे में लेकर केस कोर्ट में दाखिल कर दिया है।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत भैंसवाल कलां में किया गया पौधारोपण

सोनीपत, 7 जुलाई (विनोद) : एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के तहत गोहाना उपमंडल के गांव भैंसवाल कलां के प्राथमिक कृषि सहकारी समिति द्वारा पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्राथमिक कृषि सहकारी समिति के सहायक रजिस्ट्रार प्रशांत कुमार ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार है, पेड़ पौधो के बिना मानव जीवन का कोई अस्तित्व नही है। उन्होंने कहा कि वृक्ष कार्बनडाई आक्साइड को वातावरण से लेकर हमें आक्सीजन प्रदान करते हैं व धरती पर बढ रहे गलोबल वार्मिग से बढते तापमान को नियंत्रित कर संतुलन बनाए रखने में सहायक होते है। उन्होंने बताया कि वृक्ष भूमि कटाव होने से भी रोकते हैं व इसके साथ हरियाली भी नजर आती है। पेड़ो से राहगीरों को गर्मी में ठंडी छाया और शुद्ध हवा मिलती है। उन्होंने लोगों को आह्वान किया कि वे भी इस बरसाती सीजन में ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करें ताकि हमारा पर्यावरण हरा भरा हो सके। इस अवसर पर राज सिंह पैक्स प्रबंधक, मनदीप निरीक्षक, व सोनीपत केन्द्रीय सहकारी बैंक के अधिकारी व कर्मचारी अधिकारी मौजूद रहे।

राजेंद्र सिंगला बने सनशाइन योगा ग्रुप सेक्टर 14 के नये प्रधान

हिसार, 7 जुलाई (महेंद्र गोयल) : सनशाइन योगा ग्रुप, हिसार द्वारा सुभाष पार्क, सेक्टर 14 में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया। नई कार्यकारिणी में प्रधान राजेंद्र सिंगला, संरक्षक नरेंद्र जैन और भूषण झांब, उप प्रधान धर्मेंद्र मलिक, सचिव अमित बंसल, सह सचिव रॉबिन पाहुजा, कोषाध्यक्ष पवन सिंगला, सह कोषाध्यक्ष प्रवीन बंसल, एग्जिक्यूटिव मेंबर अनिल मित्तल, जितेंद्र जांगड़ा और नरेश आहूजा को मनोनीत किया गया। बैठक में ईश झांब, वीरेंद्र कक्कड़, विक्रम बंसल, मदन लाल गिरधर, आशीष मेहता, पारुल आहूजा, जगदीश वर्मा, सुरेश बंसल, बलवंत डालमिया, वेद गिरधर, ऋषभ डालमिया, संजय गर्ग, नवीन तनेजा और राकेश मौजूद थे।

ग्रुप के सचिव अमित बंसल ने पिछले साल के ग्रुप के कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया और कोषाध्यक्ष पवन सिंगला ने पिछले साल का बजट पेश किया। सनशाइन योगा ग्रुप के प्रधान राजेंद्र सिंगला व नरेंद्र जैन ने बताया कि हमारा ग्रुप साल के 365 दिन सुबह 6 बजे से 8 बजे तक सुभाष पार्क, सेक्टर 14 में योग सत्र आयोजित करता है और सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रुप से भाग लेता है। नए वर्ष में भी समाज के लिए योग और स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

शाहाबाद मारकण्डा, 7 जुलाई (रूबी) : पवित्र श्री अमरनाथ यात्रा के लिए सोमवार को श्रद्धालुओं का पहला जत्था प्रदीप कुकडेजा व सुरेंद्र वधवा के नेतृत्व में श्री मारकंडेश्वर मंदिर से रवाना हुआ। प्रदीप कुकडेजा ने बताया कि इस जत्थे में से कुछ श्रद्धालु श्री जन शक्ति सेवा मंडल करनाल की ओर से बालटाल में लगाए जा रहे लंगर में सेवा करेंगें। प्रदीप ने कहा कि बाबा भोले बर्फानी भूखे को अन्न व प्यासे को पानी देते है।

उन्होंने कहा कि वह पिछले 15 वर्षों से लगातार अमरनाथ यात्रा के लिए जा रहे है। सुरेंद्र वधवा ने कहा कि श्री अमरनाथ यात्रा के लिए युवाओं का उत्साह देखते ही बनता है उन्होने कहा कि हमें अपने बच्चों में भक्ति व देशप्रेम के संस्कार बचपन से ही डालने चाहिए। वधवा ने इस यात्रा को बिना डरे कर पाने के लिए भारतीय सेवा को भी सलाम किया। इस अवसर पर गौरव अरोड़ा, नमन, राजकुमार, मूलचंद, दीपक पोपली, प्रीतम, नीरज यादव, प्रवीण कुमार, विधु भाटिया, सोनू छाबड़ा, हैप्पी, मयंक शर्मा, सुगम, रिन्कू आदि उपस्थित थे।

समाधान शिविर का उद्देश्य जन समस्याओं का तुरन्त और प्रभावी समाधान करना : एसडीएम असंध

असंध, 7 जुलाई (दलसिह मान) : एसडीएम असंध राहुल (आईएएस) ने बताया कि हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार उपमंडल अधिकारी कार्यालय (ना.), असंध में प्रत्येक सोमवार और बृहस्पतिवार को प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान उपमंडल के सभी अधिकारी मौजूद रहते हैं तथा समाधान शिविर में बिजली, पानी, परिवार पहचान पत्र, बुढ़ापा पेंशन एवं अन्य संबंधित शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया जाता है। उन्होने

बताया कि सभी नागरिक प्रत्येक सोमवार और बृहस्पतिवार को एसडीएम कार्यालय में सुबह 10 बजे से 12 बजे आयोजित समाधान शिविर में अपनी समस्याओं का समाधान करवा सकते हैं। उन्होंने असंध उपमंडल के समस्त आमजन को संदेश देते हुए कहा कि सभी नागरिक अपनी संबंधित समस्याओं को लेकर उपमंडल कार्यालय में उक्त दिवस को समाधान शिविर में जरूर पहुंचे।

नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसके द्वारा आमजन की समस्याओं का निवारण हो रहा है। इस शिविर का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना है। इन शिविरों में पुलिस, राजस्व, नगर निकाय, समाज कल्याण आदि जनकल्याण की योजनाएं लागू करने वाले विभागों के अधिकारी एवं अन्य उपमंडल अधिकारी एक साथ मौजूद रहते हैं और लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाता है। उन्होंने बताया कि सभी नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता है। आमजन की सभी संबंधित समस्याओं का त्वरित निवारण किया जाएगा। उपमंडल प्रशासन असंध की प्राथमिकता आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करना है।

9 जुलाई को होने वाली राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल को सफल बनाने के लिए हमारी यूनियन इस हड़ताल में पूरी ताकत से शामिल : कामरेड सत्यनारायण भाटोल

हांसी, 7 जुलाई (मनमोहन शर्मा) : भवन निर्माण कारीगर मजदूर यूनियन संबंधित ऑल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर के जिला प्रधान सत्यनारायण भाटोल ने कहा कि केंद्रीय ट्रेड यूनियनों व कर्मचारी संगठनों के साझा आह्वान पर 9 जुलाई को होने वाली राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल को सफल बनाने के लिए हमारी यूनियन इस हड़ताल में पूरी ताकत से शामिल होगी। 9 जुलाई को यूनियन के सभी सदस्य हड़ताल पर रहकर जिला स्तर पर होने वाले धरना-प्रदर्शन व जुलूसों में बढ़ चढ़कर शामिल होंगे। विदित रहे भाजपा सरकार लगातार पूंजीपति परस्त नीतियों को लागू कर रही है। संघर्षो से हासिल श्रम कानूनों को बदलकर कर 4 लेबर कोड लाना, 8 घंटे कार्य दिवस को 10 से 12 घंटे करना, सरकारी संस्थाओं को निजी हाथों में देना, पुरानी पेंशन स्कीम बहाल ना करना जैसे अनेक श्रमिक, कर्मचारी विरोधी नीतियाँ लागू कर रही है। हरियाणा सरकार भी निर्माण श्रमिकों के पंजीकरण व हितलाभ देने को कठिन शर्तो की भेंट चढ़ा चुकी है और इसमें भ्रष्टाचार चरम पर है। कार्य स्लिप पर यूनियनों द्वारा की जाने वाली तसदीक को समाप्त करना, मजदूरों के लिए सारा साल काम का इन्तजाम ना करना, किए गए काम की मजदूरी मारे जाने पर उसके भुगतान का कोई प्रशासनिक ढांचा खड़ा नहीं करना, ब्लॉक स्तर पर पंजीकरण के कार्यालय न खोलना जैसी अनेक समस्याएं हैं जिनको लेकर निर्माण श्रमिक दर-दर की ठोकर खा रहे हैं। भाटोल ने आगे बताया कि 9 जुलाई को राष्ट्रीय हड़ताल वाले दिन हमारी यूनियन के सभी सदस्य व कारीगर, मजदूर-मिस्त्री आदि अपना काम बंद रखेंगे और जिला स्तर पर अपना विरोध दर्ज कराएंगे।

पद्म पुरुस्कारों के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदन : डीसी प्रीति

कैथल, 7 जुलाई (प्रवेश बहादुर) : डीसी प्रीति ने बताया कि गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरुस्कारों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पात्र व्यक्ति आगामी 31 जुलाई, 2025 तक नामांकन भर सकते हैं। इन पुरस्कारों में पद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्मश्री पुरस्कार शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि इन राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए नामांकन अथवा अनुशंसा केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल अवाड.र्जीओवी.इन पर ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएंगी। नामांकन करने वाले व्यक्ति अधिकतम 800 शब्द का एक व्याख्यात्मक प्रशस्ति-पत्र जिसमें अनुशंसित व्यक्ति की संबंधित क्षेत्र/विषय में विशिष्ट और अन्य उपलब्धियों/सेवाओं का स्पष्ट उल्लेख किया गया हो, प्रस्तुत करें। उन्होंने बताया कि कि पद्म पुरस्कार, अर्थात् पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री, देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से हैं। वर्ष 1954 में स्थापित इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। यह पुरस्कार कला, साहित्य और शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सार्वजनिक कार्य, नागरिक सेवाओं, व्यापार और उद्योग जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवाओं के लिए उत्कृष्ट-कार्य को मान्यता प्रदान करने के लिए प्रदान किए जाते हैं। जाति, व्यवसाय, पद या लैंगिक भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। डॉक्टर और वैज्ञानिकों को छोड़कर सार्वजनिक उपक्रमों में काम करने वाले सरकारी कर्मचारी पद्म पुरस्कार के लिए पात्र नहीं हैं। इस संबंध में और अधिक विवरण वेबसाइट पदमा अवाड.र्जीओवी.इन पर उपलब्ध है।

पत्रकार रोहित लामसर की माताजी की रस्म क्रिया एवं प्रार्थना सभा 16 जुलाई को

गणमान्य लोगों, समाजसेवियों, पार्षदों ने निवास पर पहुंचकर परिवार को दी सांत्वना

करनाल, 7 जुलाई (संदीप रोहिला) : शहर की कई सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार रोहित लामसर की माता कमला रानी अपनी सांसारिक यात्रा पूरी कर प्रभु चरणों में लीन हो गई हैं। उनकी आत्मिक शन्ति के लिए प्रार्थना सभा एवं रस्म क्रिया 16 जुलाई बुधवार को तरावड़ी शहर के नगर खेड़े के पास शिव शक्ति सत्संग भवन में दोपहर 1 से 2 बजे तक होगी। उनके निधन पर विधायक भगवानदास कबीरपंथी, राजीव नारंग, जयभगवान सीकरी, डा. एन.पी सिंह, राकेश गर्ग, प्रवीण गुप्ता, अनिल नम्बरदार, एसएमएस स्कूल के निर्देशक गुरशरण ग्रेवाल, सिरी गुरु तेग बहादुर स्कूल से सर्वजीत कौर, हनुमान समिति के

संरक्षक बालकृष्ण त्रिपाठी, मॉडल स्कूल के प्रिंसिपल नवीन, मास्टर मुनीष शर्मा, प्रिंसिपल विवेक बैनीवाल, शिक्षक गुरजिंदर, मास्टर अमन शर्मा, वीरेंद्र जांगड़ा, राजकुमार खुराना, मनोज वधवा, शिव बजाज, विजय गुलाटी, आजाद, पत्रकार कदम, अमरजीत धीमान, सरपँच मुकेश सिद्धपुर, गणेश खन्ना, पार्षद कमल जांगड़ा, राजपाल जांगड़ा, भूपेंद्र सिंह लाडी, दिग्विजय झंझाड़ी, रजनीश शामगढ़, ईश्वर कश्यप, संदीप कटारिया, पंकज ठाकुर, पत्रकार मुलखराज आहूजा, पत्रकार मैनपाल, समाजसेवी नरेश शर्मा, राहुल शर्मा, सुभाष सचदेवा, जीत कश्यप, प्रदीप कश्यप, पंडित सोमदत्त शर्मा, भीम सिंह, सुदामा शर्मा ने वार्ड नम्बर 5 रविदास मंदिर के पास स्थित उनके आवास पर पहुँचकर शोक जताया ओर परिवार को सांत्वना दी। इसके अलावा भाजपा मंडल तरावड़ी, राइस मिलर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन, श्री हनुमान सेवा समिति, भारत विकास परिषद शाखा तरावड़ी, भाजपा मंडल नीलोखेड़ी, तरावड़ी पत्रकार एकता मंच, आढ़ती एसोसिएशन तरावड़ी, भारत विकास परिषद शाखा पड़वाला, हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल, रेल यात्री वेल्फेयर एसोसिएशन, श्री सनातन धर्म सभा, शिव शक्ति संकीर्तन मंडल, जय भारत युवा मंडल, गारमेंट एसोसिएशन तरावड़ी, राहगीरी टीम तरावड़ी, लक्ष्य जनहित सोसाइटी, व्यापार मंडल तरावड़ी के अलावा शहर की कई धार्मिक सामाजिक और राजनीतिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने शोक जताते हुए ढांढस बंधाया।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति जागरूकता 12 जुलाई तक हेल्प डेस्क लगेंगे

सोनीपत, 7 जुलाई (विनोद) : मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएलएसए) के सचिव प्रचेता सिंह ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष वाणी गोपाल शर्मा के नेतृत्व में 12 जुलाई 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तर के अलावा गोहाना, गन्नौर खरखौदा न्यायिक परिसर में आपसी सहमति से केसों का निपटारा किया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति जागरूकता के लिए 7 से 11 जुलाई तक हेल्प डेस्ट लगाए जाएंगे। जिला कोर्ट परिसर सोनीपत, बस स्टैंड सोनीपत, सिविल हॉस्पिटल सोनीपत व रेलवे स्टेशन सोनीपत में राजकबंर व साजानों पैरा लीगल वालेंटियर के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति जागरूकता के लिए हेल्प डैक्स लगाए जाएंगे। ताकि आम जन भी राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठा सके।

मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालय में लंबित फौजदारी समाधेय, चेक बाउंस केस (धारा 138 एक्ट के मामले), बिजली और पानी के बिल

मामले, अन्य दीवानी मामले, ट्रैफिक चालान, मोटर व्हीकल दुर्घटनाग्रस्त मामलों समेत अन्य विभिन्न लंबित वर्गों के मामलों का निपटारा किया जायेगा। इसलिए जिन व्यक्तियों के केस न्यायालय में लंबित है वे संबंधित न्यायालय में जाकर अपने केसों को प्री लोक अदालत या 12 जुलाई 2025 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में लगवाकर उनका निपटारा करवाएं और ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। लोक अदालत के विषय में अधिक जानकारी व किसी भी अन्य सहायता के लिए, जिला एडीआर सेंटर जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण जिला न्यायालय परिसर सोनीपत या हेल्पलाइन नंबर 0130-2220057 पर या नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 पर संपर्क किया जा सकता है।

कतलाहेड़ी में पर्यावरण संरक्षण के लिए लगाए पौधे

चिड़ाव, 7 जुलाई (प्रवीन कुमार) : कतलाहेड़ी गांव में पौधरोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की अगुवाई विकास कुमार भोला ने की। इस अभियान के तहत गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मंदिर परिसर, शमशान घाट, पंचायत भवन सहित कई सार्वजनिक स्थानों पर पौधारोपण किया गया। विकास कुमार ने बताया कि पर्यावरण को बचाए रखना हम सब का परम कर्तव्य है। प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण करना चाहिए और उनकी

देखभाल करनी चाहिए। उनका कहना कि अपने जीवन में 1 लाख पौधे लगाना उनका लक्ष्य है। इसके लिए वो सदैव प्रयासरत रहते हैं और दूसरों को भी पौधारोपण के लिए प्रेरित करते रहना भी उनकी दिनचर्या में शामिल है। उन्होंने बताया कि बढ़ते पर्यावरण प्रदुषण के चलते हमारा जीवन अस्त-व्यस्त होता जा रहा है।

ऐसे में पौधारोपण जैसे अभियान को युद्धस्तर पर चलाना अनिवार्य हो गया है। यदि समय रहते हम नहीं जागे तो आने वाले समय में पर्यावरण प्रदुषण की समस्या गंभीर हो जाएगी जिसके भयंकर परिणाम सामने आएंगे। इस अवसर पर अभिमंयु राणा, सुनील कुमार, संदीप पांचाल, राजेश कादियाना, संदीप कारी, वेद प्रकाश, रामनिवास ग्रोवर, सुनील कादियान विशेष तौर पर उपस्थित थे।

सरकारी अस्पताल में दस दिन के अंतराल में चोरी की दो घटनाएं-एक चोर काबू

नीलोखेड़ी, 7 जुलाई (सुरेश कुमार मिड्ढा) : सरकारी अस्पताल से चोर एक सी पी यू और माऊस चुरा कर ले गए हैं। पुलिस ने तुरंत कार्यवाही करते हुए एक चोर को काबू में कर लिया है और चोरी का सामान बरामद कर लिया है सरकारी अस्पताल में चोरी की यह दूसरी वारदात है। करीब दस दिन पहले भी अस्पताल से चोर कंप्यूटर का सामान उठा कर ले गए थे। पुलिस 26 जून को हुई चोरी के लिए चोर से पूछताछ कर रही है। अस्पताल में हुई चोरी की दोनों घटनाओं में काफी समानता है। एक्स-रे रूम में रेडियोलोजी आफीसर रिशी शर्मा किसी काम के सिलसिले में एमरजेंसी रूम में गए थे। पांच मिनट के बाद जब वह वापस आए तो एक्स-रे रूम से सीपीयू और कंप्यूटर का माऊस गायब था। चोरी की इस घटना से एक्स-रे करने का काम ठप्प हो गया है। राधेश्याम ने बताया कि उसकी उंगलियां का एक्स-रे नहीं हो सका है। मजबूरी में उसे बाहर से एक्स-रे करवाना पड़ा है। 26 जून को भी चोरों ने सरकारी अस्पताल में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। चोर रूम नं 7 से शाम के समय की बोर्ड,माऊस और हाजरी लगाने वाली बायोमेट्रिक मशीन उठा कर ले गए थे। अस्पताल में बायोमेट्रिक मशीन न होने की वजह से कर्मचारियों की अटेंडेंस नहीं लग पा रही। चौकी इंचार्ज संदीप कुमार का कहना है कि चोर से चोरी का सामान बरामद कर लिया गया है और पूछताछ जारी है।

सीवन में दलित महिला से हालचाल पूछने पहुंचे रिपब्लिक पार्टी ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष

कैथल, 7 जुलाई (प्रवेश बहादुर) : सीवन में दलित महिला से पुलिस की बरबता मामले में पहुंचे रिपब्लिक पार्टी ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष रवि कुंडली ने पीड़ित महिला से मुलाकात की और उसका हाल चाल जाना उन्होंने कहा है कि परिजनों को आर्थिक सहायता उपलब्धि करवाई जाए, ऐसी सरकार से मांग की रवि कुंडली ने कहा कि दलित महिला ममता के साथ पुलिस की बरबता बहुत

निंदनीय है और सरकार कि महिला सशक्तिकरण नीतियों के विरूद्ध है उन्होंने कहा पीडित महिला को इंसाफ दिलाने के लिए अगर सड़कों पर जन आंदोलन भी करना पड़ा तो भी उनकी पार्टी पीछे नहीं हटेगी रवि कुंडली ने कहा कि इस तरह की किसी भी घटना को सहना किया जाएगा इस अवसर पर उनके साथ कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

घर से बर्तन व सिवरेज के ढक्कन चोरी करने के मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

कैथल, 7 जुलाई (प्रवेश बहादुर) : चोरी करने वाले आरोपियों पर शिकंजा कसते हुए चीका में एक घर से बर्तन व सिवरेज के ढक्कन चोरी करने के मामले की जांच थाना चीका पुलिस के एचसी दिनेश कुमार की टीम द्वारा करते हुए त्वरित कार्रवाई दौरान आरोपी चीका निवासी देशराज व अरुण को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की पटियाला रोड़ चीका निवासी गुरिंदर सिंह की शिकायत अनुसार 4 जुलाई को सुबह वह अपने किसी काम से बाहर गया हुआ था। शाम को जब वह वापिस आया तो घर के दरवाजे खुले पड़े थे तथा अज्ञात व्यक्ति घर से सिवरेज के ढक्कन व रसोई से पीतल व स्टील के बर्तन चोरी करके ले गया। जिस बारे थाना चीका में मामला दर्ज किया गया। व्यापक पूछताछ उपरांत आरोपियों के कब्जे से चोरीशुदा बर्तन बरामद कर लिए गए। दोनों आरोपी रविवार को न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिए गए।

जय श्री कृष्ण जय श्री राधे के जय घोष से गूंजी नगरी

शाहाबाद मारकण्डा, 7 जुलाई (रूबी) : श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में की प्रभातफेरी श्री कृष्ण मंदिर स्त्री सत्संग सभा की ओर से मन्दिर प्रांगण में आयोजित हुई। पंडित कमलेश्वर प्रसाद ने विधि विधान से पूजा करवाई। भजन मंडल में तरलोक आहूजा, संजीव सचदेवा, रवि शर्मा, वेद गगनेजा, प्रिंस सचदेवा, शैंकी, ममता गगनेजा, रुचिका सचदेवा, मीनाक्षी अरोड़ा ने भजन भगवान श्री कृष्ण के सुंदर सुंदर भजन प्रस्तुत किए। मंदिर सभा की ओर से आयोजकों को स्मृति चिह्न भेंट किया गया। इस अवसर पर विधायक राम करण, चेयरमैन ढूंडराज आनंद, प्रधान राम कृष्ण हसीजा, राज कुमार चुग, सुशील शर्मा, कुलवंत शर्मा, भगतराम गगनेजा, टेक चंद मल्होत्रा, सुखदेव राज शर्मा, श्याम सुन्दर सचदेवा, प्रभजीत तनेजा, विजय कलसी, अनिल सचदेवा, शशि कपूर, नागेश शर्मा, नवनीत सचदेवा, पंकज बुद्धिराजा, साहिल, सुखीजा, गौरवक्वात्रा उपस्थित थे।

सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक करें ऑनलाईन आवेदन : उपायुक्त

सोनीपत, 7 जुलाई (विनोद) : उपायुक्त सुशील सारवान ने बताया कि सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए आगामी 31 जुलाई तक https://awaræ÷ds.gaæv.in वेबसाइट पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को बढ़ावा देने के उत्कृष्ट प्रयास तथा उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों और संस्थाओं को दिया जाता है। यह पुरस्कार सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर (राष्ट्रीय एकता दिवस) के अवसर पर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार विशिष्ट और प्रेरणादायक व्यक्तियों को पहचान प्रदान करता है। ताकि राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को बढ़ावा दिया जा सके। साथ ही मजबूत और एकजुट भारत के महत्व पर बल दिया जा सके।

एजबेस्टन टैस्ट में मिली शानदार जीत से उत्साहित है टीम

भारत को एजबेस्टन टैस्ट में मिली शानदार जीत से समूची टीम उत्साहित है। आज तक भारत यहां एक भी मैच नहीं जीत पाया था इस सूखे को आखिरकार गिल की टीम ने खत्म कर दिया और मेहमान टीम को 336 रनों से पराजित कर सीरिज में बराबरी कर ली।

शुभमन ने आकाशदीप की जमकर प्रशंसा की- भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में मिली 336 रनों की रिकार्ड जीत पर खुशी जतायी है। शुभमन ने इस जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज आकाशदीप की जमकर प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि आकाश गेंद को हर तरफ घुमा रहे थे। शुभमन ने कहा, पहले मैच के बाद हमने अपनी गेंदबाजी और फील्डिंग दोनो को ही बेहतर बनाया। हमें पता था कि अगर हम इस तरह के पिच पर 400 से 500 रन बना लेते हैं, तो हम खेल में बने रहेंगे। इसके अलावा हमारा प्रयास सभी कैच पकड़ना था। साथ ही कहा कि आकाशदीप ने बहुत दिल से गेंदबाजी की। वह अच्छी लाइन व गेंद के साथ ही गेंद को दोनों ओर घुमा रहा था। गिल ने साथ ही कहा, इस तरह के विकेट पर इस प्रकार का प्रदर्शन कठिन होता है। मैं अपनी बल्लेबाजी को लेकर सहज महसूस कर रहा हूं। अगर हम मेरे योगदान से सीरीज जीतते हैं, तो मुझे खुशी होगी। मैंने पहले भी कहा है कि मैं एक बल्लेबाज के रूप में खेलना चाहता हूं, एक बल्लेबाज के रूप में सोचना चाहता हूं। साथ ही कहा कि लॉर्ड्स मैदान में होने वाले तीसरे टेस्ट में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी होगी। इसको लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं। यह दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित स्टेडियम है और सभी यहां खेलने और जीतने का सपना देखते हैं। इस जीत के साथ ही शुभमन ने विदेशी धरती पर सबसे बड़ी जीत का रिकार्ड भी अपने नाम किया है।

आकाश दीप ने कैंसर पीड़ित बहन को समर्पित की जीत

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में मिली जीत को अपनी कैंसर पीड़ित बहन को समर्पित किया है। इस मैच में आकाशदीप ने 10 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में सबसे बड़ी भूमिका निभाई थी। ऐसे में जीत से उन्हें बेहद खुशी हुई है। आकाश की बहन पिछले 2 माह से कैंसर से पीड़ित हैं। एजबेस्टन में भारतीय टीम की जीत इलिए भी अहम है क्योंकि ये इस मैदान पर भारतीय टीम की पहली जीत है। भारतीय टीम ने साल 1967 में पहली बार यहां खेल था तब से ही वह यहां एक बार भी नहीं जीती थी।

बुमराह लॉर्ड्स टेस्ट में खेलेंगे

- शुभमन-भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि 10 जुलाई से लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह खेलेंगे। ऐसे में सवाल उठता है कि किस तेज गेंदबाज को बाहर किया जाएगा। बुमराह को एजबेस्टन टेस्ट मैच में आराम दिया गया था। ऐसे में तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा का बाहर होना तय है। कृष्णा हेडिंग्ले के बाद एजबेस्टन में भी प्रभावी नहीं रहे हैं। दोनों पारियों को मिलाकर सिर्फ 5 विकेट ले पाए थे। इसके अलावा उन्होंने रन भी काफी दिये। पहली पारी में उन्होंने 128 खर्च किए थे। वहीं एजबेस्टन टेस्ट मैच में कृष्णा को दोनों पारियों में केवल एक विकेट मिला।

सचिन ने नये कप्तान शुभमन को पहली जीत पर बधाई दी

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारतीय टेस्ट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल को उनकी पहली जीत के लिए बधाई दी है। शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 336 रनों की रिकार्ड जीत दर्ज की है। सचिन ने इस मैच में 10 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले युवा तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह की भी जमकर प्रशंसा की है। वहीं शुभमन ने पहली पारी में दोहरा शतक और दूसरी पारी में शतक लगाया था। सचिन ने इस मैच में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभमन के अलावा अक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत, केएल राहुल और ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा को भी सराहा। सिराज ने मेजबान बल्लेबाज जोश टंग का बेहद कठिन कैच लिया था। उन्होंने लिखा, शुभमन भारतीय टीम को शानदार टेस्ट जीत दिलाने के लिए बधाई हो। उन्होंने इसके साथ ही ऋषभ पंत, राहुल, और जडेजा की भी तारीफ की। तेंदुलकर ने साथ ही कहा, गेंदबाजों ने जिस तरीके से सटीक गेंदबाजी की, वह मुझे सबसे अच्छी लगी। आकाश दीप ने अपने प्रदर्शन से जीत जीत लिया। मेरे अनुसार उन्होंने जो रूट को सीरीज की अब तक की सबसे अच्छी गेंद की थी। इस मैच में सिराज ने वह कमाल सिराज ने पहली पारी में छह विकेट लिए जबकि आकाश दीप ने पहली पारी में चार जबकि दूसरी पारी में छह विकेट लिए। इस प्रकार आकाश ने कुल दस विकेट लेकर मेजबान टीम की कमर ही तोड़ दी।

भारत के संजोग गुप्ता बने आईसीसी के नये सीईओ

भारत के संजोग गुप्ता अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नये मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बने हैं। संजोग ने साल 2021 से ही सीईओ रहे ऑस्ट्रेलिया के ज्योफ एलार्डिस की जगह ली है। संजोग आईसीसी के सातवें सीईओ हैं। उनसे पहले भारतीय मूल के केवल मनु साहनी ही सीईओ रहे हैं। संजोग के पास लंबा अनुभव है। उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अलावा आईसीसीटूर्नामेंट्स, प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) जैसे बड़े खेल आयोजनों का भी अनुभव है। आईसीसी चेयरमेन जय शाह नेकहा, संजोग को स्पोर्ट्स प्लानिंग और व्यवसायीकरण का लंबा अनुभव है। उनका क्रिकेट के प्रति जुनून और तकनीक की समझ इस खेल को उत्साहित करेगी।

एकदिवसीय क्रिकेट में आईसीसी के नए नियम अगले माह से लागू होंगे

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अगले माह जुलाई 2025 से एकदिवसीय क्रिकेट में नये नियम लागू करने जा रही है। जिससे कि खेल का रोमांच बढ़ सके। एक रिपोर्ट के अनुसार नये नियम से खेल को और अधिक रोमांचक और रणनीतिक रूप से संतुलित बनाना है अभी ये बल्लेबाजों के पक्ष में झुका हुआ है। अब , एकदिवसीय में पिछले एक दशक से लागू दो गेंदों के नियम को हटाया जा रहा है। अब 34 ओवर के बाद गेंद बदल दी जाएगी जिससे कि रिवर्स स्विंग करन आसान होगा और गेंद और बल्ले के बीच संतुलन भी बैठेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, एकदिवसीय मैचों में पहले 34 ओवरों तक दो नई गेंदों का उपयोग होगा, लेकिन इसके बाद क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम को 35वें से 50वें ओवर तक एक गेंद लेनी होगी। यदि मैच 25 ओवरों या उससे कम का हो, तो केवल एक नई गेंद का उपयोग होगा। यह नियम 2 जुलाई 2025 से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच कोलंबो में शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज से लागू होगा इसके अलावा, आईसीसी ने कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियमों में भी बदलाव की घोषणा की है। अब टीमें मैच शुरू होने से पहले रैफरी को 5 खिलाड़ियों की सूची सौंपेंगी, जिसमें एक विकेटकीपर, बल्लेबाज, तेज गेंदबाज, स्पिनर और ऑलराउंडर शामिल होंगे। यह नियम खिलाड़ियों की सुरक्षा और खेल की निष्पक्षता को बढ़ाने के लिए लाया गया है।

ये नियम टेस्ट क्रिकेट में 17 जून से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गाले में शुरू होने वाले टेस्ट मैच से लागू होंगे, जबकि टी20आई में बदलाव 10 जुलाई से प्रभावी होंगे। हालांकि, 11 जून से लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल वर्तमान नियमों के तहत ही खेला जाएगा। आईसीसी ने इन संशोधनों के बारे में अपने सदस्य बोर्डों को भी जानकारी दे दी है। ये बदलाव आईसीसी मुख्य कार्यकारी समिति द्वारा अनुमोदित किए गए हैं। इससे एकदिवीसय मैचों के लिए दर्शकों की रुचि बढ़ने की उम्मीद है।

कप्तान ब्रंट टी20 सीरीज से बाहर हुईं, माइया शामिल

इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान नैट सिवर ब्रंट चोटिल होने के कारण भारतीय टीम के खिलाफ बचे हुए दो मैचों से बाहर हो गई है। ब्रंट चोट के चलते पांच मैचों की सीरीज से बचे हुए मैचों से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह हैम्पशर की प्रतिभाशाली बल्लेबाज माइया बाउचर को टीम में शामिल किया गया है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा है कि ब्रंट की कमर में चोट के कारण वह सीरीज से बाहर हो गई हैं। हालांकि उसे ब्रंट के एकदिवसीय सीरीज तक फिट होने की उम्मीद है। इस सीरीज में भारतीय टीम 2-1 से आगे है। वहीं अब ब्रंट के बाहर होने से मेजबानों की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं। ब्रंट ने पहले दो टी20 मैचों में कप्तानी की थी पर जिसमें टीम को हारना पड़ा था। तीसरे मैच में वह नहीं खेल पायीं थी हालांकि इसमें इंग्लैंड को जीत मिली थी।

बीसीसीआई ने खिलाड़ियों की यात्रा नीति के लिए नए बदलाव किए

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी यात्रा नीति को सरल बनाया है। बीसीसीआई की मौजूदा यात्रा नीति के अनुसार कर्मचारियों को छोटी अवधि की यात्रा (चार दिन तक) के लिए प्रतिदिन 15,000 रुपये और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल), महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) और भारत द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रतियोगिताओं से संबंधित लंबी अवधि की यात्रा के लिए प्रतिदिन 10,000 रुपये का भुगतान किया जाता रहा है। हालांकि, अब इसमें बदलाव किया गया है। यात्रा के दौरान एकमुश्त आकस्मिक भत्ता 7500 रुपये था पर अब आकस्मिक भत्ते को हटा दिया गया है और कर्मचारियों को अब यात्रा के दौरान प्रतिदिन 10,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा। आईपीएल का आयोजन दो महीने से कुछ अधिक समय तक होता है, जबकि आईसीसी प्रतियोगिता भी कम से कम एक महीने तक चलती है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा है कि कटौती यानी टीडीएस के बाद प्रतिदिन भत्ता 6500 रुपये होता है। नीति में संशोधन किया जा रहा था इसलिए वित्त, संचालन और मीडिया विभाग सहित बीसीसीआई के कर्मचारियों को आईपीएल और डब्ल्यूपीएल के लिए उनके दैनिक भत्ते का भुगतान नहीं किया गया है, लेकिन अब जब नीति तैयार हो गई है तो उनके बकाए का भुगतान जल्द ही किया जाना चाहिए। सूत्र ने कहा, ''भत्तों के संदर्भ में एक स्पष्ट नीति की आवश्यकता थी, क्योंकि कुछ कर्मचारी टूर्नामेंट के दौरान मुंबई मुख्यालय से संचालन करते हुए भी भत्ते का दावा कर रहे थे। अब जब यह तैयार हो गई है तो बकाए का भुगतान जल्द ही किया जाएगा।'' अधिक स्पष्टता के लिए एक कर्मचारी जो पूरे 70 दिवसीय आईपीएल के लिए यात्रा कर रहा है वह 10,000 रुपये के दैनिक भत्ते के लिए पात्र होगा, जिसमें कुल दावा राशि सात लाख रुपये होगी। आईपीएल के दौरान सीमित यात्रा करने वाला व्यक्ति 70 दिवसीय भत्ते का केवल 60 फीसीदी दावा करने का पात्र होगा और जो व्यक्ति बिल्कुल भी यात्रा नहीं कर रहा है वह 70 दिनों के लिए 40 प्रतिशत राशि का दावा कर सकता है।

एक दिवसीय में दोहरा शतक लगाना चाहते हैं वैभव

इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-19 क्रिकेट के चौथे एकदिवसीय में शानदार शतक लगाने वाले वैभव सूर्यवंशी का कहना है कि अब उनका लक्ष्य दोहरा शतक लगाना है। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे एकदिवसीय में वैभव ने 143 रन बनाये थे। वैभव ने कहा कि उसके पास और अधिक रन बनाने का अवसर था, पर एक खराब शॉट की वजह से ये अवसर उनके हाथ से निकल गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने वैभव सूर्यवंशी का एक वीडियो भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया है जिसमें वह अपने सबसे कम उम्र के शतक लगाने के रिकार्ड की बात कर रहे हैं। इस उभरते हुए बल्लेबाज ने कहा, मुझे पता नहीं था कि मैंने रिकॉर्ड बनाया है, हमारे टीम मैनेजर ने मुझे ये बात बतायी। वैभव ने कहा कि टेस्ट कप्तान शुभमन गिल से ही उन्हें बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिली है। शुभमन ने जब एजबेस्टन टेस्ट में दोहरा शतक लगाया था तो वैभव वहां स्टेडियम में थे। इसी को लेकर वैभव ने कहा, मैं उनसे प्रेरित हूं उन्होंने 100 और 200 बनाने के बाद भी रन बनाने का प्रयास जारी रखा और टीम को आगे बढ़ाया। शुभमन की पारी देखने के बाद वैभव ने कहा कि वह भी 143 रनों की पारी को आगे बढ़ा सकते थे। तब 20 ओवर बचे थे पर एक शॉट वह ठीक से नहीं खेल पाये जिसका उन्हें नुकसान हुआ है। साथ ही कहा, अगले मैच में मेरा प्रयास 200 रन बनाने के साथ ही पूरे 50 ओवर खेलना रहेगा जिससे टीम को लाभ मिले। अपनी 143 रनों की पारी के साथ ही वैभव यूवा क्रिकेट में शतकीय पारी खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय खिलाड़ी बने हैं। इस दौरान उन्होंने सरफराज खान का 12 साल पुराना रिकार्ड तोड़ दिया। सरफराज ने 2013 में दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 के खिलाफ 15 साल और 338 दिन की उम्र में शतक लगाया था।

शुभमन ने बनाया रिकॉर्ड, कोहली ने स्टार लड़का करार दिया - भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट की दूसरी पारी में भी शतक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। शुभमन ने पहली पारी में दोहरा शतक लगाया था जबकि दूसरे पारी में उन्होंने 161 रन बनाए। ये साल 1990 में लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ इंग्लैंड के ग्राहम गूच के 456 रनों के बाद एक मैच में किसी बल्लेबाज का बनाया सबसे अधिक स्कोर है। गूच ने तब पहली पारी में 333 जबकि दूसरी पारी में 123 रन बनाये थे।शुभमन ने दोनों पारियों में मिलाकर कुल 430 रन बनाए हैं। वहीं पहले टेस्ट में भी शुभमन ने शतक लगाया था। इस प्रकार दो मैचों में ही शुभमन ने कुल मिलाकर 585 रन बनाये हैं। एजबेस्टन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में शुभमन गिल ने पहली पारी में दोहरा शतक लगाया और फिर दूसरी पारी में 161 रन बनाए। शुभमन की इस प्रकार की बल्लेबाजी की पूर्व कप्तान विराट कोहली सहित कई दिग्गजों ने सराहना की है।

कोहली ने शुभमन गिल को स्टार लड़का करार दिया। शुभमन के प्रदर्शन की टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलावा पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह और अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने भी प्रशंसा की है। विराट ने लिखा, बहुत बढ़िया खेले 'स्टार बॉय'। इतिहास में नाम लिखवाना शानदार है। यहां से आगे बढ़ते हुए आप यह सब पाने के अधिकारी हैं। वहीं युवराज ने कहा, एक और पारी और फिर से शतक। बहुत बढ़िया कप्तान। वहीं सूर्यकुमार ने कहा, अरे भाई अभी कल या परसो ही तो स्टोरी डाली थी। शानदार। शमी ने कहा, एक बार फिर से बधाई शुभमन। शुभमन ने पांच मैचों की सीरीज की चौथी पारी में कुल 500 से ज्यादा रन बनाते हुए इंग्लैंड दौरे का अपना लगातार दूसरा और तीसरा शतक लगाया है।

टेस्ट क्रिकेट में 1000 रन बनाने वाली पांचवी टीम बनी टीम इंडिया - शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में कुल 1000 रन बनाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। टीम इंडिया इसी के साथ ही एक टेस्ट मैच में 1000 से अधिक रन बनाने वाली दुनिया की 5वीं टीम बन गई है। पहले टेस्ट में जहां भारतीय टीम की ओर से पांच शतक लगे थे और उसने पांच सौ से अधिक रन बनाये थे।

जोकोविच विम्बलडन में 100 मुकाबले जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी

सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। जोकोविच विंबलडन इतिहास में 100 जीत हासिल करने वाले विश्व के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने तीसरे दौर में अपने ही देश के मिओमिर केकमानोविच को 6-3, 6-0, 6-4 से हराकर इस विशिष्ट क्लब में प्रवेश किया है। इससे पहले केवल मार्टिना नवरातिलोवा और रोजर फेडरर ही विंबलडन में 100 मुकाबले जीत पाये हैं। जोकोविच ने अपने 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात ऑल इंग्लैंड क्लब में जीते हैं। उन्होंने सेंटर कोर्ट पर पहले सेट में 3-3 के स्कोर से लगातार नौ गेम जीतकर आसानी से मुकाबला अपने नाम कर लिया। जोकोविच ने एक साक्षात्कार में कहा, ''मैं अपने पसंदीदा टूर्नामेंट में जो भी इतिहास बनाऊंगा, उसके लिए मैं आभारी हूं। अब जोकोविच का अगला मुकाबला 11 वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एलेक्स डी मिनाउर से होगा। वहीं महिला वर्ग में नौ बार की विंबलडन विजेता रहीं नवरातिलोवा ने 120 एकल जबकि पुरुष वर्ग में आठ बार के चैंपियन फेडरर ने 105 एकल मैच जीते हैं।

ट्रॉट ने शुभमन को विश्व स्तरीय खिलाड़ी बताया

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर जोनाथन ट्रॉट ने भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की है। ट्रॉट ने कहा है कि शुभमन एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी और कुशल कप्तान हैं। उन्हें पता है कि किस गेंदबाज का सामना कैसे करना है। तेज गेंदबाजों ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स का जिस प्रकार से उन्होंनें सामना किया उससे इस बार का अंदाजा हुआ है। उन्होंने दिखाया है कि किस प्रकार से दो अलग-अलग गति वाले गेंदबाजों का मुकाबला किया जाना चाहिये। सभी तेज गेंदबाजों के खिलाफ एक ही रणनीति नहीं चल सकती है। यही वह विशेषता है, जो अच्छे खिलाड़ियों को औसत खिलाड़ियों से, जबकि विश्व स्तरीय खिलाड़ियों को अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाती है।

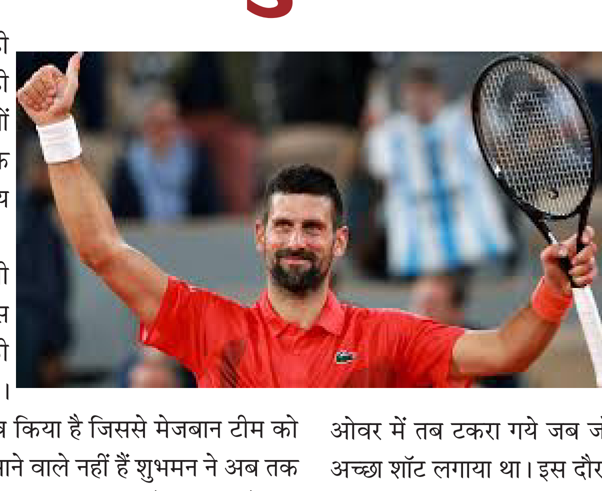

उन्होंने साथ ही कहा, इससे कप्तानी पर भी प्रभाव पड़ता है। सबसे खास बात कप्तान बनने के बाद उनकी बॉडी लैंग्वेज में बदलाव आया है। उन्होंने आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व किया है जिससे मेजबान टीम को स्पष्ट संकेत दिया है वह दबाव में आने वाले नहीं हैं शुभमन ने अब तक दोनो ही मैचों में दबाव के बीच भी शतक लगाये हैं। वह इंग्लैंड में लगातार दूसरे टेस्ट में शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय कप्तान हैं। उनसे पहले मोहम्मद अजहरुद्दीन ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

शुभमन का शॉट रोकने के प्रयास में टकराये रुट और क्रॉली

भारतीय टेस्ट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल आजकल छाये हुए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ अब अब दो टेस्ट मैच में ही शुभमन ने 500 से ज्यादा रन बना दिए हैं। दूसरे टेस्ट में शुभमन ने पहली पारी में 269 जबकि दूसरी पारी में 161 रन बनाये। इस दैरान शुभमन का एक शॉट रोकने के प्रयास में मेजबान टीम के दो खिलाड़ी आपस में टकराते-टकराते बचे।

शुभमन की बल्लेबाजी से मेजबान टीम पर पड़ने वाले दबाव का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दूसरे टेस्ट में जो रूट और जैक क्रॉली एक रोकने के प्रयास में टकरा गये। शुभकन ने पहली पारी में शतक लगाने के बाद दूसरी पारी में दोहरा शतक लबाया। शुभमन इंग्लैंड में दोहरा शतक बनाने वाले पहले भारतीय कप्तान हैं। वहीं सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड) के खिलाफ शतक लगाने वाले वह पहले एशियाई कप्तान हैं। रुट और क्रॉली 118वें ओवर में तब टकरा गये जब जोश टंग की गेंद पर शुभमन ने काफी अच्छा शॉट लगाया था। इस दौरान बाउंड्री को रोकने के प्रयास में रूट और क्रॉली दोनों टकरा गए पर राहत की बात ये रही कि कोई भी चोटिल नहीं हुआ। इस दौरान मेजबान टीम के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन ने भारतीय टीम के युवा कप्तान की जमकर सराहना की।

ऑस्ट्रेलिया में जब एक क्रिकेट मुकाबले में बने थे 286 रन

अगर आप से पूछा जाये कि एक गेंद पर अधिकतम कितने रन बन सकते हैं तो अधिकतर लोगों का जवाब होगा कि सात रन। वह भी तब जब कोई बल्लेबाज नो बाल पर छक्का लगा दे। वहीं अगर क्रिकेट इतिहास देखें तो पता चलता है कि एक गेंद पर 286 रन भी बने हैं। ये कारनामा एक बार ऑस्ट्रेलिया में हुआ था। ये साल 1894 का मैच था। तब केवल इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया ही टेस्ट मैच खेला करते थे। एक रिपोर्ट के अनुसार ये मैच ऑस्ट्रेलिया में विक्टोरिया और स्क्रैच एकादश के बीच खेला गया था और इस मैच में एक गेंद पर ही 286 रन बने थे। इस मैच के दौरान विक्टोरिया के बल्लेबाज ने एक जोरदार शॉट खेला और गेंद पेड़ पर जाकर अटक गई। यह पेड़ बाउंड्री लाइन के अंदर ही था। जब तक गेंद पेड़ पर टंगी रही, तब तक बल्लेबाज रन दौड़ते रहे। इस दौरान दूसरी टीम के खिलाड़ियों ने उन्हें रोकते के लिए पूरी ताकत लगा दी पर वे वे नहीं रुके। यहां तक कि कुछ खिलाड़ी अंपायर के पास पहुंचे और बल्लेबाजों को रन दौड़ने से रोकने की मांग की पर अंपायरों ने इंकार कर दिया। अंपायर्स ने कहा कि गेंद दिख रही है। इसलिए इसे गुम हुआ घोषित नहीं किया जा सकता है।

तब अब मैदान पर एक ओर बल्लेबाज पिच पर रन बना रहे थे। वहीं दूसरी टीम के खिलाड़ी लकड़ी-डंडे से गेंद को पेड़ से गिराने के प्रयास कर रहे थे। यहां तक कि अंपायरों ने पेड़ काटने को कहा पर उसमें समय लग सकता था। ऐसे में बंदूक मंगाई गई पर जब तक गेंद निकली तब तक विक्टोरियाई बल्लेबाजों ने 286 रन दौड़ लिए थे। उसे दौरान रन दौड़ने की कोई सीमा तय नहीं थी जिससे बल्लेबाज लाभ में रहते थे।

भारत का बंगलादेश दौरा स्थगित

भारतीय क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा अब 2026 तक टल गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार, 5 जुलाई की शाम को इसकी आधिकारिक घोषणा की है।

यह दौरा अगस्त 2025 में होना था, जिसमें भारत को बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 मुकाबले खेलने थे।बीसीसीआई द्वारा जारी बयान में बताया गया कि, दोनों बोर्डों ने यह निर्णय आपसी सहमति और गहन चर्चा के बाद लिया है। दोनों टीमों के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल को देखते हुए दौरे को स्थगित करने का फैसला किया गया।

खेल महाकुंभ ओपन प्रतियोगिता में प्रताप पब्लिक स्कूल की छात्रा मारिया का चयन

तरावड़ी, 7 जुलाई (छाया शर्मा) : प्रताप पब्लिक स्कूल तरावड़ी ने खेल महाकुंभ ओपन प्रतियोगिता में जिला राज्यस्तर पर अपना नाम चमकाया। कक्षा ग्यारहवीं साईंस की मारिया ने कर्ण स्टेडियम करनाल में आयोजित जिला राज्यस्तरीय खेल महाकुंभ ओपन प्रतियोगिता में 200 मीटर रेस में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर रेस और रिले रेस में राज्यस्तर के लिए चयनित किया गया। मारिया की यह उल्लेखनीय उपलब्धि उनके अटूट समर्पण, अथक जुनून और हमारे सम्मानित संकाय के अथक प्रयासों का प्रमाण है। उनकी उपलब्धि न केवल हमारे संस्थान के लिए गौरव की बात है, बल्कि उनके साथियों को भी उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करती है। विद्यालय के निदेशक हनी चौधरी एवं निर्देशिका पिथि चौधरी ने बधाई देते हुए विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भी आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। प्रधानाचार्य विकास उत्तेरजा ने भी बच्चों को अपने अंदर की छिपी कला को दर्शाने के लिए प्रेरित किया, ताकि वह अपनी कला को निखारने में सफल हो सके।

बेरोजगार युवाओं के लिए सुनहरा अवसर प्रत्येक ब्लॉक में लगेगा रोजगार मेला : डॉ. अरूण कुमार

यमुनानगर, 7 जुलाई (दिनेश कुमार) : सिक्योरिटी एंड इंटेलीजैन्स सर्विस इंडिया लिमिटेड (एस.आई.एस.) द्वारा रोजगार मुहैया करवाने के लिए जिला रोजगार विभाग की सहायता से हर ब्लॉक में रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा। इसमें सुपरवाईजर से लेकर सिक्योरिटी गार्ड तक के पदो पर मल्टीनेशनल कम्पनियों में भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार विभाग की सहायता से एस.आई.एस. कम्पनी द्वारा सिक्योरिटी गार्ड और सुपरवाईजर के विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए ब्लॉक वाईज जॉब फेयर लगाने का शैडयूल बनाया गया है। जिला रोजगार अधिकारी डॉ. अरूण कुमार ने बताया कि बी.डी.पी.ओ जगाधरी में 8 जुलाई, बी.डी.पी.ओ. रादौर में 9 जुलाई को, बी.डी.पी.ओ सढौरा में 10 जुलाई को, बी.डी.पी.ओ छछरौली में 14 जुलाई को, बी.डी.पी.ओ. सरस्वतीनगर में 15 जुलाई को, बी.डी.पी.ओ. प्रतापनगर में 16 जुलाई को, बी.डी.पी.ओ. व्यासपुर में 17 जुलाई को प्रात- 9 से सांय 4 बजे तक जॉब फेयर लगाया जाएगा ताकि बेरोजगारी युवाओं को बड़ी कम्पनियों में रोजगार प्रदान करवाया जा सके। रोजगार मेले में 18 से 40 साल तक की उम्र के 10वीं पास युवा भाग ले सकते है। रोजगार मेले में इन्टरव्यू के बाद एक महीने की ट्रेनिंग होगी और ट्रेनिंग समाप्त होते ही कम्पनी में नौकरी मिल जाएगी। भर्ती के लिए शारीरिक दक्षता चैक करने के बाद ही सिलैक्ट किया जाएगा। इसके लिए युवा का शारीरिक कद 168 सैंटीमीटर, छाती 80 से 85 सैंटीमीटर तथा योग्यता 10वीं पास होनी चाहिए। युवा अपने साथ योग्यता प्रमाण पत्र व आधार की फोटोप्रति तथा तीन पासपोर्ट साईज फोटो लेकर आए। यह बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्राप्त करने का सुनहरा अवसर है।

इंदिरा गांधी नेशनल कॉलेज लाडवा में इंटर्नशिप कार्यक्रम का शुभारंभ

लाडवा, 7 जुलाई (रामगोपाल) : इंदिरा गांधी नेशनल कॉलेज, लाडवा में आज एक विशेष प्रशिक्षण-इंटर्नशिप कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ.कुशल पाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह इंटर्नशिप कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति छम्च-2020 के दिशा-निर्देशों के तहत आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम का आयोजन पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के सहयोग से कॉलेज परिसर में किया जा रहा है। इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को व्यावसायिक कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। आज पहले दिन सहायक ब्यूटिशियन प्रैक्टिशनर का प्रशिक्षण शुरू किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. कुशल पाल ने बताया कि 8 जुलाई मंगलवार से सहायक बुक कीपिंग-कम्प्यूटराईजड एकाऊटिंग का प्रशिक्षण आरंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेज हमेशा छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा। डॉ. रूपेश गौड, इंटर्नशिप कॉरडिनेटर ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर राय सिंह, निदेशक, पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान ने प्रतिभागियों को सम्बोधित किया और उन्हें इस प्रशिक्षण में उनकी उपस्थिति के लिए प्रेरित किया ताकि वे अधिक से अधिक लाभ प्राप्त कर सके। इस अवसर पर शिक्षक राजेश कुमार और हर्षदीप कौर भी मौजूद रहे तथा प्रशिक्षण दिया।

कांवड़ यात्रा अनादि काल से चली आ रही है और चलती रहेगी : अरविंद शर्मा

सफीदों, 7 जुलाई (एस. के. मित्तल) : विश्व हिन्दू परिषद के जिला जींद उपाध्यक्ष अरविंद शर्मा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राष्ट्रीय एकता, समरसता और एकात्मता की प्रतीक कांवड यात्रा का सभी मत, पंथ, संप्रदाय व धर्मों के लोगों को ना सिर्फ खुले मन से स्वागत करना चाहिए अपितु, कांवड़ यात्रियों के संवैधानिक अधिकारों की भी रक्षा करनी चाहिए। कांवड़ यात्रा अनादि काल से चली आ रही है और आगे भी चलती रहेगी। लगभग 8 करोड़ यात्री प्रतिवर्ष इस पवित्र यात्रा में भाग लेते हैं।

उन्होंने कहा कि इस यात्रा का समाज के सभी वर्गों के द्वारा भरपूर स्वागत व संरक्षण प्राप्त होना चाहिए। कांवड यात्रा को लेकर योगी सरकार के द्वारा उठाए गए कदमों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि योगी सरकार आने के बाद यात्रियों और उनके सम्मान की सुरक्षा के लिए कुछ नियम बनाए गए और उसका परिणाम हमलावर समाज पर भी दिखाई दिया। उत्तरप्रदेश सरकार ने जो नियम बनाए हैं, वे सहीं हैं और उनका सभी को पालन व समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से कुछ लोग इस यात्रा को राजनीति से भी जोड़ने की कोशिश करते हैं।

भारत में यह यात्रा हर वर्ष व निश्चित तिथि पर निकलती है। इसको राजनीति से जोड़ने वाले वास्तव में, हिंदू आस्थाओं का अपमान करते हैं। इसको बर्दाशत नहीं किया जा सकता। वह अपने वोट बैंक के तुष्टीकरण के लिए इतना नीचे ना गिरे कि उनका उठाना मुश्किल हो जाए।

डीएलएसए की सचिव नीतिका भारद्वाज ने किया बाबा बंसीवाला वृद्ध आश्रम का दौरा

लाडवा, 7 जुलाई (रामगोपाल) : जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र की सीजेएम एवं सचिव नीतिका भारद्वाज ने बाबा बंसीवाला वृद्ध आश्रम लाड़वा का दौरा किया। वहां पर उन्होंने बुजुर्गों से बातचीत की और उनकी समस्याएं भी जानी। इसके बाद उन्होंने उनके कमरों का निरीक्षण किया और उनको दिए जाने वाले भोजन का जायजा लिया।

ध्यान और एकाग्रता के बलबूते प्राप्त किया जा सकता है जीवन में सही मुकाम : बी.के प्रेम दीदी

पावन विजन फाउंडेशन का उद्देश्य : भारत ही नहीं पूरे वर्ल्ड को स्वस्थ रखने का उद्देश्य : नेहा अरोड़ा

कहा : आध्यात्मिकता के साथ जुड़कर बच्चे ला सकते है अपने जीवन में बड़ा बदलाव

करनाल, 7 जुलाई (संदीप रोहिला) : ब्रह्माकुमारी आर्ट एंड कल्चर विंग एवं पावन विजन फाउंडेशन की ओर से विद्यार्थियों के लिए मास्टरिंग फोकस एंड कॉन्सन्ट्रेशन विषय पर एक सुन्दर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे डा. राजन लाम्बा व हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष चंडीगढ़ के पी.आर.ओ संदीप साहिल व एडवोकेट नरेश बराना ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। पावन विजन फाउंडेशन की प्रेजिडेंट नेहा अरोड़ा सभी सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया और ऐसे सकारात्मक कार्यक्रमों से जुड़ने की अपील की। इस अवसर पर आर्ट एंड कल्चरल विंग सब जोन करनाल की नेशनल कोऑर्डिनेटर एवं राजयोगिनी बी.के प्रेम दीदी ने बच्चों का मार्गदर्शन किया और आज के दौर में तनाव से कैसे दूर रहा जा सकता है बारे मूलमंत्र दिए। उन्होंने कहा कि ध्यान और एकाग्रता के बलबूते ही हम जीवन में सही मुकाम हासिल कर सकते है। वहीं मुख्यातिथि डा. राजन लाम्बा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों के लिए ऐसे मोटिवेशनल कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहने चाहिए। क्योंकि ऐसे कार्यक्रम से जहां बच्चों का माइंड डायवर्ट होता है वहीं बच्चों को पॉजिटिव वातावरण भी मिलता है। बच्चे मोबाइल से दूर रहे और अपनी जीवन शैली में परिवर्तन लाकर बच्चे अपने भविष्य को सुखद बना सकते है।

इस मौके पर काउंसिल तथा वैलनेस कोच डा. शिखा त्यागी ने मुख्य वक्ता के रूप में बच्चों को बताया कि हमें अपने गोल पर फोकस करना चाहिए तथा समय पर उसे अचीव करना चाहिए।

हम सभी को अपने कार्य को एप्रीशिएट करना चाहिए, कभी भी अपने डिमोटिवेट नहीं करना चाहिए कि हम काम को कैसे करें, ये तो हमसे हो ही नहीं सकता। यदि किसी भी कार्य को एक्रागता और ध्यानपूर्वक किया जाए तो कोई भी मुश्किल कार्य आसान लगने लग जाता है। इस मौके पर पावन विजन फाउंडेशन की प्रेजिडेंट नेहा अरोड़ा ने कहा कि ब्रह्माकुमारी एक वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन है। इसकी शाखाएं पूरे वर्ल्ड के 140 देशों में कार्य कर रही है। यहां का राजयोग मेडिटेशन व्यक्ति के जीवन में संस्कारों में बदलाव लाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। यदि किसी भी व्यक्ति के जीवन में कोई परेशानी आ रही है तो वह यहां आकर अपने जीवन को सुखद बना सकता है। इस मौके पर विभिन्न स्कूलों के लगभग 250 विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम में बच्चे किस तरह से ध्यान केन्द्रित कर सके इसके लिए भी एक्टिविटी करवाई गई। इस मौके पर बी.के आरती व शिविका ने सभी मंचासीन अतिथियों को बुके व मोमेंटो देकर स्वागत किया। इस अवसर पर एडवोकट नरेश बराना, ललित सरदाना, सुरेश मेहता, विकास गुप्ता, पावन विजन फाउंडेशन की टीम की सदस्य निधि, एडवोकेट कमल अरोड़ा, मुकेश ढींगड़ा सहित भारी संख्या में विद्यार्थी व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ऐसे कार्यक्रमों से होता है बच्चों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार : कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष चंडीगढ़ के पी.आर.ओ संदीप साहिल ने कहा कि बच्चों में अध्यात्मिक चेतना जगाने के लिए ब्रह्माकुमारी आश्रम व पावन विजन फाउंडेशन के लिए जो कार्यक्रम रखा गया है वह बेहद ही सराहनीय है। इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों का जहां मानसिक विकास होता है वहीं बच्चों के बौद्धिक विकास और ज्ञान में भी वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि हमारे बच्चे हमारे घर की नींव है, आज के दौर में बच्चों में संस्कार किस तरह से दिए जाएं इसके लिए पावन विजन फाउंडेशन की प्रेसिडेंट नेहा अरोड़ा ने ब्रह्माकुमारी के सहयोग से जो आज का कार्यक्रम आयोजित किया गया है इस कार्यक्रम से निश्चित ही बच्चों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

अध्यात्किता के साथ जुड़कर बच्चे ला सकते है अपने जीवन में बड़ा बदलाव : बी.के प्रेम दीदी आर्ट एंड कल्चर विंग की नेशनल कोऑर्डिनेटर एवं ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय सेक्टर-7 से राजयोगिनी बी.के प्रेम दीदी ने भी बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में बच्चों को आध्यात्मिकता से जुड़ना चाहिए। आध्यात्मिकता से ही ही जुड़कर बच्चे अपने जीवन में बड़ा बदलाव ला सकते है। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे बच्चे पौधे के समान है, उनके संस्कारों को साकारात्क दिशा इसी उम्र में दी जा सकती है।

60 जरूरतमंद परिवारों को मासिक राशन वितरित

शाहाबाद मारकण्डा, 7 जुलाई (रूबी) : जरूरतमंदो और असहाय परिवारों की मदद के लिए हमेशा तत्पर नर नारायण सेवा समिति शाहाबाद मारकण्डा द्वारा 60 जरूरतमंद परिवारों को जुलाई माह का राशन श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में वितरित किया गया इस अवसर पर अपने साथियों सहित पहुंचे। समिति संस्थापक अध्यक्ष मुनीश भाटिया ने बताया कि समिति डोनर सदस्य और अपने सहयोगियों की मदद से निरंतर 15 साल से सेवा प्रकल्प करती आ रही है। समिति संरक्षक सुशील ठकराल और अन्य सदस्यों ने स्मृति चिन्ह और सरोपा भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर समिति से मुनीश भाटिया, सतपाल भाटिया, विनोद अरोड़ा, हरीश विरमानी, हैपी सुनेजा, बिट्टू बत्रा, सुशील ठकराल, करनैल सिंह, पंकज मित्तल, अभिषेक छाबड़ा, अमित कालड़ा, धर्मवीर नरवाल और देशराज मौजूद रहें।

संघ के समरसता के मूल मंत्र से ही धर्मान्तरण पर नियंत्रण सम्भव

विश्व में अल्पसंख्यक बन कर रह रहे हिंदुओं के लिए अभी एक मात्र अपना देश भारत ही है, जहां लोग अपने को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। परंतु कुछ वर्षों से धर्मांतरण और जिहाद की बढ़ती घटनाओं के कारण भारत में रह रहे हिंदू, जैन, सिख, बौद्ध और सरना सनातन परंपराओं को मानने वाले लोग काफी चिंतित हैं, इसलिए अब समय आ गया है कि हिंदू समाज को संगठित होकर हिंदू विरोधियों के कार्यों का प्रतिकार करना होगा। भारत में जबरन धर्मांतरण चाहे वह ईसाई मिशनरियों द्वारा पंजाब, पूर्वोत्तर और आदिवासी क्षेत्रों में हो या जिहादी रणनीतियों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के लिए गंभीर चुनौती है। यह सिर्फ धार्मिक परिवर्तन नहीं बल्कि हिंदू सभ्यता को कमजोर करने, सामाजिक एकता को तोड़ने और राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने की एक साजिश है। राष्ट्र-विरोधी और सनातन-विरोधी शक्तियाँ, जिनमें कुछ राजनीतिक दल और वामपंथी समूह शामिल हैं, इन गतिविधियों को खुलेआम समर्थन दे रहे हैं। धर्मांतरण गतिविधियों को रोकने के लिए जरूरी है कि संघर्ष कर रहे हिंदू परिवारों को कानूनी और वित्तीय सहायता दी जाए। स्वरक्षा और आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जाए। सनातन धर्म की रक्षा होगी तभी भारत की रक्षा हो पाएगी। अगर जबरन धर्मांतरण को नहीं रोका गया तो हिंदू अल्पसंख्यक हो जाएँगे। भारत की संस्कृति और धर्म मिट जाएगा। राष्ट्रीय अखंडता टूट जाएगी। अब समय आ गया है कि हिंदू समाज एकजुट होकर सनातन धर्म की रक्षा करे। पिछले कुछ वर्षों से एक सोचे समझे षड्यंत्र के तहत कुछ लोगों के द्वारा अपने क्षणिक स्वार्थों को पूरा करने के लिए विश्व के सबसे प्राचीन व महान सनातन धर्म को जातियों में विभाजित करके उसको कमजोर करने का ज़हरीला एजेंडा निरंतर चलाया जा रहा है। यह चंद लोग दिन-रात इस बात के लिए व्यस्त हैं कि किस तरह से सनातन धर्म के अनुयायियों को जल्द से जल्द जातियों में बांटकर अपना स्वार्थ पूर्ण किया जाए। इसलिए इन चतुर लोगों का गैंग हिन्दुस्तान की आत्मा हिन्दुओं को बिना सिर-पैर के मुद्दों पर आपस में लड़ाकर के जातियों के नाम पर बांटकर के हिन्दुओं की ताकत को कमजोर करने की साज़िश रचने में लगा हुआ है। ऐसा करके यह चंद लोग एक तरफ तो सनातन धर्म के अनुयायियों की एकता को बेहद चालाकी से चोट पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ यह लोग देश के विकास में बाधक बनके भारत को विश्वगुरु बनने से रोकने का षड्यंत्र भी रच रहे हैं। यह चंद लोग बड़ी ही चतुराई के साथ फूट डालो राज करो के अंग्रेजों की बनाई नीति पर सनातन धर्म के अनुयायियों के बीच जाकर के दिन-रात काम कर रहे हैं। धरातल के हालात देखकर लगता है कि सरकार भी इन चंद लोगों के जातिवाद के ज़हरीले एजेंडे को समझ करके उस पर पूरी तरह अंकुश लगाने में अब तक तो विफल रही है, वह इन लोगों की अभी तक तो कोई ठोस काट ढूंढ नहीं पाई हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जातिवाद की राजनीति के दम पर विपक्षी दलों को मिली भारी सफलता के चलते ही आज पूरे देश में एकबार फिर से हिन्दुओं को जातियों में बांटने के लिए जातियों के नाम पर तरह तरह से बरगलाने वाले लोगों व नेताओं की एक पूरी फौज धरातल पर जोशो-खरोश के साथ दिन-रात कार्य कर रही है, देश व सनातन धर्म के हित में इस स्थिति को जल्द से जल्द रोकना होगा। आरएसएस के पंच प्रण में शामिल सामाजिक समरसता इस जातिवादी गैंग के षड्यंत्र की प्रखर काट है। बशर्ते समस्त हिन्दू समाज मिलकर संघ के इस समरसता अभियान में पूरी तरह समर्पित होकर जुट जाएं। जिस दिन हिन्दू समाज समरसता अभियान के साथ खुद को एकाकार कर लेगा उसी दिन धर्मांतरण रूपी नासूर इस भारतवर्ष से सदा के लिए समाप्त हो जाएगा। इसके लिए हमें अपने क्षणिक लालच भी त्यागने पड़ेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत के संस्कार और संस्कृति का प्रतीक है और संघ प्रमुख मोहन भागवत इसके लिए काम कर रहे है। उनका कहना है कि सनातन ही भारत की पहचान है, अगर सनातन कमजोर होगा तो भारत का लोकतंत्र भी कमजोर होगा। मोहन भागवत ने सनातनियों को कमजोर नहीं होकर बल्कि इकट्ठे रहने के लिए कहा है। अगर, इकट्ठे रहेंगे तो कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा। पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में हिंदू अंत में इकट्ठे हुए। लेकिन यहां के हिंदू अंतिम में इकट्ठा नहीं हो, बल्कि शुरू से ही एक साथ रहें। अब संगठित होना पड़ेगा, नहीं तो कई लोग ऐसे हैं, जो जिन्ना के सिद्धांतों को लेकर चल रहे हैं। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने भी प्रत्येक धर्म की जीवन शैलियों और विचारों का सूक्ष्मता से अध्ययन किया था। हिन्दू धर्म में कुछ शताब्दियों के लिए आई कुरीतियों के विरुद्ध मुखरता के साथ-साथ उन्होंने इस्लाम के कट्टरवादी नजरिए और ईसाई, बौद्ध एवं सिख पंथ की भी तुलनात्मक विवेचना की थी। बाबा साहेब का सम्पूर्ण जीवन अलग-अलग भागों में बंटा हुआ है। जिसमें उनकी दृष्टि सामयिक विषयों के आधार पर बदली भी है। यदि उनके जीवन के जन्म से मध्य काल तक की यात्रा को देखें तो यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि उनसे बड़ा हिन्दुओं का हितैषी कोई नहीं था। यदि तत्कालीन शक्तियों द्वारा उनके विचारों का मंथन किया गया होता तो भारत आज धर्मांतरण सहित कई तरह की समस्याओं से मुक्त होता ।

आरएसएस स्वयंसेवकों को सामाजिक समरसता के महत्व को समझने और इसे बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षित करता है : संघ का मानना है कि सामाजिक समरसता के बिना, राष्ट्र मजबूत नहीं हो सकता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का धर्मांतरण के मुद्दे पर एक स्पष्ट दृष्टिकोण है। आरएसएस का मानना है कि धर्मांतरण, विशेष रूप से हिंदुओं का, जनसंख्या असंतुलन का कारण बनता है. उनका कहना है कि धर्मांतरण और घुसपैठ के कारण कई जगहों पर हिंदुओं की आबादी घट रही है। आरएसएस धर्मांतरण विरोधी कानूनों को सख्ती से लागू करने की अपील करता है। डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर ने सामाजिक समरसता का जो स्वप्न देखा था, उसे साकार करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अभियान चला रहा है। वास्तव में संघ अपने स्थापना काल से ही सामाजिक समरसता के लिए कार्य कर रहा है। डॉ भीमराव आम्बेडकर भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यों से प्रभावित हुए थे। उन्हें वर्ष 1939 में पुणे में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षण शिविर को देखने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने अनुभव किया कि शिविर में सभी जातियों के लोग प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसमें दलित समाज के लोग भी सम्मिलित थे। शिविर में सबके साथ समान व्यवहार किया जा रहा था। डॉ अंबेडकर की ही तरह आरएसएस ने धर्म के आधार पर आरक्षण का समर्थन नहीं किया है, बल्कि अंतरजातीय विवाहों का समर्थन किया है। आरएसएस का मानना है कि जनसंख्या असंतुलन को दूर करने के लिए, देश को एक व्यापक जनसंख्या नीति की आवश्यकता है जो सभी पर लागू हो, जिसमें धर्मांतरण और घुसपैठ को रोकने के उपाय शामिल हों। इसके साथ सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं धर्मांतरण को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। वे जागरूकता बढ़ाकर, शिक्षा प्रदान करके, और समुदायों को मजबूत करके धर्मांतरण के कारणों को दूर कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त, वे आपसी समझ को बढ़ावा देकर धर्मांतरण के नकारात्मक प्रभावों को कम करने में भी मदद कर सकती हैं। विश्व हिंदू परिषद, हिंदू जागरण मंच, बजरंग दल जैसी संस्थाएं व हमारे अनेक साधु संत इस कार्य में अब तन मन धन से लगे हुए हैं। सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं लोगों को यह समझने में मदद कर सकती हैं कि धर्मांतरण क्यों होता है और इसके संभावित नकारात्मक परिणाम क्या हो सकते हैं। यह जागरूकता अभियान समुदायों को धर्मांतरण के प्रति अधिक सतर्क और प्रतिरोधी बना सकता है। सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं शिक्षा के माध्यम से लोगों को सशक्त बना सकती हैं। वे लोगों को अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के बारे में शिक्षित कर सकती हैं। यह शिक्षा उन्हें अपनी पहचान और विश्वासों को मजबूत करने में मदद कर सकती है, जिससे वे धर्मांतरण के प्रलोभन का विरोध कर सकें। सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं समुदायों के बीच समरसता को मजबूत करके धर्मांतरण को रोक सकती हैं। अंत में धर्मांतरण रोकने का सफल और सटीक फॉर्मूला यही है कि हमे धर्मान्तरण करने वाले हर परिवार व्यक्ति को गले लगाना होगा, उनके सम्मान की चिंता करनी होगी, उनके सामाजिक व धार्मिक उत्सवों में आमंत्रित करना होगा, उनको आभास कराना होगा कि आप सनातन धर्म की मजबूत कड़ी है। उन सभी दलित बस्तियों और समाज के बीच जाकर उनको झूठे सेवा कार्यो की सच्चाई बतानी होगी और उनको विश्वास दिलाना होगा कि आपके बिना हम अधूरे हैं।

लेखक

सुभाष चन्द्र

कार्यकारी वाइस चेयरमैन, स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा, दलित चिंतक एवं वरिष्ठ पत्रकार।

एसडीएम राजेश खोथ ने संयुक्त कार्यालय परिसर में नागरिकों को पौधे देकर की इस अनूठी पहल की शुरुआत

प्रशासन द्वारा 10 जुलाई को उपमंडल के थुराना गांव में आयोजित किया जाएगा रात्रि ठहराव कार्यक्रम

हांसी, 7 जुलाई (मनमोहन शर्मा): म्हारी हरी - भरी हांसी अभियान के तहत सरकारी कार्यों को लेकर संयुक्त कार्यालय परिसर आने वाले इच्छुक नागरिकों को उपमंडल प्रशासन द्वारा निशुल्क पौधे उपलब्ध करवाए जाएंगे। एसडीएम राजेश खोथ ने सोमवार को नागरिकों को पौधे देखकर इस अनूठी पहल की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने संयुक्त कार्यालय परिसर में आयोजित विभिन्न विभागों के अधिकारियों की एक संयुक्त बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि उपमंडल क्षेत्र को हरा-भरा बनाने के लिए शुरू किए गए इस अभियान के तहत 10000 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, अब तक लगभग 1500 पौधे रोपित करवाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि वन विभाग की हांसी शहर, सोरखी तथा पाली गांव में स्थित नर्सरींयों में लगभग 100 प्रजातियों के पौधे उपलब्ध हैं। इनमें फलदार, छायादार, फूलदार तथा औषधिय पौधे शामिल हैं। कोई भी व्यक्ति इन नर्सरींयों से फ्री में पौधे प्राप्त कर सकते हैं।

एसडीएम ने संयुक्त कार्यालय आए लोगों को किए पौधे भेंट : संयुक्त कार्यालय परिसर में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें एसडीएम राजेश खोथ ने नागरिकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। शिविर में तीन समस्याएं प्रस्तुत की गई। एसडीएम ने समाधान शिविर में समस्याएं लेकर आने वाले तथा अन्य मौजूद लोगों को पौधे भेंट किए और जीवन में पेड़ पौधों के महत्व बारे जागरूक करते हुए अपने घर- आंगन खेत इत्यादि में रोपित करने की अपील की। वन विभाग द्वारा यहां 500 पौधों की व्यवस्था की गई थी। रामशरण आश्रम के निकट विकसित की जाएगी ग्रीन बेल्ट* एसडीएम कहा ने कि राम शरणम् आश्रम के निकट ग्रीन बेल्ट विकसित की जाएगी। उन्होंने बताया कि यहां पड़े कूड़ा करकट को उठाने का कार्य प्रारंभ करवा दिया गया है। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह शेष बचे कूड़ा करकट को जल्द उठाकर यहां आवश्यकता अनुसार मिट्टी भरत करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जैसे ही यह कार्य पूरा होता है उसके तुरंत बाद पौधा रोपण का कार्य शुरू किया जाएगा और फेंसिंग भी करवाई जाएगी।

थुराना गांव में 10 जुलाई को होगा प्रशासन का रात्रि ठहराव कार्यक्रम : खोथ ने बताया कि आगामी 10 जुलाई को उपमंडल के थुराना गांव में प्रशासन का जिला स्तरीय रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। रात्रि ठहराव कार्यक्रम में नागरिकों की हर प्रकार की समस्याओं को सुनकर उनका समाधान किया जाएगा। केंद्र तथा राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन - जन तक पहुंचने के उद्देश्य को लेकर विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी स्टॉल भी लगाई जाएगी ।

शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय का नाम हरियाणा ही नहीं अपितु भारत के मानचित्र पर पहुंचाया जाएगा:डा.रामपाल सैनी

हरियाणा राज्य सूचना आयुक्त कर्मवीर सिंह सैनी, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ रामपाल सैनी, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मीडिया कोऑर्डिनेटर ने बतौर मुख्यातिथि के तौर पर की शिरकत

करनाल, 7 जुलाई (संदीप रोहिला): सैनी कर्मचारी संगठन द्वारा रविवार को सैनी समाज भवन सोसाइटी में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह में हरियाणा राज्य सूचना आयुक्त कर्मवीर सिंह सैनी, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ रामपाल सैनी, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मीडिया कोऑर्डिनेटर ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। सम्मान समारोह में सैनी एंप्लॉयर्स एसोसिएशन के प्रधान सुमेर चंद्र सैनी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। हरियाणा राज्य सूचना आयुक्त कर्मवीर सिंह सैनी ने कहा कि हमें समाज के वर्गों को साथ लेकर पूरी ईमानदारी से कार्य करना चाहिए। अपने बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सभी समाजों के हित में कार्य कर रही है।। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जो जिम्मेदारी सूचना आयुक्त के रूप में दी है इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी व निष्ठा से करूंगा। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ रामपाल सैनी ने कहा कि सरकार ने मुझे शिक्षा के क्षेत्र में उच्च पद पर नियुक्त किया है। शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय का नाम हरियाणा ही नहीं अपितु भारत के मानचित्र पर पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में शिक्षा के माध्यम से रोजगार स्थापित करने पर बल दिया जा रहा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचने का काम किया जा रहा है ताकि पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक इन योजनाओं का लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मीडिया को और शक्तिशाली बनाने पर जोर दिया जा रहा है क्योंकि मीडिया के माध्यम से ही सरकार द्वारा चलाई योजनाओं को आमजन तक पहुंचाया जा रहा है। इसके बाद समारोह में एचपीएससी के सचिव सतीश सैनी, कुलसचिव सुरेश सैनी, चांसलर कैपिटल यूनिवर्सिटी झारखंड मदन सैनी पीएनबी ए जी एम भूपेन्द्र, समाजसेवी अमित सैनी ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर उप प्रधान पूर्ण चंद,जनरल सेकेट्री जसविंदर सैनी, डीआई हिशम सैनी, महासचिव उदय सैनी, जयपाल सैनी, रमेश सैनी, हिशम सैनी, अनिल सैनी, कंवल सैनी, समुद्र सैनी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदन : डॉ. वजीर सिंह

करनाल, 7 जुलाई (रविन्द्र मलिक): कृषि उप-निदेशक डॉ वजीर सिंह ने बताया कि जिला के किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 31 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने किसानों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में अपनी फसल का बीमा करवाने का आह्वान किया ताकि फसल खराब होने पर किसानों को अपनी खराब हुई फसल का मुआवजा मिल सके। साथ ही अन्य सरकारी योजनाओं का भी लाभ मिल सके। डॉ वजीर सिंह ने बताया कि खरीफ सीजन 2025 के अंतर्गत आने वाली अधिकृत फसलों (धान, बाजरा, मक्का, कपास, मूंग) का बीमा किसान 31 जुलाई तक अपने बैंक में जाकर या जन सेवा केंद्र (सीएससी) व प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के ऑनलाइन पोर्टल और फसल बीमा कंपनी के माध्यम से करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि जो ऋणी-किसान फसल बीमा नहीं करवाना चाहते हैं, वह किसान अंतिम तिथि से एक सप्ताह पहले अपने बैंक में लिखित रूप में सूचित करेंगे अन्यथा बैंक द्वारा स्वत- ही फसल बीमा प्रीमियम काट लिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि बीमित किसान फसल खराब होने पर कृषि-रक्षक पोर्टल पर टोल फ्री न0-14447 से अपनी खराब हुई फसल की सूचना 72 घंटे के अंदर दे सकता है जिसका सर्वे बीमा कंपनी प्रतिनिधि और कृषि विभाग के कर्मचारी द्वारा किसान की उपस्थिति में किया जाएगा जिसके उपरांत किसान को उसकी फसल नुकसान प्रतिशत अनुसार मुआवजा देय होगा।

संत समाज में फैल रही बुराइयों को दूर करने का संदेश देते हैं : योगेंद्र राणा

मूनक, 7 जुलाई (जय भगवान): गांव मूनक में सतगुरु शांति दास महाराज जी याद में 34 वां संत सम्मेलन किया गया । यह सम्मेलन श्री

सत प्रेमदास दास आश्रम में किया गया। जिसमें सैकड़ो श्रद्धालु व संत जन पहुंचे। सभी संत जन भक्त जनों के लिए अटूट लंगर लगाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि असंध के विधायक योगेंद्र राणा रहे। आयोजन धुनी दास महाराज ने भजनों के द्वारा उपदेश व संदेश भरे भजन सुनाया । मुख्य अतिथि योगेंद्र राणा ने बताया कि संत सभी के होते हैं उनके द्वारा समाज को जोड़ने व एक माला में पुरोने का कार्य करते हैं। संत एक जाति के न होकर सभी का भला चाहते हैं। उनका जन्म केवल समाज को सही मार्ग दिखाने के लिए ही होता है । हमें बताए हुए संतों के मार्ग पर चलना चाहिए । उनके बताए हुए मार्ग पर व्यक्ति अनेक प्रकार की बुराइयों से दूर रहता है। समाज में फैल रहे नशे से भी दूर रहते हैं । मुख्य अतिथि ने लंगर हाल के लिए आश्रम में 21 लाख रुपए देने की घोषणा की है। संत सम्मेलन के दौरान प्रसिद्ध समाज सेवी भाई प्रवीण राणा , एसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश , डॉ नपी सिंह राणा, अक्षय राणा युवा अध्यक्ष राजपूत महासभा , अनिल राणा ,अमित राणा सालवन, दलबीर ढांडा पंच ,सुभाष गोरिया, सजीव, बिजेंदर दास साहिब जालंधर ,सुरेंद्र दास ,सतनाम दास , धनपत दास अन्य संत मौजूद रहे।

बिजली शिकायतों की सुनवाई आज

करनाल, 7 जुलाई (सुनील कुमार): उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम करनाल परिचालन परिमंडल के अधीक्षक अभियंता नसीब सिंह ने बताया कि 8 जुलाई को सुबह 11 बजे राजीव गांधी विद्युत सदन के कॉन्फेस हाल सर्कल कार्यालय सेक्टर 12 में बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों का शीघ्र निपटारा करने के उद्देश्य से संबंधी शिकायतें सुनी जाएंगी। शिकायतों की सुनवाई उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम करनाल के अध्यक्ष करेंगे। उन्होंने बताया कि ऐसे उपभोक्ता जिनकी बिजली संबंधी समस्याओं का स्थानीय अधिकारियों से मिलने के बाद भी समाधान नहीं हो पा रहा है, वे फोरम के समक्ष शिकायत रख सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे उपभोक्ता जिनका बिजली संबंधी केस कोर्ट में विचाराधीन है तथा जिनकी शिकायत या मामला दो वर्ष से पुराना है, ऐसे उपभोक्ता सुनवाई के पात्र नहीं होंगे। इसके अलावा बिजली चोरी संबधी शिकायतें भी बैठक में नहीं सुनी जाएंगी।